हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 08 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 117 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बिना इलाज के मरीज की मौत, अभिषेक बनर्जी की डॉक्टरों से अपील- आंदोलन चलाइए पर सेवा भी दीजिए,

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल के कोननगर के 28 वर्षीय बिक्रम भट्टाचार्जी की ट्रक की चपेट में आने से शुक्रवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मौत हो गई, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना उस दिन हुई जब राज्य के स्वास्थ्य विभाग को कथित तौर पर 'डॉक्टरों के संयुक्त मंच' के आंदोलन के बाद कोलकाता के सभी पांच मेडिकल कॉलेजों में हेल्प डेस्क बंद करने पड़े। हुगली के कोननगर के युवक को आरजी कर मेडिकल कॉलेज लाया गया था और कथित तौर पर उसी अस्पताल में इलाज न मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कुणाल घोष ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पर दावा किया कि बिक्रम भट्टाचार्जी को उचित इलाज नहीं मिला। हालांकि, अस्पताल ने इन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि बिक्रम भट्टाचार्जी के परिवार ने अस्पताल या पुलिस के पास कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की है,

भारत की पहली यात्रा पर आएंगे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद, पीएम मोदी से होगी मुलाकात

खालिद बिन मोहम्मद अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वह सोमवार (9 सितंबर) को पीएम मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली:विदेश मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। अबू धाबी के युवराज के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। खालिद बिन मोहम्मद अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वह सोमवार (9 सितंबर) को पीएम मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के बिजनेस लीडर हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, "क्राउन प्रिंस की

यात्रा मजबूत भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खोलेगी।" खालिद बिन मोहम्मद अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वह सोमवार (9 सितंबर) को पीएम मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के बिजनेस लीडर हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, "क्राउन प्रिंस की

यात्रा मजबूत भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खोलेगी।" 2022-23 में लगभग 85 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ यूएई और भारत एक-दूसरे के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से हैं। प्रधान मंत्री मोदी 14 फरवरी को अबू धाबी की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने भक्ति मंत्रों के बीच और स्वामीनारायण संप्रदाय के आध्यात्मिक नेताओं की उपस्थिति में अबू धाबी के पहले हिंदू पत्थर मंदिर का उद्घाटन किया था। खालिद बिन मोहम्मद अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वह सोमवार (9 सितंबर) को पीएम मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे।

'भाजपा में कोई छोटा-बड़ा नहीं', नड्डा बोले- यहां सामान्य परिवार से आने वाला व्यक्ति भी बन सकता है पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली: भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पटना में आयोजित 'भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में नड्डा ने कहा कि मेरा ये सौभाग्य है, आज मुझे आप सबके साथ 'सदस्यता अभियान' से जुड़ने का, मिलने का और आपके साथ सदस्यता अभियान को कार्यरूप देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि आप सब लोग बड़े सौभाग्यशाली हैं कि आप इस पवित्र नगरी पाटलिपुत्र के रहने वाले हैं। जहां आपको मां गंगा का आशीर्वाद मिलता है और गुरु गोविंद सिंह जी की प्रेरणा मिलती है। ऐसी पवित्र धरती को मैं नमन करता हूं। नड्डा ने कहा कि 2 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली में भाजपा का राष्ट्रीय सदस्यता अभियान शुरू हुआ। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें देश का प्रधानसेवक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष... सभी को हर 6 साल पर अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करवाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ये किसी और पार्टी में संभव भी नहीं हैं, क्योंकि बाकी सारी पार्टियां या तो किसी जाति की पार्टी है या किसी विशेष समुदाय की पार्टी है या परिवार की पार्टी है, लेकिन भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो सबकी पार्टी है और सारे समाज की पार्टी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम 18 करोड़ की पार्टी हैं और इस बार हमारा लक्ष्य करीब 10 करोड़ नवीनीकरण का है। अब तक सवा करोड़ से ज्यादा सदस्यता हो चुकी है और हम इसे आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में अधिकार के साथ साथ अवसर की भी समानता है।

3 परिवारों ने जम्मू-कश्मीर को लूटा, अमित शाह बोले- अब दोबारा फैलाना चाहते हैं आतंकवाद

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी)-कांग्रेस गठबंधन पर अलगाववादियों और आतंकवादी समर्थकों की रिहाई की मांग करके जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जम्मू में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने क्षेत्र में आतंकवाद को फिर से बढ़ावा देने के प्रयासों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। नेकां और कांग्रेस पत्थरबाजों को रिहा करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि राजौरी और पुंछ में आतंकवाद पनपे। हमने उपद्रवियों को जेल में डाल दिया है। वे चाहते हैं कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार फिर से शुरू हो। इससे किसे फायदा होगा? शाह ने आरोप लगाया कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ मिलकर क्षेत्र को आतंकवाद की आग में धकेलने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि तीन परिवारों ने जम्मू-कश्मीर को लूटा है।

बृज भूषण सिंह पर पवन खेड़ा का पलटवार, बोले- अन्याय के खिलाफ लड़ती है कांग्रेस, हुड्डा परिवार ने क्या गलत किया?

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के दावों के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा गलत काम करने वालों के लिए स्टैंड लेती है और कांग्रेस गलत के खिलाफ आवाज उठाती है। बृज भूषण शरण सिंह ने कहा था पहलवान का विरोध कांग्रेस द्वारा राजनीति से प्रेरित था। खेड़ा ने कहा कि गलत करते हैं, भाजपा उनके साथ खड़ी है और वे भाजपा के साथ हैं। जिनके साथ भी अन्याय होता है, कांग्रेस उनके लिए

लड़ती है, उनकी आवाज उठाती है और आगे भी उठाएगी और इसीलिए वे कांग्रेस को पसंद भी करते हैं। खेड़ा ने कहा कि बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ छह खिलाड़ियों ने एफआईआर दर्ज कराई थी। क्या आपने देखा है कि उन पर किन धाराओं का आरोप लगाया गया था?

शिवसेना मंत्री ने अजित पवार के मंत्रालय को लेकर कर दी विवादित टिप्पणी, छगन भुजबल बोले- भगवान सद्बुद्धि दे

एजेंसी

महाराष्ट्र:महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता गुलाबराव रघुनाथ पाटिल द्वारा अजित पवार के नेतृत्व वाले राज्य वित्त मंत्रालय पर दिए गए बयान पर महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि दादा (अजित पवार) 10 बार वित्त मंत्री रह चुके हैं और वित्त विभाग संभाल चुके हैं। मैं भगवान गणेश से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उन सभी को सद्बुद्धि दें जो हमारे मित्र, नेता और महायुति के कार्यकर्ता हैं ताकि हम आपस में कोई बयानबाजी न करें। छगन भुजबल ने कहा कि हमें यह दिखाना है कि हम सब महायुति में एक हैं और हम इस

चुनाव में एकजुट होकर लोगों के सामने जा रहे हैं। महायुति सरकार ने लोगों को अच्छे कार्यक्रम और योजनाएं दी हैं। अच्छा माहौल बन रहा है। कोई भी इसे खराब करने की कोशिश न करे। शिवसेना मंत्री गुलाबराव पाटिल ने वित्त मंत्रालय को शिंदे सरकार में सबसे बेकार मंत्रालय तक कह दिया, जिस पर अजीत पवार के नेतृत्व वाले समूह ने फटकार लगाई। महाराष्ट्र के जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि वित्त मंत्रालय सबसे नालायक (बेकार) मंत्रालय है।

भारत जोड़ो यात्रा के दो साल, राहुल गांधी बोले- देश के हर कोने में सुनाई दे प्रेम की आवाज

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ पर एक दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया और कहा कि इस यात्रा ने उन्हें मौन की सुंदरता सिखाई है। एक्स को संबोधित करते हुए गांधी ने लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की सुंदरता सिखाई। उत्साही भीड़ और नारों के बीच, मैंने शोर को शांत करने और वास्तव में सुनने के लिए अपने बगल वाले व्यक्ति पर पूरी तरह

से ध्यान केंद्रित करने की शक्ति का पता लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि इन दो वर्षों में, उन्होंने विविध पृष्ठभूमि के हजारों भारतीयों की बात सुनी है और प्रत्येक आवाज ने ज्ञान दिया है, उन्हें कुछ नया सिखाया है और प्रत्येक व्यक्ति ने प्यारी भारत माता का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने लिखा कि यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय स्वाभाविक रूप से प्यार करने वाले लोग हैं। जब मैंने यह यात्रा शुरू की थी तो मैंने कहा था कि प्रेम नफरत पर विजय प्राप्त करेगा और आशा भय पर विजय प्राप्त करेगी, आज हमारा मिशन एक ही है कि भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज हमारे प्यारे देश के हर कोने में सुनाई दे।

हरियाणा में गरजीं सुनीता केजरीवाल, कहा- मोदी के सामने नहीं झुकेंगे अरविंद

एजेंसी

अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने नहीं झुकेंगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री की पत्नी ने भारतीय जनता पार्टी पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत भिवानी में आयोजित 'टाउनहॉल' में जनता को संबोधित किया। खुद को हरियाणा की बहू और बेटी संबोधित करते हुए सुनीता केजरीवाल ने कहा कि मैं साफ

कर देना चाहती हूं कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी के सामने नहीं झुकेंगे। बीजेपी अपने विरोधियों को जेल में डालती है और सिर्फ सत्ता की लालची है। वह जानती है कि कैसे पार्टियों को तोड़ने के लिए। पिछले 10 साल से हरियाणा में इखढ की सरकार है लेकिन राज्य में कोई काम नहीं हुआ है। बच्चों को शिक्षा नहीं मिल रही है। सरकारी अस्पतालों में व्यवस्था बदहाल है। लेकिन दिल्ली और पंजाब में जनता के सभी काम हो रहे हैं क्योंकि वहां अअढ की सरकार है। 24 घंटे फ्री बिजली मिल रही है। सरकारी स्कूल और अस्पताल प्राइवेट से भी बेहतर हैं। महिलाओं को मुफ़्त बस सफ?

बीजेपी में बगावत जारी, पूर्व विधायक बलकौर सिंह ने छोड़ी पार्टी, कांग्रेस में होंगे शामिल

एजेंसी

हरियाणा:हरियाणा में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। पूर्व विधायक बलकौर सिंह ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी में उनका अपमान किया गया, जिसके कारण उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने 5 साल तक तन, मन और धन से भाजपा की सेवा की लेकिन मुझे कोई सम्मान या सरकारी पद नहीं दिया गया जिसके मैं हकदार हूं। इसलिए मैं भाजपा छोड़ रहा हूं और कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं। पूर्व विधायक बलकौर सिंह को सिरसा की कालांवाली विधानसभा सीट से टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। वह अब अन्य नेताओं के साथ दिल्ली जा रहे हैं जहां वे कांग्रेस में शामिल होंगे। भाजपा छोड़ने वाले अन्य सदस्यों में सिरसा जिला पार्षद, ब्लॉक समिति अध्यक्ष, ब्लॉक समिति सदस्य, सरपंच, पूर्व सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और पूर्व नगर पार्षद शामिल हैं। बलकौर सिंह 2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। वह उस समय हरियाणा विधानसभा में एकमात्र शिअद विधायक थे। उन्होंने भाजपा के टिकट पर कालांवाली सीट से चुनाव लड़ा लेकिन कांग्रेस के शीशपाल सिंह से 30,000 से अधिक वोटों के अंतर से हार गए। उन्हें इस साल भी टिकट की उम्मीद थी। जब बलकौर सिंह भगवा पार्टी में शामिल हुए, तब भी भाजपा-शिअद गठबंधन कायम था। हालाँकि, इस कदम से दोनों पार्टियों के बीच रिश्तों में खटास जरूर आई है। शनिवार को बीजेपी छोड़ने के बाद विधायक. बलकौर सिंह ने भाजपा के कालांवाली उम्मीदवार राजिंदर सिंह देसुजोधा की आलोचना करते हुए कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 2019 में उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। देसुजोधा ने टिकट से वंचित होने के बाद भाजपा छोड़ दी थी और शिअद ने उन्हें कालांवाली में मैदान में।

लालू-तेजस्वी को राहत! कोर्ट ने समन का टाला आदेश, अब 13 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

एजेंसी

पटना:दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन पर आदेश टाल दिया। मामले को आदेश के लिए 13 सितंबर के लिए सूचीबद्ध किया गया है। 6 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू, तेजस्वी और नौ अन्य के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है। इससे पहले इस मामले में 24 अगस्त को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बारे में अपना आदेश स्थगित कर दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को अभियोजन पक्ष की

शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के समकक्ष) पर आदेश सात सितंबर तक के लिए टाल दिया और कहा कि कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। पूरक आरोप पत्र छह अगस्त को अदालत के समक्ष दायर किया गया था। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। इस बीच अदालत ने संघीय एजेंसी को एक सह-आरोपी लल्लन चौधरी का मृत्यु प्रमाण पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। ईडी के अनुसार, यह मामला 2004 से 2009 तक प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ह्यग्रुप-डीह्ल कर्मचारियों की नियुक्तियों से संबंधित है। एजेंसी के अनुसार, इसके तहत जिन लोगों की नियुक्ति हुई, उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख के परिवार या सहयोगियों के नाम पर अपने भूखंड उपहार में दिये या हस्तांतरित किये थे। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को अभियोजन पक्ष की शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के समकक्ष) पर आदेश सात सितंबर तक के लिए टाल दिया और कहा कि कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के साथ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल पहुंचे श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा , टेका मत्था

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पवित्र गुरुग्रंथ साहिब के सामने झुकाया शीश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 7 सितंबर। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह प्रदेश के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ पटना के तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा पहुंचे। यहां इन्होंने पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन किए और मत्था टेका और आशीर्वाद लिए। डॉ. जायसवाल आज के दिन की शुरूआत पवित्र स्थान सिखों के दसवें गुरु श्री गोबिन्द सिंह का जन्मस्थली श्री पटना साहिब या श्री हरमंदिर जी गुरुद्वारा से की। गुरुद्वारा पहुंचकर उन्होंने मत्था टेका और बिहार की खुशहाली और प्रगति के लिए प्रार्थना की। पटना सिटी में स्थित सिख आस्था से जुड़ा यह एक ऐतिहासिक दर्शनीय स्थल है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी द्वारा सरोपा भेंटकर स्वागत किया गया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, सांसद रविशंकर प्रसाद ने भी गुरुद्वारा में मत्था टेका।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उनका दूसरा दिन है। दूसरे दिन की शुरूआत बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तख्त श्रीहरमंदिर पटना साहिब में मत्था टेककर की। जेपी नड्डा ने गुरुद्वारे में माथा टेका और अरदास की।इस मौके पर बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और विधानसभा स्पीकर नंद किशोर यादव भी मौजूद थे। गुरुद्वारे के बाद जेपी नड्डा खाजेकला घाट के पास दलित बस्ती पहुंचे, जहां सदस्यता अभियान चलाएंगे। उसके बाद ढटउल जाएंगे और नए भवनों के निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे। इसके साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं का भी वे निरीक्षण करेंगे।

इसके साथ ही जेपी नड्डा दरभंगा में निमार्णाधीन नए एम्स का निरीक्षण भी करेंगे। वह 3 बजे दरभंगा से मुजफ्फरपुर जाएंगे। जेपी नड्डा शाम को 5.50 बजे पटना के स्टेट गेस्ट हाउस जाएंगे। वह शाम 7:30 बजे पटना एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। वह बिहार दौरे के दौरान बीजेपी की प्रदेश कोर कमेटी के साथ बैठक भी करेंगे।

बिहार में चल रहा है कहर काल: राजेश राठौड़

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. शनिवार, 07 सितंबर, 2024 बिहार में विकास का दावा करने वाले डबल इंजन की सरकार असल में विनाश के राह पर बिहार को ले जा रही है। ये भाजपा जदयू की लहर नहीं बल्कि बिहार के लिए कहर काल चल रहा है जहां कानून व्यवस्था से लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पंगु हो चुकी है। ये बातें बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कही।बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि बिहार में न शासन है न प्रशासन है और जिसको इसे व्यवस्थित करना है वो रोज अपने गठबंधन को बचाने की कवायद में सुबह शाम कसमें वादे निभाते हुए सार्वजनिक मंचों पर दिख रहे हैं। ये बताने को काफी है कि बिहार की स्थिति अभी राजनीतिक उथल पुथल के कारण प्रशासनिक स्तर पर भी चरमरा गई है।पटना। बिहार में विकास का दावा करने वाले डबल इंजन की सरकार असल में विनाश के राह पर बिहार को ले जा रही है। ये भाजपा जदयू की लहर नहीं बल्कि बिहार के लिए कहर काल चल रहा है जहां कानून व्यवस्था से लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पंगु हो चुकी है। ये बातें बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कही।

युवक का शव मिलने स आसपास के पूरे गांव में सनसनी फैल गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के बिस्फी थाना क्षेत्र भैरवा गांव से पूरब एक आम के बगीचे में एक युवक का शव मिलने स आसपास के पूरे गांव में सनसनी फैल गई बिस्फी थाना क्षेत्र भैरवा गांव से पूरब एक आम के बगीचे में एक युवक का शव मिलने स आसपास के पूरे गांव में सनसनी फैल गईमृतक की पहचान थाना क्षेत्र के सकराढ़ी गांव निवासी कृष्ण कुमार सहनी (45)के रूप में की गई।लोगो ने इसकी सूचना बिस्फी थाना को दी।सूचना मिलते ही बिस्फी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ,एसआई धनबीर यादव दलबल के साथ घटना स्थल पर पंहुच घटना की जांच में जुट गए।मृतक गले मे फंदे लगा आम के पेड़ से लटक गया और इस दरमियान वह नीचे जमीन पर गिरा पड़ा था।जिसे शनिवार को लगभग 9 बजे बकरी चराने को गए बच्चों ने देखी।जिसकी सूचना बच्चों ने अपने गांव में जाकर दी।सुनते ही लोग देखने के लिए दौड़ पड़े।मृतक मानसिक रूप से पीड़ित बताया जारहा है। घटना को लेकर मृतक की पुत्री सीखा देवी के बयान पर थाने में यूडी केश दर्ज की गई है। उन्होंने कहा है कि मेरे पिता लगभग दस वर्षों से मानसिक रूप से पीड़ित थे। अपने गांव के आसपास मांग चांगकर खाते थे।उनको किसी से कोई दुश्मनी नही थी। मृतक के पुत्री ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के पुत्री के बयान के आधार पर यूडी केश दर्ज कर शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजन को सौंप दिया गया।

खाजेकलां घाट के समीप दलित बस्ती में भाजपा का सदस्यता अभियान, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने की शिरकत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भारतीय कराटे खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय मान्यता, खेल जगत में उत्साह
- दलित बस्ती में कार्यकर्ता कमलेश पासवान के घर पहुंचकर पी चाय, तिलक लगाकर भाजपा नेताओं का किया स्वागत
- अनुसूचित जाति के हजारों लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता
- दिन –प्रतिदिन भाजपा परिवार का हो रहा विस्तार : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 7 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के तहत आज खाजेकलां घाट के समीप दलित बस्ती में सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. जे. पी. नड्डा और बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की।इस दौरान हजारों अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा परिवार के सदस्यों के लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि दिन-प्रतिदिन भाजपा परिवार विस्तार पा रहा है। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने भारी संख्या में उपस्थित अनुसूचित जाति की देवतुल्य जनता को भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रहित की बात करने और सोचने वाली पार्टी सिर्फ भाजपा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर इस सदस्यता अभियान का शुभारंभ दो सितंबर को हुआ है। पूरे देश के अंदर छह वर्ष पर भाजपा का सदस्यता अभियान चलता है। भाजपा के कार्यकताओं के साथ ही पार्टी के राष्ट्रवादी मिशन से जुड़ने के इच्छुक लोग भी इसका हिस्सा बनते हैं। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है।यह देश के अंदर राष्ट्रवादी मूल्यों और सिद्धांतों पर चलने वाली एकमात्र पार्टी है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 एक राष्ट्रवादी मिशन है और राष्ट्र के प्रतिप्रेम करने वाले, राष्ट्रीय मूल्यों और सिद्धांतों के साथ चलने वाले हर व्यक्ति को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करनी चाहिए।कार्यक्रम में एक अनोखा दृश्य भी देखने को मिला जब बूथ अध्यक्ष , मंडल अध्यक्ष , जिला अध्यक्ष , प्रदेश अध्यक्ष एवम् राष्ट्रीय अध्यक्ष एक साथ एक मंच पर सदस्यता अभियान में शामिल हुए। यह एक अदभुत पल था जो किसी अन्य पार्टी में देखने को नहीं मिलता।इस मौके पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, सांसद रविशंकर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में भाजपा के नेता उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल सहित कई नेता स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता कमलेश पासवान के घर गए और उनके परिवार के लोगों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान कमलेश के आग्रह पर सभी लोगों ने चाय पीया और विकास योजनाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान कमलेश पासवान के परिजनों द्वारा राष्टीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल सहित सभी नेताओं के पहुंचने पर तिलक लगाकर स्वागत और अभिनंदन किया गया।

जिला मुख्यालय से प्रखंड स्तर तक स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा शत-प्रतिशत दवाओं का उठाव हुआ शुरू

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सभी स्वास्थ्य केंद्रों में सूची के अनुरूप दवा उपलब्ध कराने के लिए विभाग संकल्पित
- सिविल सर्जन और डीपीएम कर रहे प्रतिदिन मॉनिटरिंग

सारण,छपरा 7 सितंबर, 2024 जिले में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और ससमय स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से संकल्पित है। इसके लिए मरीजों को उपचार के साथ-साथ हर तरह की दवा उपलब्ध करायी जा रही है।विगत दिनों यह बात समाने आयी थी कि ज्यादातर प्रखंडों में स्वास्थ्य संस्थानों के द्वारा भंडार में उपलब्ध शत-प्रतिशत दवाओं का उठाव नहीं किया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा और जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविन्द कुमार के आदेश के बाद अधिकतर प्रखंड के स्वास्थ्य संस्थानों के द्वारा सूची में शामिल शत-प्रतिशत दवाओं का उठाव शुरू कर दिया गया है। बहुत जल्द सभी प्रखंडों के स्वास्थ्य केंद्रों में सभी प्रकार के दवा की आपूर्ति और उपलब्धता सुनिश्चित हो जायेगी। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया है।सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, फर्मासिस्ट और भंडारपाल को निर्देश दिया गया है कि स्वास्थ्य संस्थानों में शत-प्रतिशत दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें या जो दवा उपलब्ध नहीं है उसे भंडार से उठाव कर लें। ताकि मरीजों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो। बाहर की दवा नहीं लिखेंगे डॉक्टरः डीएमसारण जिलाधिकारी अमन समीर ने निर्देश दिया है कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध दवा को ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर मरीजों को लिखेंगे। किसी भी हाल में बाहर की दवा नहीं लिखना है। डीएम ने आदेश दिया है कि स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें और ससमय भंडार से दवा का उठाव करें। ताकि किसी मरीज को बाहर से दवा नहीं खरीदना पड़े। सभी चिकित्सकों को निर्देश दिया गया है कि अस्पताल में मौजूद दवाओं को ही लिखा जाए। वैसे अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवा मौजूद है। सरकार मरीजों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है और इस दिशा में काम किया जा रहा है। सिविल सर्जन और डीपीएम प्रतिदिन कर रहें है निगरानीःजिले में सदर अस्पताल से लेकर सभी स्वास्थ्य संस्थानों में कौन सी दवा उपलब्ध है कौन सी दवा नहीं है।इसकी निगरानी सिविल सर्जन और डीपीएम के स्तर से किया जा रहा है। पोर्टल पर प्रतिदिन दवा की उपलब्धता की रिपोर्ट अपलोड की जाती है।

लाइट काटने पर बिस्फी प्रखंड के तीसी चौक पर ग्रामीण ने बेनीपट्टी को जाने वाली मुख्य सड़क को जाम कर किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

लाइट काटने पर मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के तीसी चौक पर ग्रामीण ने बेनीपट्टी को जाने वाली मुख्य सड़क को जाम कर किया विरोध प्रदर्शन किया स्मार्ट मीटर गये लगाने तो ग्रामीणों ने नहीं लगा ने दिया और विरोध करने लगा लगो का कहना हैं की ये मीटर ठीक नहीं हैं उपभोक्ता को काफी परेशानी का सामना करना परता हैं इस को ले कर विरोध किया और नहीं लगाने दिया इस को लेकर बिजली बिभाग ने बीते शुक्रवार सुबह 5 बजे से तीसी गांव का लाइट काट दिया पूरे गाँव मे कल से लाइट नहीं था इस को लेकर महिलाओ ने अनुमंडल को जोड़ने वाली मुख्य सड़क तीसी चौक पर सड़क को जाम कर बिजली बिभाग के खेलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगी इस की सुचना पतौना थाना को दी गई मोके पर थाना अध्यक्ष राज किशोर अपने दलबल के साथ पहुंच कर गोसाए ग्रामीण को समझा बुझा कर सड़क खोलवाया और फिर से गाँव मे लाइट चालू करवाया

सुहागिनों ने हरि तालिका तीज व्रत रख कर पति की दीघार्यु तथा सुख समृद्धि की कामना की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबुबकर

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक हुई आयोजित।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक हुई आयोजित।

-अनुपस्थित पश्चमी कोशी नहर प्रमंडल मधुबनी, अंधराठाढ़ी,सकरी सहित कई पदाधिकारियों का एक दिन का वेतन स्थगन के साथ स्पष्टीकरण।

बैठक में विलंब से पहुँचने वाले ग्रामीण कार्य विभाग मधुबनी, फुलपरास,जयनगर सहित कई पदाधिकारियों से भी स्पष्टीकरण।

बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को शत प्रतिशत उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगाने का दिया निर्देश।

कृषि फीडर से बिजली कनेक्शन हेतु आवेदन देने वाले किसानों के खेत तक तार-पोल आदि पंहुचाकर कनेक्शन देने का दिया निर्देश।

बिजली एवं यांत्रिक दोष से बंद पड़े नलकुपो की सूची उपलब्ध करवाने का दिया निर्देश।

यातायात की दृष्टिकोण से सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रस्ताव भेजने हेतु कार्यपालक अभियंता को दिया निर्देश।

नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहूँचाना सुनिश्चित करे नहर प्रमंडल के अधिकारी। --जिलाधिकारी

अपूर्ण मुख्यमंत्री क्षेत्र विस्तार योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करे अभियंता।

योजनाओं में अनावश्यक विलम्ब कदापि बर्दाश्त नही--जिलाधिकारी

पूरी गुणवत्ता के साथ ससमय योजनाओं को करे पूर्ण।

निमार्णाधीन बाढ़ आश्रय स्थल को 15 दिसम्बर तक पूर्ण करने का दिया निर्देश।

योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धताआदि को लेकर तकनीकी विभाग के पदाधिकारी सीओ के साथ आयोजित बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर चल रही योजनाओं का करे निरीक्षण।

कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग को निमार्णाधीन योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का दिया निर्देश

कार्यपालक अभियंता विद्युत को ससमय जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने का दिया निर्देश,कहा अनावश्यक विलम्ब बर्दाश्त नही।

डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में तकनीकी विभाग के पदाधिकारियो की साथ बैठक कर कर विभागवार चल रही योजनाओं का समीक्षा किया एवं संबधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित पश्चमी कोशी नहर प्रमंडल मधुबनी, अंधराठाढ़ी,सकरी सहित कई पदाधिकारियों का एक दिन का वेतन स्थगन के साथ स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने बैठक में विलंब से पहुँचने वाले ग्रामीण कार्य विभाग मधुबनी, फुलपरास,जयनगर सहित कई पदाधिकारियों से भी स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में कहा कि योजनाओं में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही की जाएगी।योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धताआदि को लेकर तकनीकी विभाग के पदाधिकारी सीओ के साथ आयोजित बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर चल रही योजनाओं का जायजा लेते रहे। सभी अपूर्ण योजनाओं को हर हाल में पूरी गुणवत्ता के साथ ससमय पूर्ण करे। जिलाधिकारी ने कार्यपालक निधि चौक से स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण कार्य प्रगति की समीक्षा के क्रम में कहा कि पूरी गुणवत्ता के साथ तेजी से कार्य करवाये। विधुत विभाग की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य मे तेजी लाये। उन्होंने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को शत प्रतिशत उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगाने का निर्देश दिया निर्देश।कृषि फीडर से बिजली कनेक्शन हेतु आवेदन देने वाले किसानों के खेत तक तार-पोल आदि पंहुचाकर ससमय कनेक्शन देने का निर्देश दिया। उन्होंने बिजली एवं यांत्रिक दोष से बंद पड़े नलकुपो की सूची उपलब्ध करवाने का भी निर्देश दिया। निर्देश।

कटिहार के हॉस्टल में 5वीं के छात्र का मिला शव

कटिहार। में शुक्रवार को एक प्राइवेट स्कूल में 13 साल के छात्र की संदिग्ध हालात में मौत हुई है। छात्र का शव स्कूल के बाथरूम के पास गमछे से लटका था। मृतक छात्र 5वीं का स्टूडेंट था। करीब 3 साल से इसी स्कूल के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मामले में स्कूल प्रबंधक कमल कुमार का कहना है कि छात्र ने सुसाइड किया है। वहीं, परिजनों का कहना है कि बच्चे के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गई। फिर गमछे से लटकाकर बाद में इसे सुसाइड बताया जा रहा है। बच्चे की हत्या के बाद परिजनों ने स्कूल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक, सुबह एक टीचर ने 200 रुपए चोरी करने के आरोप में उसकी पिटाई कर दी थी। फिलहाल पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, हत्या है या सुसाइड ये पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। घटना मनसाही थाना इलाके के प्राइवेट स्कूल 'द होराइजन' का है। पोस्टमॉर्टम कराने आए छात्र के जीजा सिंघेश्वर मंडल ने बताया, 'सुबह 7 बजे के करीब मेरी सास का कॉल आया, तब हम वहां पहुंचे। वहां जिशु का शव पहले से उतार कर रखा हुआ था। फिर हमने उसकी मां और बाकी लोगों को कॉल कर बुलाया। सुबह 7 बजे ही पुलिस को जानकारी दी गई थी। पुलिस 3 घंटे बाद पहुंची। सिंघेश्वर ने आगे कहा, 'कुछ दिन पहले स्कूल के किसी टीचर ने उसे 200 रुपए देकर सामान लाने भेजा था। रुपए खो गए तो चोरी का आरोप लगाकर उसे डांट-फटकार लगाई थी। फिर उसकी मां ने टीचर को 200 रुपए लौटाए थे और कहा था कि इसके साथ मारपीट न करें। छात्र के जीजा ने कहा, 'हमने प्रिंसिपल से पूछा कि क्या और कैसे हुआ, तो उनका कहना था कि हमें कुछ समझ नहीं आ रहा है, ये कैसे हुआ और क्या हो रहा है। मृतक छात्र जिशु मनिहारी के दिलारपुर पंचायत के वार्ड संख्या-8 का रहने वाला है। उसके पिता विष्णु मंडल तमिलनाडु में रहकर प्राइवेट जॉब करते हैं। स्कूल के डायरेक्टर कमल कुमार ने बताया, हॉस्टल के ही एक स्टूडेंट कुंदन कुमार ने कहा कि सुबह हल्ला हुआ कि जिशु गायब है। हम सो रहे थे। दूसरे लड़कों ने उठाया तो हम लोग खोजने निकले। फिर एक सीनियर छात्र करण कुमार ने जिशु को बाथरूम के पास एक गमछे से लटका हुआ देखा, जिसके बाद उसने शोर मचाया। कमल कुमार का कहना है कि बच्चे का शव देखकर हमलोग घबरा गए थे। मौके पर मनसाही थानाध्यक्ष आलोक राय भी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि पहली नजर में मामला सुसाइड का लग रहा है। छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही क्लियर हो सकेगा कि यह हत्या है या आत्महत्या। उन्होंने कहा कि अभी तक पीड़ित परिवार ने कोई लिखित आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

संक्षिप्त डायरी

बाल-मूंछ काटी फिर लाठी-डंडे बरसाए समस्तीपुर में आरोपी बोला-घर की महिलाओं को छेड़ा, इसलिए मारा

समस्तीपुर। में शुक्रवार को ग्रामीणों ने एक युवक की बिजली पोल से बांधकर पिटाई कर दी। ग्रामीणों ने युवक पर जमकर लाठी-डंडे बरसाए। आधे सिर के बाल और मूंछ काटकर बंधक बनाया। पीड़ित महेश कुमार का आरोप है कि वह शुक्रवार को अपने मालिक बैजनाथ शाह से मजदूरी का बकाया पैसा मांगने गया था, लेकिन बैजनाथ शाह के लोगों ने बंधक बनाकर उसकी पिटाई कर दी। वहीं, बैजनाथ शाह के बेटे संतोष कुमार शाह ने महेश पर घर में घुसकर महिलाओं के साथ छेड़खानी का आरोप लगाया है। संतोष का कहना है कि पैसे लेने थे तो वह पिता से लेता। लेकिन, वह जबरदस्ती घर में घुसकर महिलाओं से छेड़खानी करने लगा। जिसके बाद लोगों ने पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। घटना मथुरापुर थाना क्षेत्र के नागर बस्ती गांव की है। मामले में पुलिस ने संतोष कुमार समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, पीड़ित युवक से भी पुलिस ने पूछताछ करने की बात कही है। सदर ऊढ विजय महतो ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। अगर युवक ने छेड़खानी की है तो उसके साथ अमानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं है। नागर बस्ती गांव का रहने वाला महेश गांव के बैजनाथ शाह के यहां हलवाई का काम करता है। बैजनाथ हलवाई का ठेकेदार हैं। यहां उसका पुराना 8 हजार रुपए बकाया था। एक दिन पहले (5 सितंबर) को बैजनाथ से उसकी बात हुई थी। बैजनाथ ने फोन करके उसे शुक्रवार को अपने घर बुलाया। शुक्रवार को जब वह पैसा लेने के लिए बैजनाथ के घर पहुंचा, तो लोगों ने उसे बिजली के पोल से बांध दिया। लाठी-डंडे से उसकी पिटाई की। उसके आधे बाल और मूंछ भी काट दिए। महेश के परिजनों ने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महेश को बेहोशी की स्थिति में पाया। इसके बाद उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। ठेकेदार के बेटे संतोष कुमार शाह का कहना है कि महेश का पैसे का लेनदेन उनके पिता बैजनाथ साह से है, लेकिन वह उसके घर घुस आया। घर की महिलाओं के साथ छेड़खानी की। इसके बाद हल्ला होने पर जुटे लोगों ने उसे पकड़ लिया। जिसके बाद लोगों ने उसे बिजली के पोल से बांध दिया और लाठी-डंडे से उसकी पिटाई की। सदर डीएसपी 2 विजय महतो ने बताया, 'घटना की सूचना पर तुरंत पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। इस मामले में संतोष शाह समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पूछताछ की जा रही है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।' युवक द्वारा छेड़खानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर युवक छेड़खानी के उद्देश्य से घर में घुसा था तो उसके साथ अमानवीय व्यवहार करना किस कानून में लिखा है। उसे पुलिस के हवाले करना चाहिए था। पीड़ित के बयान पर इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इस घटना में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। बाल काटे जाने का वीडियो भी प्राप्त हो गया है। इसमें शामिल सभी लोगों की पहचान की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

मुजफ्फरपुर में सियार के हमले से ग्रामीण दहशत में

मुजफ्फरपुर। के शेरपुर बंगरा में गुरुवार को एक दर्जन बच्चों व किशोरों को सियार ने काट कर लहूलुहान कर दिया। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। सूचना मिलने पर रेडक्रॉस के सचिव उदय शंकर प्रसाद सिंह के निर्देश पर मेडिकल टीम ने प्रभावित गांव में पहुंच कर पीड़ितों का इलाज किया। शेरपुर बंगरा के वार्ड 9, 10 और 11 में सियार ने आतंक मचाया है। इससे ग्रामीणों में दहशत में है। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में अचानक एक सियार गांव में आ गया और करीब लोगों को काट कर लहूलुहान कर दिया। बीत दो दिनों से सियार लोगों पर हमला कर रहा है। ये गांव नहर के किनारे बसा है, जिसके किनारे घनी झाड़ी और बड़े-बड़े पेड़ हैं। सियार हमले के बाद इसी झाड़ियों के बीच छिप जाता है और लोग उसे ढूंढ नहीं पाते हैं। सियार के हमले के दहशत से लोग अब रात में पहरेदारी कर रहे हैं। लोग बच्चों को अकेले कहीं जाने नहीं दे रहे हैं। कई बच्चों को तो स्कूल भी नहीं भेज रहे हैं। इधर, वन विभाग ने सूचना के बाद इस क्षेत्र में सियार को पकड़ने के लिए तीन पिंजरा लगा दिया है। पर अब तक उसे पकड़ा नहीं जा सका। फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं कि सियार एक है या उसकी संख्या और ज्यादा है।

कमीशन में 10 लाख नहीं देने पर कराया मर्डर, कॉल डिटेल्स के आधार पर हुई गिरफ्तारी

मुंगेर। 1 सितंबर को हुए भाजपा युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष फंटूश कुमार उर्फ बंटी सिंह हत्याकांड में जमीन की दलाली करने वाले मुंगेर के खेमका निवासी मुकेश मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिंधु शेखर सिंह ने इसका खुलासा करते हुए कहा कि पुलिस के अब तक हुए जांच में युवा नगर भाजपा अध्यक्ष फंटूश कुमार उर्फ बंटी की हत्या का कारण जमीन का दलाली रहा है। कॉल डिटेल्स, गहन पूछताछ के बाद पुलिस इस निष्कष पर पहुंची है। जांच के क्रम में यह बात सामने आई है कि मीरा देवी नाम की महिला जो पहले वासुदेवपुर थाना अंतर्गत आईटीसी मुंगेर के पास रहती थी, कुछ दिन पहले तारापुर आकर फंटुश के कहने पर तारापुर में जमीन खरीदी थी। महिला अपने मुंगेर के भूखंड कोबेचने के लिए खेमका बस्ती के कुछ लोगों से बात चला रही थी। उक्त भूखंड को बेचने के क्रम में जमीन की दलाली की रकम तथा कथित मुंगेर के मुकेश मिश्रा नाम के व्यक्ति से डीलिंग की गई थी । इस डीलिंग में फंटुश उर्फ बंटी रोड़ा बन रहे थे और अपना कमीशन दस लाख रुपए मांग रहे थे। इन्हीं बातों की पंचायती के लिए 31 अगस्त को वह लोग तारापुर स्थित घटना स्थल वाले जगह पर फंटुश से मिलने आए। जहां हुए बहस में उन लोगों केबीच में देख लेने की भी बात हुई।

मोतिहारी में तीन महीने पहले लड़की के घर गया था, बाहर से लौटा तो हो गया मर्डर

मोतिहारी। में एक युवक की चाकू गोद कर हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या के पीछे की वजह प्रेम प्रसंग बताई जा रही है। घटना मधुबन थाना क्षेत्र के जोगौलियां टोला पटल की है। मृतक की पहचान जोगौलियां टोला पटल निवासी नजमत (22) पिता नूर मोहमद के रूप में की गई है। फिलहाल पुलिस ने हत्या के आरोप में दो युवक को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। घटना को लेकर नजमत के माता पिता ने कहा कि उसका पास के ही एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। उससे शादी करने की बात भी उसने घर में कही थी। मां शायरा खातून ने आगे कहा कि उन्होंने शादी से इनकार कर दिया था। इस बीच तीन महीने बाद लड़की से मिलने उसके घर चला गया। वहां उसके घर वालों की नजर नजमत पर पड़ गई। हालांकि वह खिड़की से भाग गया था। इसी बात को लेकर दोनों परिवार के बीच तनाव चल रहा था। 21 अगस्त को नजमत बाहर से घर आया ही था। गुरुवार को उन लोगों ने उसकी हत्या कर दी। गांव के लोगों की माने तो नजमत दिन में अपने दोस्त के साथ घूमने निकला था। देर शाम जब वह घर जा रहा था तो रास्ते में ही उसकी हत्या कर दी गई। गांव पहुंचा था और लोगों को घटना की जानकारी दी थी।

इलाज के दौरान किशोर की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

सीतामढ़ी। में एक बच्चा चौरचन पर्व के लिए दूध लेने के लिए जा रहा था। इसे बस ने टक्कर मार दी। इलाज के दौरान छात्र की मौत हो गई है। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। साथ ही सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। मामला शहर के साहू चौक की है। 16 वर्षीय छात्र चौरचन पर्व के लिए दूध लाने गया था। इसी दौरान बस की ठोकर से वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए स्थानीय नवजीवन हॉस्पिटल में भर्ती कराया। यहां से उसे रेफर कर दिया गया। किशोर को शहर के रिंग बांध स्थित नंदीपत हॉस्पिटल में इलाज के लिए ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि वहा पहुंचने पर पहले पैसे को मांग की गई। आनन-फानन में पैसा भी मंगाया गया। 18 हजार रुपए भी जमा करा लिया गया। इसके कुछ देर रुकने के बाद कहा गया कि इसे मुजफ्फरपुर ले जाइए। तब-तक देर हो गई थी और उसकी मौत हो गई। आक्रोशित परिजन नंदिपत हॉस्पिटल के डॉ वरुण के खिलाफ सड़क पर उतर गए। वही, डॉक्टर वरुण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सड़क पर शव को रख लोगों ने टायर जलाया और हंगामा शुरू कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों से बातचीत कर पहले सड़क जाम को हटाया और आक्रोशितों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया। परिजन ने डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग की है। मृतक की पहचान शाहू चौक निवासी विनोद कुमार के 16 वर्षीय बेटा सत्यम कुमार के रूप में हुआ है।

कांग्रेस सरकार ने जमीन हड़पने का सर्टिफिकेट दे दिया, बोर्ड की संपत्ति बढ़ गई है

बेगूसराय। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दिल्ली में कहा कि वक्फ बोर्ड की मनमानी के कारण विकास में बाधा आती है, रेलवे के कई प्रोजेक्ट को रोकना पड़ा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि वक्फ बोर्ड को कांग्रेस की सरकार ने अपने कार्यकाल में जमीन हड़पने का सर्टिफिकेट दे दिया। जिसका सबूत हिमाचल विधानसभा में मिला। विधानसभा में प्रश्न के जवाब में मंत्री बता रहे हैं कि यह जमीन सरकार की है। वक्फ बोर्ड ने दो साल पहले कहा था कि मेरी करीब 5000 जमीन है, आज 1000 से अधिक जमीन बढ़ गई। वक्फ बोर्ड की संपत्ति बढ़ गई, कहां से आई। क्या वफ्फ बोर्ड मुर्गी है कि अंडा देती है। हर समय बढ़ते जाती है। रेलवे के कई प्रोजेक्ट रुक गए हैं, वफ्फ बोर्ड कह देती है कि यह जमीन हमारी है। कर्नाटक के किसानों की जमीन हड़प ली, कह दिया पूरी जमीन हमारी है। वक्फ बोर्ड की दादागिरी खत्म होनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा है कि राहुल गांधी वक्फ बोर्ड की वकालत करते हैं। हम लोग एनआरसी की बात करते हैं और राहुल गांधी इसका विरोध करते हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है, कांग्रेस के मंत्री सदन में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में कह रहे हैं कि इसकी जांच होनी चाहिए। व्यवस्था शुरू करेंगे क्या, वहां तो उनकी सरकार है। में एनआरसी की जरूरत पड़ गई है।

मधुबनी में चाय नाश्ते की दुकान पर हत्या एक गिरफ्तार बाकी फरार

मधुबनी। में 10 रुपए के फटे नोट को लेकर युवक की हत्या कर दी गई। घटना फुलपरास थाना क्षेत्र के मुरली चौक स्थित चाय नाश्ते की दुकान की है। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान राहुल कुमार के रूप में की गई है। युवक के परिजन ने बताया कि राहुल कुमार मुरली चौक पर नाश्ता करने के लिए गया था। इसके बाद राहुल ने दुकानदार को 30 रुपया दिया। इसमें 10 का एक नोट फटा हुआ था, फटे नोट को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। इसी बीच राजीव कुमार साह ने राहुल को चाकू मार दिया। इसके बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। दुकान पर चाकू चलने की सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि युवक की जान नहीं बच सकी। इसके बाद पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया। परिजन के आवेदन पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गणेश उत्सव को लेकर कुंवारी कन्याएं-महिलाएं हुई शामिल, गणपति बप्पा मौर्या का लगाया जय घोष

समस्तीपुर। के पूसा वैनी बाजार में कलश शोभा यात्रा निकाली गई। 7 दिवसीय आयोजित होने वाले गणेश उत्सव को लेकर ये यात्रा निकाली गई। शुक्रवार को 1501 कुंवारी कन्याओं ने वैनी बाजार से बिरौली घाट तक 6 किलोमीटर कलश शोभा यात्रा निकाली। इस दौरान शामिल लोग गणपति बप्पा मोर्या का जय घोष कर रहे थे। ये यात्रा बुडढी गंडक नदी के विरौली घाट पर पहुंची। जहां कुंवारी कन्याओं ने कलश में जल भरा और फिर उसी मार्ग से गणपति बप्पा मोर्या का जय घोष करते हुए पूजा पंडाल पहुंची।चिलचिलाती धूप के बावजूद यात्रा में शामिल महिलाओं के चेहरे पर शिकन नाम की कोई चीज नहीं थी। हालांकि, 6 किलोमीटर के सफर में बीच-बीच में कुंवारी कन्याओं के लिए बेल का शरबत, शीतल पेय जल, सड़कों पर जल का छिड़काव आदि किया जा रहा था। इसमें स्थानीय लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। शोभायात्रा का नेतृत्व पूजा कमेटी के अध्यक्ष बबलू कुमार कर रहे थे। जबकि इस मौके पर कमेटी के उपाध्यक्ष आशीष कुमार, सचिव अजय कुमार, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार गुप्ता, कार्यकर्ता विक्की कुमार, शानू कुमार, छोटी कुमारी, धीरज कुमार अधिनियम भूमिका निभाई। कमेटी के अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि आज शाम पूजा के आरंभ के साथ ही 7 दिनों तक लगातार कार्यक्रम का आयोजन होगा।

अरवल में लोगों ने बचाया, नाबालिग बोली- लड़का नहीं माना तो फिर कूद जाऊंगी

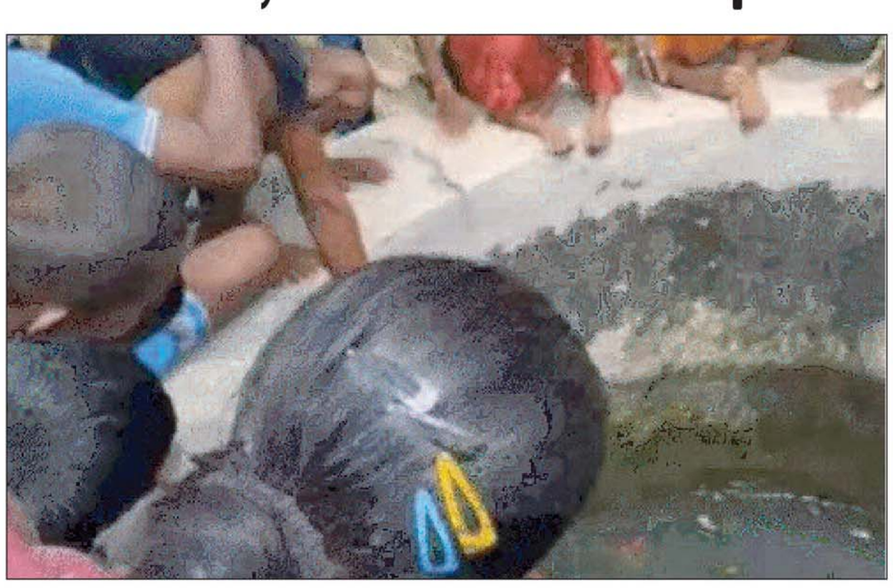

अरवल। में शुक्रवार सुबह एक नाबालिग लड़की 20 फीट गहरे कुएं में कूद गई। हालांकि, वक्त रहते ग्रामीणों ने उसे मरने से बचा लिया। लड़की (16) का कहना है कि उसके प्रेमी (17) ने उससे बातचीत बंद कर दी और उसका नंबर भी ब्लॉक कर दिया। इसी वजह से उसने कुएं में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस बीच गांव वालों ने सुसाइड करने का कारण पूछा तो लड़की ने कहा कि लड़के ने उससे बातचीत बंद कर दिया है। अगर वह नहीं माना तो फिर से कूद जाऊंगी। फिलहाल अभी लड़की रामपुर थाने में है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, लड़की का प्रेमी भी नाबालिग है। दोनों रिश्ते में बुआ भतीजा लगते हैं। दोनों के बीच पिछले दो साल से अफेयर चल रहा था। हाल में किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद दोनों की बातचीत बंद हो गई थी। मामला रामपुर चौरम थाना इलाके का है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों के प्रेम प्रसंग में रिश्ता सामने आ रहा था। दोनों बुआ-भतीजा लगते हैं। इसी वजह से लड़के ने बातचीत बंद की। कुछ दिन पहले उसका नंबर भी बलॉक कर दिया। लड़की ने कई बार उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन नहीं लगा। इसके बाद लड़की ने सुसाइड करने का फैसला किया। जिसके बाद सुबह वह रामपुर स्थित एक कुएं में कूद गई। एक स्थानीय विकास कुमार ने बताया, 'मैं रास्ते से गुजर रहा था। तभी गांव के एक चौकीदार रास्ते में मिल गए। उनसे बात कर रहा था। इसी दौरान लड़की पर नजर पड़ी। जो काफी देर से कुएं पर खड़ी थी। हम लोग आपस में बात कर ही रहे थे कि लड़की ने कुएं में छलांग लगा दी। जिसके बाद शोरगुल करने पर आसपास के लोग पहुंचे। तो गमछे को कुएं में फेंका गया और लड़की को गमछा के सहारे बाहर निकाला गया। लड़की के कुएं से रेस्क्यू का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि गांव के कुछ लोग लड़की को कपड़े के सहारे निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इसी दौरान ग्रामीणों ने जब लड़की से पूछा कि क्यों कूदी कुएं में। इस पर लड़की ने कहा, 'जाकर उससे पूछिए, क्यों कूदे हैं। फिर से गांव वाले उसे किसी बात का उलाहना देते हैं। इस बार वो कहती है, वो नहीं समझा तो फिर से कूद जाऊंगी। फिलहाल मौके पर रामपुर चौरम थाने की पुलिस भी पहुंची है। लड़की को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद उससे पूछताछ कर रही है। थानाध्यक्ष सिंटू कुमार ने बताया है कि दोनों के परिजनों को बुलाया जा रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोलकाता के कारीगर सजा रहे बरसाना धाम, 22 लाख रुपए का पहनाया जाएगा हार

मथुरा। ब्रज में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के बाद अब राधा रानी के जन्मोत्सव की धूम मचेगी। 11 सितंबर को ब्रह्म मुहूर्त में राधा रानी का विशेष महाभिषेक किया जायेगा। राधा रानी को जन्मोत्सव में आकर्षक पीली पोशाक धारण कराई जाएगी तो दिल्ली के एक भक्त द्वारा दान किए गए 22 लाख रुपए मूल्य के हार को पहनाया जायेगा। ब्रज में धूमधाम से मनाते हैं राधा रानी का जन्म उत्सव भगवान श्री राधा कृष्ण की भूमि ब्रज में जिस भक्ति,श्रद्धा और उल्लास के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है उसी तरह से उनकी अल्हादनी शक्ति राधा रानी का जन्मोत्सव मनाते हैं। भगवान श्री कृष्ण के 15 दिन बाद शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों में अलग अलग तरह के आयोजन किए जाते हैं। राधा रानी के जन्मोत्सव पर वैसे तो सम्पूर्ण ब्रज में अलग अलग आयोजन जगह आयोजन होते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा धूम बरसाना,रावल और वृंदावन में मचती है। बरसाना में राधा रानी का दरबार है यहां मुख्य आयोजन किया जाता है। रावल में राधा रानी प्रगट हुई और वृंदावन में उन्होंने रास रचाया। यही वजह है कि तीनों जगह राधा रानी की विशेष आराधना की जाती है। राधा रानी के जन्मोत्सव के लिए बरसाना धाम को सजाया और संवारा जा रहा है। यहां पहली बार कोलकाता के कारीगरों द्वारा

आकर्षक लाइट लगाकर 51 द्वार बनाए जा रहे हैं। जिसमें राधा रानी की विभिन्न लीला के दर्शन होंगे। मंदिर पर आकर्षक लाइटिंग की जा रही है। इसके साथ ही मंदिर में साफ सफाई करने में श्रद्धालु जुटे हुए हैं। 27 कुओं के जल से होगा अभिषेक राधा अष्टमी के अवसर पर बरसाना में श्रीजी का महाभिषेक किया जायेगा। यहां ब्रह्म मुहूर्त में पहले मूल शांति की पूजा होगी। उसके बाद 27 कुओं का जल,ब्रज के 27 स्थानों की रज,27 तरह के वृक्षों के पत्ते और 108 तरह की जड़ी बूटियों के मिश्रित जल से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद 11 कुंतल पंचामृत(दूध,दही,घी, शहद और शक्कर) से महाभिषेक होगा। यह महा अभिषेक 11 घड़ों से किया जायेगा जिसमें से एक में 27 छेद होंगे। मूल नक्षत्र में प्रगट हुई थीं राधा रानी राधा रानी कमल के पुष्प पर यमुना में मूल नक्षत्र में प्रगट हुई थीं। यही वजह है कि उनका एक नाम मूला भी है। मंदिर के पुजारी संजू गोस्वामी और सौरभ गोस्वामी बताते हैं कि 27 नक्षत्र होते हैं जिसमें से 6 गण मूल होते हैं। यही वजह है कि गर्भ गृह में पहले मूल शांति की पूजा की जाती है उसके बाद अभिषेक किया जाता है। ऑस्ट्रेलियन जरकिन से बनी पोशाक करेंगी धारण महाभिषेक के बाद राधा रानी का श्रृंगार किया जायेगा। उनको रेशम के धागे और ऑस्ट्रेलियन जरकिन से बनी जड़ी की पोशाक धारण कराई जाएगी। पीले रंग की बनी इस पोशाक को मथुरा के कारीगर एक महीने से तैयार करने में लगे हुए हैं। इस पोशाक में हाथ की कारीगरी की जा रही है। पोशाक बनाने में मशीन का प्रयोग नहीं किया जाता। इस पोशाक की कीमत के बारे में जब मंदिर के पुजारी से पूछा तो उन्होंने कहा यह राधा रानी के भक्त का भाव है। हीरा जड़ित हार करेंगी धारण राधा अष्टमी पर्व पर राधा रानी को बेशकीमती मुकुट के अलावा हीरा जड़ित हार धारण कराया जायेगा। हेलीकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा राधा रानी महाभिषेक के बाद शीश महल में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगी। 11 सितंबर की शाम को राधा रानी को सोने से बनी पालकी में विराजमान कर मंदिर के पुजारी महल से नीचे बनी सफेद छत्री में लाएंगे।

संक्षिप्त डायरी

श्रीहित रास मण्डल में चतुर्दिवसीय दिव्य रासलीला महोत्सव 8 सितंबर से

डॉ. गोपाल चतुवेर्दी

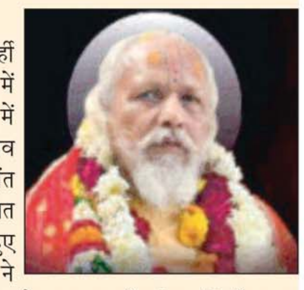

वृन्दावन। अखिल भारतीय निमोर्ही बड़ा अखाड़ा (श्रीहित रासमंडल) में श्रीराधाष्टमी के पावन उपलक्ष्य में चतुर्दिवसीय दिव्य रासलीला महोत्सव 8 से 11 सितंबर 2024 पर्यंत अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डॉ. गोपाल चतुवेर्दी ने बताया है कि श्रीहित बड़ा रासमंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत लाड़िली शरण महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन सायं 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक प्रख्यात रासाचार्य स्वामी देवेन्द्र वशिष्ठ महाराज के निर्देशन में दिव्य रासलीला का अत्यन्त नयनाभिराम व चित्ताकर्षक मंचन होगा।इसके अलावा 11 सितंबर को प्रातः 5 बजे से श्रीराधा जन्म लीला की अत्यंत मनोहारी प्रस्तुति दी जाएगी। महन्त दंपत्ति शरण महाराज (काकाजी) ने सभी भक्तों-श्रृद्धालुओं से इस महोत्सव में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

संस्कृति विवि में आयुर्वेद में वैज्ञानिक लेखन, अनुसंधान सत्यनिष्ठा पर गंभीर चर्चा

मथुरा। नेशनल कमीशन फार इंडियन सिस्टम आफ मेडिसन (एनसीआईएसएम) के सहयोग से संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में आयुर्वेद के स्नातकोत्तर गाइडों के बीच वैज्ञानिक लेखन कौशल को बढ़ाने और अनुसंधान अखंडता को बढ़ावा देने पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन भारतीय चिकित्सा प्रणाली के चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रघुराम भट्ट ने किया इस बोर्ड का गठन आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में नैतिक प्रकाशन प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला में देश भर के विभिन्न आयुर्वेदिक संस्थानों के संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर गाइडों सहित 60 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि डॉ. रघुराम भट्ट ने अकादमिक अनुसंधान में कठोर मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि आयुर्वेद में प्रकाशनों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की पहल महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में इंटरैक्टिव सत्र, पैनल चर्चा और व्यावहारिक अभ्यास भी शामिल थे, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रभावी वैज्ञानिक संचार के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और उपकरणों से लैस करना था। कुलपति डॉ एम बी चेट्टी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में आयुर्वेद के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व का उल्लेख किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों द्वारा एनसीआईएसएम को उनके प्रायोजन के लिए आभार व्यक्त किया गया और वैज्ञानिक लेखन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और आयुर्वेदिक अनुसंधान में नैतिक मानकों को बनाए रखने वाले भविष्य के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

गुरूकुल की जमीन को फर्जी तरीके से बेचने वाले तीन भू-माफिया गिरफ्तार

मथुरा। वृंदावन में आर्य समाज का देश विदेश में डंका बजाने वाले गुरुकुल विश्वविद्यालय वृंदावन की बेशकीमती जमीन को रातों-रात भूमाफियाओं द्वारा बेच दिए जाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पति-पत्नी समेत अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। आपको बताते चलें कि गुरुकुल के प्रधानाचार्य आचार्य हरिशरण द्वारा गत 9 अगस्त को कोतवाली में एफ आई आर दर्ज कराई गई थी। जिसमें कहा गया है कि गुरुकुल वृंदावन की स्थापना 1905 में हुई थी। जहां पर छात्र वेद व्याकरण एवं संस्कृति की शिक्षा ग्रहण करते हैं तथा यहां के हजारों छात्र आज भी देश-विदेश में सेवा कर रहे हैं इसके साथ ही 119 वर्षों से गुरुकुल का आधिपत्य चला आ रहा है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों ने साजिश के तहत फर्जी कागजात तैयार कर गुरुकुल की बेसकीमती जमीन को बेचा गया है। बताया कि उन लोगों ने दो करोड़ रुपए की मांग करते हुए कहा कि यदि 2 करोड रुपए हमें दो तो हम तुम्हें जमीन वापस कर देंगे। इसके बाद कई बार इन्होंने गुरुकुल की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया इस मामले में गुरुकुल के प्रधानाचार्य हरि शरण द्वारा एसएसपी शैलेश कुमार पांडे को दी गई तहरीर के आधार पर वृंदावन कोतवाली में विभिन्न धाराओं में 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी जिसमें इस्माइल शा, असलम शाह, यूनिस शाह पुत्र इशाक, जैतून शाह, वशीरन, राजेश शाह निवासी गण व्यापिरियान मोहल्ला थाना राया, गिरीश कुमार अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल निवासी तिवारी का बाड़ा धोली प्याऊ, महेश शर्मा इनकम टैक्स आफिस के पास सौंख रोड़ थाना कोतवाली मथुरा, युनुस कसाई पाड़ा, शहजाद वेग निवासी गली अहिरेयान डीग गेट मथुरा, एवं वीरेंद्र शर्मा निवासी गुरु नानक नगर को नामजद किया था।

मजबूती के साथ संतो के सानिध्य में लड़ी जाएगी कृष्ण जन्मभूमि की लड़ाई: दिनेश शर्मा

रंग जी मंदिर के श्री महंत श्री गोवर्धन रंगाचार्य महाराज सहित 11 संतो को संरक्षक नियुक्त कर दी जिम्मेदारी

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह विवाद में हिंदू पक्षकेर दिनेश शर्मा ने राष्ट्रीय सलाहकार समिति के आवाहन पर रंगनाथ मंदिर के श्री महंत गोवर्धन रंगाचार्य सहित प्रसिद्ध 11 विद्वान संतो को राष्ट्रीय संरक्षक सलाहकार नियुक्त किया है जो श्री कृष्णा जन्मभूमि मुकदमे में अपनी विद्वता से हर संभव मदद करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर गवाह के रूप में हाई कोर्ट में उपस्थित रहेंगे दिनेश शर्मा

ने बताया कि भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण जन्मभूमि की लड़ाई पहले सोपान पर चल रही है पहले मजबूत कदम से ही संपूर्ण मुकदमे की पैरवी ठोस की जा सकती है इसके लिए संत विद्वानों, का न्यास में होना परम आवश्यक है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं बिहारी लाल वशिष्ठ, राष्ट्रीय संत डॉ आदित्यानंद जी महाराज ने कहा कि कहा कि सभी संप्रदायों , अखाड़ा परिषद, निमार्णी अखाड़ा, तीर्थ पुरोहित परिषद, एवं पांडा सभा के विद्वान धमार्चार्य को शामिल किया गया है यह अभियान आगे भी चलेगा इसके तहत जैन , एवं सिख समुदाय को जोड़ा जाएगो राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक, प्रदेश मीडिया प्रभारी रिचा शर्मा, महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर, विश्व हिंदू परिषद नेता जयराम शर्मा, पंडित लाल जी भाई शास्त्री, महंत लाडली शरण दास जी महाराज, महंत रामशरण दास जी महाराज, ब्रह्मकेश्वर जी महाराज, ज्ञानचरण दास जी महाराज, मोहनलाल त्यागी आदि उपस्थित थे

बलात्कार के आरोप में फंसाए गए किशोर को न्यायलय ने किया बाइज्जत बरी

मथुरा। थाना छाता क्षेत्र की रहने वाली एक युवती को ब्लैकमेल करके बलात्कार करने आरोप में फंसाए गए किशोर को न्यायलय ने दोष मुक्त करते हुए बरी कर दिया है । आरोपी किशोर के अधिवक्ता ने न्यायलय में जिरह की तो अभियोजन के अधिवक्ता और युवती तथा उसके परिजन घटना होने के कोई ठोस गवाह या साक्ष्य नहीं दे सके । पीड़ित किशोर के अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने कहा कि न्यायलय में सुनवाई के दौरान हुई बहस में यह साबित हो गया कि किशोर ने कोई घटना नहीं की थी, बल्कि उसे आस-पास के लोगों ने रंजिशन मनगढंत आरोपों में फंसा दिया था ।वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने कहा कि निर्दोष लोगों को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है तथा आगे भी वह निर्दोष लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रयास करते रहेंगे । जानकारी के अनुसार कस्बा छाता के एक मोहल्ले की रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती के पिता ने विगत अप्रैल माह में कस्बा छाता में अपनी ननिहाल में रह रहे एक 17 वर्षीय किशोर के खिलाफ बलात्कार और मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था । उस समय पुलिस ने किशोर को पकड़ कर न्यायलय में पेश किया था ।

न्यायलय ने आरोपी किशोर को बाल सुधार गृह भेज दिया था । उस समय पुलिस ने युवती और उसके पिता के बयान दर्ज करने एवं जांच पूरी करने के बाद आरोप पत्र को किशोर न्यायलय में दाखिल कर दिया था । इसके बाद आरोपी किशोर के अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने न्यायलय से त्वरित सुनवाई पूरी करने का आग्रह किया था । जिसे न्यायलय ने स्वीकार कर लिया था ।

आर्बीट्रेशन वादों के निस्तारण हेतु गोष्ठी का आयोजन

मथुरा। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, तथा उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा श्री आशीष गर्ग के निदेर्शानुसार दिनांक 14 सितंबर 2024 दिन शनिवार को प्रातः 10.00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद मथुरा में किया जा रहा है। इसमे आर्बिट्रेशन वादों के निस्तारण हेतु आज दिनांक 06.09.2024 को दोपहर 01.30 बजे प्री ट्रायल बैठक का आयोजन अपर जिला जज /नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, मथुरा श्री अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में उनके विश्राम कक्ष में किया गया। इस बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा श्री सुरेन्द्र प्रसाद तथा आर्बिट्रेशन वादों से संबंधित मथुरा जनपद के फाइनेंस कंपनियों के अधिकारी व नामित/पैनल अधिवक्ता उपस्थित रहे। आयोजित बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं व फाइनेंस कम्पनियों के अधिकारियों के साथ जनपद न्यायालय मथुरा में लंबित आर्बिट्रेशन वादों के अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में निस्तारण कराए जाने हेतु विचार विमर्श किया गया तथा अधिकतम आर्बिट्रेशन वादों के निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित फाइनेंस कंपनियों के अधिकारियों व नामित/पैनल अधिवक्ताओं द्वारा लोक अदालत में अधिकतम आर्बीट्रेशन वादों का निस्तारण कराए जाने का आश्वासन दिया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा सुरेंद्र प्रसाद द्वारा जनपद मथुरा की आम जनमानस जिनके आर्बीट्रेशन वाद जनपद न्यायालय मथुरा में लंबित हैं, से अपील की गई कि वे अपने आर्बिट्रेशन वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14.09.2024 में आपसी सुलह वार्ता के आधार पर निस्तारण करा सकते हैं।

वृंदावन बाल विकास परिषद के द्वारा धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय शिक्षक दिवस

डॉ. गोपाल चतुवेर्दी

वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग स्थित अम्माजी गार्डन के सभागार में वृंदावन बाल विकास परिषद के द्वारा प्रमुख शिक्षाविद शंभूचरण पाठक की पुण्य स्मृति में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें नगर के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को गुरु शिरोमणि सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र का निमार्ता होता है।शिक्षक के हाथों में ही बच्चों का भविष्य होता है। शिक्षक जिस रूप में बच्चों को ढालना चाहे, वह उसे रूप में उसे ढालकर समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित कर सकते हैं। मुख्य अतिथि सर्व ब्राह्मण महासभा के संरक्षक एवं सेवानिवृत्त शिक्षाविद सत्यभान शर्मा ने कहा कि शिक्षकों की भूमिका समाज में सबसे महत्वपूर्ण होती है।शिक्षकों के बिना समाज की परिकल्पना कभी पूरी हो ही नहीं सकती है।क्योंकि शिक्षक व्यक्ति के जीवन में उतना ही महत्व रखता है, जितना प्यास लगने पर व्यक्ति के लिए जल महत्वपूर्ण होता है। इससे पूर्व संत बालकराम गोस्वामी के सानिध्य और पूर्णेन्दु गोस्वामी के नेतृत्व में नगर के दो दर्जन से अधिक विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं को पटुका ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह देकर व उपहार प्रदान कर सम्मानित करने के साथ श्रीकृष्ण महोत्सव में विजयी बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉ सचिन अग्रवाल, चैतन्य कृष्ण शर्मा, विष्णु गोला, लव सक्सेना, पवन ठाकुर, आशीष चौहान, अर्जुन कुशवाह, दुष्यंत कुमार, जितेंद्र कुमार गौतम, दीपू बरुआ, मुकेश कृष्ण शर्मा आदि उपस्थित थे।

पत्रकार कल्याण समिति मथुरा रजि0 का स्थापना दिवस 8 सितंबर को

मथुरा। पत्रकार कल्याण समिति मथुरा रजि0 का तीन वर्ष पूर्ण होने पर 8 सितंबर को होटल हीरा इन्विटेशन डेम्पियर नगर मथुरा में स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। जिसमें सम्माननीय पत्रकारों को आमंत्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समिति के महासचिव श्री माता प्रसाद शर्मा ने बताया है कि 8 सितंबर रविवार को दोपहर 12 बजे से मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। पत्रकार कल्याण समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष का स्वागत अभिनन्दन के साथ कार्यक्रम में पधारे सम्माननीय पत्रकारगणों का स्वागत किया जायेगा। तदोपरांत मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष जी का संबोधन और पत्रकार कल्याण समिति के गठन की आवश्यकता क्यों पड़ी और लोक तंत्र के चौथे स्तंभ के सजग प्रहरी वर्तमान में किन किन चुनौती के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पत्रकार किन किन कठिन परिस्थितियों का सामना करते है। इस पर विद्वान वक्ताओं द्वारा प्रकाश डाला जायेगा । पत्रकार कल्याण समिति के अध्यक्ष सुभाष सैनी और कार्यक्रम संयोजक एवं पत्रकार कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष हरबेन्द्र चतुवेर्दी ने कार्यक्रम में आमंत्रित सम्माननीय एवं वरिष्ठ पत्रकार गणों से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

केएमयू के मेडीकल सहित सभी छात्रों ने किया गुरुओं का सम्मान

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर केएमयू ने दी शिक्षकों-शिक्षासेवियों को बधाई

मथुरा। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष में शिक्षण संस्थानों सहित केएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया गया। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इस मौके पर विवि के छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया एवं उन्हें उपहार भेंट किए। कृष्ण मोहन विश्वविद्यालय पाली डूंगरा सौंख मथुरा में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति किशन चौधरी, क़ुलपति डा. डीडी गुप्ता, प्रति कुलपति डॉ शरद अग्रवाल, रजिस्टार पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, परीक्षा नियंत्रक डॉ मनोज ओझा, सलाहकार डॉ एस पी गोस्वामी तथा विवि के डीन धर्मराज ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और मां सरस्वती देवी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थी को शिक्षा के साथ अच्छा इंसान बनाने की कोशिश करता है, हम भी सबको शिक्षा के अंतर्गत चाहते हैं कि सभी शिक्षित होकर देश सेवा करें। विवि के कुलपति डा. डीडी गुप्ता ने छात्र-छात्राओं को स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए वहां मौजूद शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी, उन्होंने कहा कि कहा कि शिक्षक जीवन संवारने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसलिए अपने जीवन में सभी को एक गुरु बनाना चाहिए तथा संस्कार होने के साथ-साथ गुरु का सम्मान जीवन में बहुत जरूरी है। प्रति कुलपति डॉ शरद अग्रवाल ने कहा कि अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले गुरु ही होते हैं। केएम मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने सभी शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के निर्देशित मार्ग पर हमें चलना चाहिए। विवि के रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने कहा कि शिक्षक हमें सिर्फ पढ़ाते नहीं है, वे हमारे भविष्य को आकार भी देते हैं। हमें जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं, वे हमारी गलतियां बताते हैं, ताकि हम उन्हें सुधारकर आत्मनिर्भर बन सकें। गुरु हमें जीवन के हर नये मोड़ पर आने वाली सभी कठिनाईयों से लड़ने की शक्ति देते हैं। वे एक कुम्हार की तरह हमारे व्यक्तित्व को गढ़ते हैं। इसके अलावा विवि के सलाहकार डा. एसपी गोस्वामी एवं मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन डॉ सीपी वर्मा ने छात्रों को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सबरजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ प्रमोद कुमार, एएमएस डॉ आरपी गुप्ता, आर्ट्स एंड साइंसेज के डीन, डॉ धर्मराज सिंह, मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन डॉ सीपी वर्मा, एग्रीकल्चर के डीन प्रो संजीव शर्मा, एजुकेशन के डीन डॉ जेएस राठौर, वोकेशनल के डीन डॉ सुनील कुमार सिंह, चीफ प्रॉक्टर डॉ विपिन सोलंकी, डा. दाऊदयाल, डा. कमल पांडे, डॉ प्रीति पोरवाल, अनिल चतुवेर्दी, श्रीमती संजू बाला, रूपकिशोर शर्मा, सुमित शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, करन सिंह, जगवीर सिंह, चन्द्रेश कुमार, नवनीत सिंह, भूपेंद्र सिंह, ललित कुमार, मनीष कुमार, मुदित कुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में परीक्षा नियंत्रक डॉ मनोज ओझा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

उमर अब्दुल्ला के लिए गांदरबल सीट आसान नहीं

इन चार नेताओं से होगा मुकाबला

गांदरबल, एजेंसी। जम्मू एवं कश्मीर की गांदरबल विधानसभा सीट पर मुकाबला नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के लिए आसान नहीं होगा। इस सीट के लिए कुल 24 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। जिनमें से चार उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला को कांटे की टक्कर देंगे। मौलवी सरजन बरकती ने भी इस विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

बता दें कि सरजन अहमद वागे उर्फ सरजन बरकती उर्फ आजादी चाचा 2016 में तब सुर्खियों में आया था, जब 8 जुलाई 2016 को अनंतनाग जिले के कोकरनाग इलाके में सुरक्षा बलों ने हिजबुल के पोस्टर बॉय बुरहान वानी को मार गिराया था। उस दौरान बरकती के भड़काऊ भाषणों ने युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए उकसाया था। बरकती इस समय जेल में बंद है। उसे पहली बार 2016 में गिरफ्तार किया गया था और रिहा होने के बाद पिछले साल उसे फिर से गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया। उसे आतंकवादी-अलगाववादी का विचारक, प्रवर्तक और समर्थक माना जाता है। उसकी पत्नी को भी धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

इससे पहले शोपियां जिले के जैनपोरा निर्वाचन क्षेत्र में बरकती का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया था, क्योंकि जेल अधीक्षक द्वारा सत्यापित अनिवार्य शपथ पत्र नामांकन पत्र के साथ संलग्न नहीं था। अब गांदरबल और बीरवाह में उसके कागजात की जांच की जाएगी। रिश्तेदारों और समर्थकों का दावा है कि इस बार मौलवी के कागजात हर तरह से पूरे हैं। वैसे कहा ये भी जा रहा है कि उमर अब्दुल्ला के खिलाफ चुनावी मैदान में बरकती की दावेदारी का एनसी नेता के लिए कम चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि अब्दुल्ला परिवार एक राजनीतिक परिवार के रूप में गांदरबल में अच्छी तरह से स्थापित है। हालांकि बरकती ने उमर अब्दुल्ला के खिलाफ चुनौती को थोड़ा बढ़ा दिया है, लेकिन गांदरबल में एनसी की असली चिंता अन्य दो संभावित मजबूत उम्मीदवारों से है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के बशीर अहमद मीर और जेएंडके यूनाइटेड मूवमेंट (जेकेयूएम) से राह जुदा कर निर्दलीय ताल ठोक रहे इश्फाक जब्बार शामिल हैं। बता दें कि मीर पड़ोसी कंगन विधानसभा क्षेत्र से आते हैं। वह पहले भी एनसी के वरिष्ठ गुज्जर नेता मियां अल्ताफ अहमद को चुनौती देते रहे हैं। 2014 के चुनावों में मियां ने मीर को 2,000 से भी कम मतों से हराया था और यह उन लोगों के लिए एक बड़ा झटका था जो यह मान रहे थे कि कंगन निर्वाचन क्षेत्र में मियां परिवार की धार्मिक-राजनीतिक ताकत के सामने मीर काफी पीछे दूसरे स्थान पर रहेंगे। परिसीमन के बाद कंगन अब एक अनुसूचित जनजाति सीट है और यही मुख्य कारण है कि बशीर मीर पड़ोसी गांदरबल विधानसभा सीट पर चले गए। मीर का गांदरबल में जाना भगोड़े का भागना नहीं है। गांदरबल में पीडीपी की एक राजनीतिक पार्टी के रूप में अच्छी पकड़ है और यही वह निर्वाचन क्षेत्र है जहां 2002 के चुनावों में उमर अब्दुल्ला पीडीपी के काजी अफजल से हार गए थे। उमर ने बाद में 2008 में यहां से जीत हासिल कर अपनी हार का बदला लिया, लेकिन 2024 में मुकाबला कुछ हटकर मुकाबला होगा। युवा वोटर्स बशीर मीर के पक्ष में एकजुट हो गए हैं और इससे उमर अब्दुल्ला के खिलाफ संभावनाएं बढ़ गई हैं। इश्फाक जब्बार की मौजूदगी से भी एनसी की चिंताएं बढ़ गई हैं। 2014 में उन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र से एनसी उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी, लेकिन बाद में उन्हें 'एनसी विरोधी गतिविधियों' के चलते पार्टी से निकाल दिया गया था। इश्फाक गांदरबल के लार गांव से ताल्लुक रखते हैं और दिवंगत शेख जब्बार के बेटे हैं, जो एक वरिष्ठ एनसी नेता थे, जिन्होंने 1984 में डॉ. फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली एनसी सरकार को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी- तब 17 एनसी विधायकों ने पार्टी छोड़ दी थी और फारूक के बहनोई जीएम शाह ने दलबदलुओं का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई थी। इश्फाक ने पिछले 10 वर्षों से गांदरबल के लोगों के बीच अपनी उपस्थिति बनाए रखी है। इसी दौरान उन्होंने जेकेयूएम का गठन किया। उमर अब्दुल्ला के खिलाफ उनकी मौजूदगी ऐसी नहीं है जिसे एनसी हल्के में ले सकती है।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले ही हार मान चुकी है बीजेपीः कुमारी शैलजा

चंडीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने गुरुवार को बीजेपी के उम्मीदवारों की पहली सूची पर कहा कि यह पार्टी पहले ही हार मान चुकी है। इस सूची से पार्टी की कुंठा जाहिर होती है। ऐसा लग रहा है कि जैसे मानो कोई बंजर जमीन हो। कुमारी शैलजा ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि पार्टी 10 सालों से सत्ता में है, लेकिन उसे उम्मीदवार बनाने के लिए कोई नेता तक नहीं मिला। आखिर मिलेगा भी कैसे? सभी तो पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। मुझे लगता है कि बीजेपी को अब आत्मचिंतन की आवश्यकता है कि आखिर क्यों लोगों का उससे मोह भंग हो रहा है। कांग्रेस नेता ने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, यह पार्टी अब हताश हो चुकी है। इस पार्टी से लोगों का विश्वास उठ चुका है। इसकी विश्वसनीयता ही खतरे में है। कुमारी शैलजा से जब कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, जल्द ही उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। अभी इसे लेकर बैठकों का दौर जारी है। लोगों की राय ली जा रही है। यह अच्छी बात है कि सभी के सुझावों का स्वागत किया जा रहा है, ताकि किसी भी नतीजे पर पहुंचने में कोई समस्या न हो। पार्टी नेतृत्व ने हमसे स्पष्ट कहा है कि आप प्रदेश की सभी 90 सीटों को लेकर अपने सुझाव दे सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार को बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। इसमें कुल 67 उम्मीदवारों के नाम दर्ज हैं। इसके अलावा, नौ मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया गया और तीन पूर्व विधायकों पर भरोसा जताया गया। हरियाणा में एक ही चरण में पांच अक्टूबर को चुनाव होंगे और आठ अक्टूबर को नतीजे घोषित होंगे।

सैम पित्रोदा के बयान पर बीडी शर्मा बोले, कांग्रेस में चापलूसी का दौर

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के एक बयान ने सियासी हलकों में तूफान मचा दिया है। पित्रोदा ने दावा किया कि राहुल गांधी अपने पिता राजीव गांधी से ज्यादा समझदार हैं। इस बयान के बाद से राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रिया का दौर जारी है। मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा ने पित्रोदा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि सैम पित्रोदा वही हैं, जो देश के अंदर कई विवादास्पद बयानों में घिरे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैम पित्रोदा का यह बयान कि राहुल गांधी राजीव गांधी से भी अच्छे हैं, कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह ने ही खारिज कर दिया है। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि सैम पित्रोदा कांग्रेस के घोर विरोधी हैं और उनका यह बयान कांग्रेस की चापलूसी का हिस्सा है। शर्मा ने कहा कि यह दौर कांग्रेस में चापलूसी का है, जो सैम पित्रोदा प्रदर्शित कर रहे हैं। बता दें कि लक्ष्मण सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सैम पित्रोदा के उस बयान पर निशाना साधा था, जिसमें सैम ने कहा था कि राहुल गांधी पिता राजीव से ज्यादा समझदार हैं। लक्ष्मण सिंह ने एक्स पर लिखा था कि यह कांग्रेस का सबसे बड़ा दुश्मन है। बाप बेटे में फर्क पैदा कर रहा है। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया था। सैम पित्रोदा ने कहा था कि राहुल गांधी अपने पिता राजीव गांधी से ज्यादा समझदार हैं। राहुल गांधी की इमेज को सोशल मीडिया पर खराब किया गया था, इसके लिए लाखों डॉलर खर्च किए गए थे। अब लोगों को दिख रहा है कि वह उनकी झूठी इमेज थी। राहुल गांधी भविष्य के प्रधानमंत्री की सारी योग्यताएं हैं। वो एक अच्छे इंसान हैं और पढ़ें लिखे हैं।

गणेश चतुर्थी (सात सितंबर) पर विशेष::

उत्साह के साथ श्रद्धा का भाव जगाता है गणेशोत्सव

अपराजिता राठौर

गणेश चतुर्थी विघ्ननाशक भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है। इसे विनायक चतुर्थी के रूप में भी जाना जाता है। यह हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। किसी भी धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत गणपति की पूजा-अर्चना से होती है। भगवान गणेश सभी बाधाओं को दूर करते हैं। हमें संकटों से मुक्ति दिलाते हैं। ऐसे त्यौहार जीवन में खुशी और उत्साह लाते हैं। गणेशोत्सव हमारे अंदर उत्साह और श्रद्धा का भाव जगाता है।

गणपति की पूजा किसी भी पूजा का पहला चरण होता है।

गणेश चतुर्थी के दिन श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा करते हैं। सुख-समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना करते हैं। घरों में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की जाती है। उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित किए जाते हैं।

गणेश चतुर्थी का त्योहार दस दिनों तक गणेशोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसके अंतिम दिन को अनंत चतुर्दशी कहा जाता है। इस दिन श्रद्धालु भगवान गणेश की मूर्ति को विसर्जित करते हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार भक्ति और उत्साह का प्रतीक है। यह त्यौहार श्रद्धालुओं को भगवान गणेश की शिक्षा को याद दिलाता है। यह त्योहार हमें बताता है कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें बुद्धिमत्ता और विवेक का उपयोग करना चाहिए। इस बार सात सितंबर (शनिवार) को गणेश चतुर्थी है। आज से गणेशोत्सव का प्रारंभ हो रहा है।

गणेश चतुर्थी की ढेर सारी शुभकामनाएं।

(लेखिका पटना जिले के जमुनापुर ग्राम निवासी छात्रा हैं)

मोदी सरकार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक पास कराना अब आसान नहीं ! बीजेडी भी हुई बिल के खिलाफ

भुवनेश्वर, एजेंसी। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक को राज्यसभा में पास कराना चुनौतीपूर्ण हो सकता है. कभी मोदी सरकार के तमाम फैसलों के साथ खड़ी होने वाली पार्टी बीजेडी ने राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने का एलान किया है. ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने गुरुवार को कहा कि अगर संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाता है तो उनकी पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी.

भुवनेश्वर में शंख भवन में बीजेडी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा कि ओडिशा सद्भाव, भाईचारे और शांति के लिए जाना जाता है. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर यह विधेयक संसद में पेश किया जाता है तो बीजेडी इसका कड़ा विरोध करेगी. पटनायक ने कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विविधता पर गर्व है. समृद्ध देश के निर्माण के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है. पटनायक ने यह भी दावा किया कि वह हर दिन अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों से मिल रहे हैं और वे असुरक्षा की भावना व्यक्त की है.

राज्यसभा सांसद मुन्ना खान का बयानन बीजेडी के राज्यसभा सांसद मुन्ना खान ने कहा कि उनकी पार्टी राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करेगी. बीजेडी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष खान ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार संसद में वक्फ संशोधन विधेयक लाने की कोशिश कर रही है. वक्फ संशोधन विधेयक के लिए जेपीसी का गठन किया गया है. बीजेडी वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करेगी. बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने हमें इस बारे में स्पष्ट निर्देश दिए हैं. हम संसद में इस विधेयक का विरोध करेंगे.

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में ओडिशा में बीजेडी की सरकार थी. हम संघीय व्यवस्था में केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे थे. हमने ओडिशा को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार का समर्थन किया है. हमने विरोध भी किया है. उन्होंने हमारी इस आस्था को नहीं माना कि हमने भाजपा का समर्थन किया था.

बता दें, बीजेडी से पहले भाजपा के सहयोगी दलों ने भी वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आपत्ति जताई है. जेडीयू, लोक जनशक्ति और टीडीपी ने भी विधेयक का विरोध किया है. देश में मुसलमानों के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न राजनीतिक दल प्रस्तावित कानून में बदलाव चाहते हैं.

तेलंगाना में 9 सितंबर तक भारी बारिश का अनुमान

हैदराबाद, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव वाले क्षेत्र के प्रभाव के चलते 9 सितंबर तक तेलंगाना के कई हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों के लिए कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, उत्तरी आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तटों से दूर पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। अगले दो दिनों में इसके धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। आदिलाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, वारंगल और हनमकोंडा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीम नगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक और कामारेड्डी जिले में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। शनिवार को जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, महबुबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं मौसम विभाग ने रविवार के लिए जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिलों में फिर से भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। सोमवार (9 सितंबर) को कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे) चलने के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इस हफ्ते की शुरुआत में भारी बारिश और बाढ़ ने खम्मम, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबाबाद, सूर्यपेट, नलगोंडा और अन्य जिलों में कहर बरपाया, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और फसलों, सड़कों, बिजली तथा संचार टावरों और सिंचाई टैंकों को भारी नुकसान पहुंचा। मुन्नरू नदी के उफान पर होने के कारण खम्मम कस्बे के कई हिस्से भी बाढ़ की चपेट में आ गए। जलमग्न इलाकों में अभी भी सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो पाई है। राज्य सरकार के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार भारी बारिश और बाढ़ से 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

विधानसभा के चुनाव होते ही पूर्ण राज्य का दर्ज़ा जम्मू-कश्मीर को दिया जाएगाः अनुराग ठाकुर

शिमला, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को बड़ा बयान देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद इसे पूर्ण राज्य का दर्ज़ा दिया जाएगा। ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए ठोस कदम उठाए हैं, और अब समय आ गया है कि इसे फिर से पूर्ण राज्य का दर्ज़ा मिल जाए। दरअसल कल जम्मू-कश्मीर के रामबन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर की जनता से स्टेटहुड वापस दिलाने का वादा किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने का दावा भी किया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पहली बार हिंदुस्तान के एक राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर लोगों के अधिकार छीने गए। हिंदुस्तान के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड का दर्जा वापस करना होगा, क्योंकि सिर्फ आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपसे आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ छीना जा रहा है। 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में एक राजा बैठा है, उसका नाम एलजी है। लेकिन, वो राजा है जो आपकी संपत्ति आपसे छीनकर बाहर के लोगों को दे रहा है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा, हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा, हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हों, लेकिन भाजपा यह नहीं चाहती। भाजपा चाहे या ना चाहे, इंडिया गठबंधन इतना दबाव डालेगी कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना ही होगा।

मंच पर फूट-फूटकर रोए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, बोले- कांग्रेस ने मुझे फंसाया

गोंडा, एजेंसी। निजी विद्यालय में स्मार्ट फोन-टैबलेट वितरण कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह फूट-फूटकर रो पड़े. उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया. कांग्रेस समेत नेता दीपेंद्र और भूपेंद्र हुड्डा पर निशाना भी साधा. इसके बाद मंच पर ही एक कुर्सी पर बैठ गए. फिर एमएलसी अवधेश कुमार उर्फ मंजू सिंह ने जैसे ही उनके ऊपर लगे आरोपों पर बोलना शुरू किया पूर्व सांसद भावुक को गए. वह गमछे से बार-बार अपने आंसू पोंछते रहे. इसकी वीडियो भी सामने आया है.

भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मेरे खिलाफ षडयंत्र रचा गया. कांग्रेस पार्टी के साथ दीपेंद्र और भूपेंद्र हुड्डा ने यह साजिश रची. पहले मैं कहता था लेकिन आज देश कह रहा है. 1996 में साजिश हुई तो पत्नी केतकी सिंह सांसद बनीं. अब 2023 में साजिश हुई तो बेटा करण भूषण सांसद बना. मैं

1991 से सांसद हूं. पहले कोई मेरी सेल्फी नहीं लेता था. इस घटना के बाद से हीरो, हिरोइन, साधू-संत समेत तमाम लोग सेल्फी लेते हैं.

बदनाम हुआ तो नाम भी हुआ : डब्लूएफआई के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद ने आगे कहा कि अगर हम हुए बदनाम तो नाम भी तो हुआ. इसके बाद अपना संबोधन समाप्त कर वह मंच पर रखी एक कुर्सी पर बैठ गए. इसके बाद गोंडा- बलरामपुर सीट से एमएलसी अवधेश कुमार उर्फ मंजू सिंह ने माइक संभाला. उन्होंने महिला पहलवानों के आंदोलन को निशाने पर लिया. पूर्व सांसद पर लगाए गए आरोपो को फर्जी बताया. कहा कि वह समाजसेवी हैं. इस बीच पूर्व सांसद भावुक हो गए. उनकी आंखों में आंसू हो गए. वह अपने गमछे से आंसू पोछते नजर आए.

कौन हैं बृजभूषण शरण सिंह : कैसरगंज से पूर्व सांसद रह चुके बृजभूषण शरण सिंह का बृजभूषण शरण सिंह है. उनके लगभग 52 स्कूल और कॉलेज हैं. इनमें नंदिनी कॉलेज, नंदिनी नगर लॉ कॉलेज, नंदिनी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, नंदिनी नगर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, नंदिनी नगर पीजी कॉलेज, नंदिनी नगर टेक्निकल कैंपस फॉर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, महिला शैक्षिक प्रशिक्षण कॉलेज आदि है. वह करोड़ों को मालिक हैं. बृजभूषण का जन्म 8 जनवरी 1957 को गोंडा के गांव विष्णोहरपुर में हुआ. 1981 में उन्होंने केतकी सिंह के साथ शादी की.

साल 2004 में 23 साल के उनके बेटे शक्ति शरण सिंह ने सुसाइड कर लिया था. दूसरे बेटे प्रतीक भूषण सिंह साल 2017 में गोंडा से भाजपा के टिकट पर विधायक बने. इस बार के लोकसभा चुनाव में वह कैसरगंज से सांसद चुने गए हैं. बृजभूषण साल 1985 से राम मंदिर आंदोलन में भी शामिल रहे. साल 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचे को गिराने में भी उनका नाम आया था. इस मामले में फंसे : पूर्व बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोप लगाए थे. इसे लेकर पहलावन साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने दिल्ली में जंतर-मंतर पर कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया था. इसके बाद वह भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से हट गए थे. यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा. लोकसभा चुनाव 2024 में उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा. भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया.

नोएडा पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बनी 17केजी सोने की चोरी

नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में चार साल पहले हुई उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी चोरी आज भी चर्चा में है। अगस्त 2020 में सिल्वर सिटी-2 सोसाइटी के फ्लैट नंबर-301 से चोरों ने 36 किलो सोना और छह करोड़ की नकदी चुरा ली थी। 10 महीने बाद चोर पकड़े गए और 17 किलो सोना और 57 लाख रुपये बरामद हुए, लेकिन न तो किसी ने चोरी का केस दर्ज कराया और ना ही किसी ने बरामद माल पर दावा किया। पुलिस ने हाल में नौ लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, लेकिन उसमें भी इसका जिक्र नहीं था कि बरामद माल किसका है।

पुलिस के अनुसार, चोरी की इस घटना में दस आरोपी शामिल थे। अब तक तीन चार्जशीट दाखिल की गई हैं। पुलिस ने बताया कि पहले बरामद माल किशलय पांडेय और राम मूर्ति पांडेय का होने का दावा किया जा रहा था, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। पुलिस ने जांच के लिए आयकर विभाग और ईडी को भी पत्र लिखा था, लेकिन दोनों विभागों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। काले धन की यह पहेली अब भी उलझी हुई है। आखिर किराये के फ्लैट में किसने करोड़ों की नकदी और सोने की ईंट छिपाकर रखी थीं। यह काला धन कहां से आया था, यह किसी हवाला कारोबार का हिस्सा था या फिर रैकेट का हिस्सा है। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि जब तक इस मामले की कोर्ट में सुनवाई चलेगी, तब तक बरामद माल कोषागार में सुरक्षित रखा रहेगा।

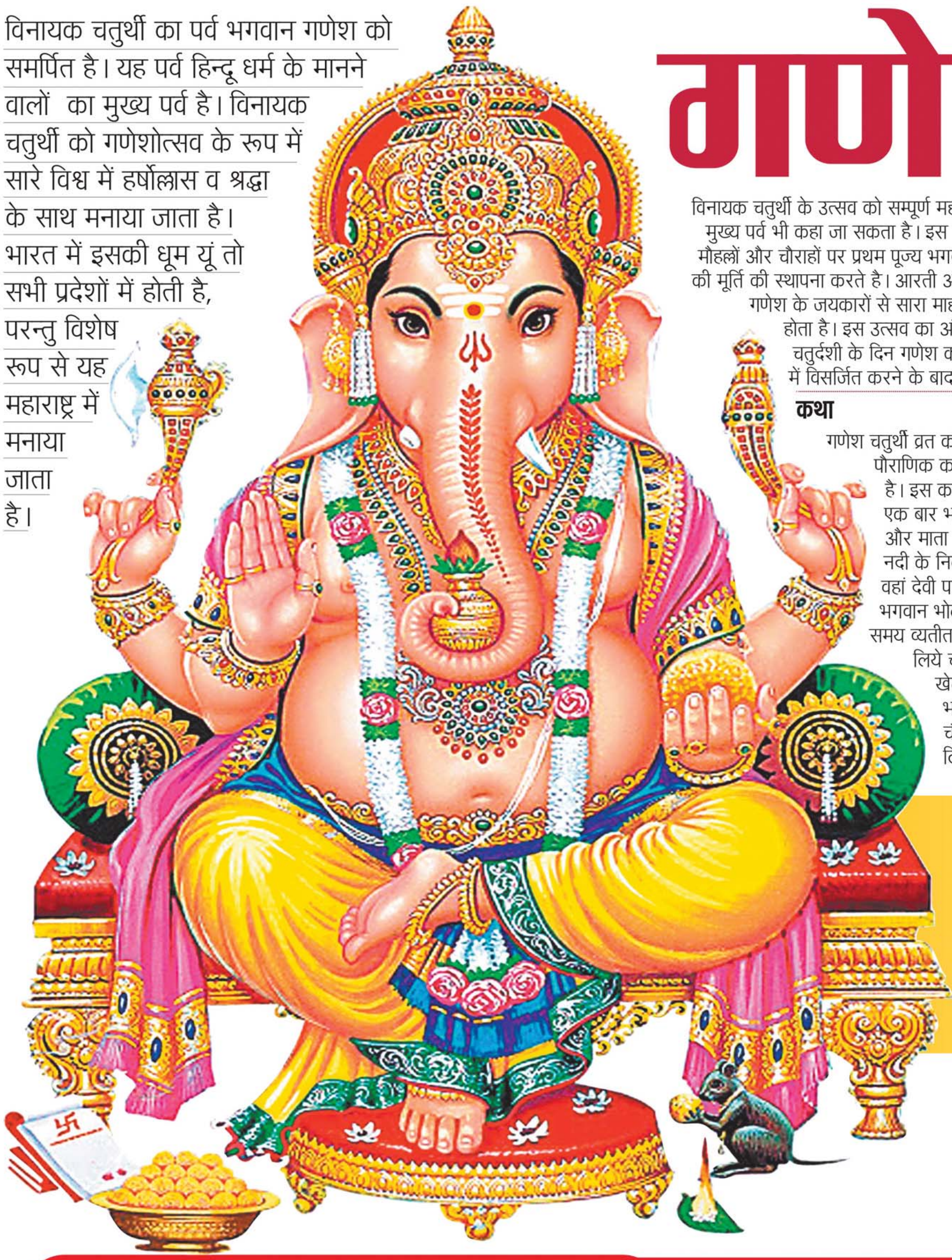

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मौहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते है। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो हो गये, परन्तु इस खेल मे हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- फ़बेटा हम चौपड़ खेलना चाहते है, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैनें किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया।फ़ बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेंगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।

गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूं और वो यह देख प्रसन्न हों।फ़ बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुष्ट होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मार्गलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट मे पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

– अर्थात जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोड़षोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रति?ष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।
- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।

भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारू रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है।

कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्त्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना-

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ 5 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई ।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ गई है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है। इसे काफी हद तक उत्पादकता लाभ और सकारात्मक मांग के रुझान से समर्थन मिला। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही। कच्चे माल की लागत में छह महीने में सबसे कम वृद्धि हुई, विनिर्माण तथा सेवा दोनों क्षेत्रों में भी यही रुख देखने को मिला। इससे अगस्त में आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही।

जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही। वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही।

अमेजन इंडिया का निर्यात इस साल 13 अरब डॉलर के पार होगाः कंपनी अधिकारी

नई दिल्ली ।

दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का निर्यात कार्यक्रम अमेजन ग्लोबल सेलिंग वर्ष 2024 के आखिर तक भारत से होने वाले कुल ई-कॉमर्स निर्यात में 13 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाएगा। अमेजन इंडिया के एक वैश्विक कारोबारी ने कहा कि कंपनी वर्ष 2025 तक अपने 20 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में निर्यात कार्यक्रम की शुरुआत होने के बाद से दुनिया भर के ग्राहकों को 40 करोड़ से अधिक भारत-निर्मित उत्पाद बेचे जा चुके हैं। उन्होंने अमेजन की वार्षिक निर्यात रिपोर्ट के विमोचन कार्यक्रम में कहा कि जब हमने शुरुआत की थी, तो हमने 2025 तक छोटे एवं मझोले कारोबारों से होने वाले कुल निर्यात में 10 अरब डॉलर का लक्ष्य रखा था। साल 2020 में हमने इस लक्ष्य को दोगुना कर 20 अरब डॉलर कर दिया।

हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 2024 के अंत तक हम 13 अरब डॉलर का निर्यात कर चुके होंगे। उन्होंने कहा कि अमेजन को आठ अरब डॉलर (2015-2023) का निर्यात हासिल करने में लगभग आठ साल लगे और सिर्फ एक साल (2023-2024) में ही यह बढ़कर 13 अरब डॉलर होने वाला है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में अमेजन के विक्रेता कार्यक्रम ने लगभग 50,000 नए विक्रेताओं को जोड़ा है और विक्रेताओं की कुल संख्या 1.50 लाख हो गई है।

उन्होंने कहा इन विक्रेताओं ने दुनिया भर के ग्राहकों को कुल मिलाकर 40 करोड़ से अधिक भारत-निर्मित उत्पाद बेचे हैं।

देश में निवेश की संभावना तलाशने भारत आ रहे अमेरिकी पेंशन फंड अधिकारी

नई दिल्ली ।

देश में निवेश की संभावना तलाशने के लिए अमेरिका के सार्वजनिक पेंशन फंडों के उच्च स्तरीय अधिकारियों का एक दल अगले हफ्ते भारत आ रहा है। ये अधिकारी अमेरिका के विभिन्न प्रांतों से हैं और कुल मिलाकर अमेरिका और वैश्विक बाजारों में निवेश की गई 1.8 लाख करोड़ डॉलर की परिसंपत्ति (एयूएम) का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) मिशन, भारत के वित्त मंत्रालय और राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढांचा कोष कर रहे हैं। रोडशो को वित्तीय भविष्य का निर्माण नाम दिया गया है जिसका आयोजन 9 से 13 सितंबर तक किया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों का दल दिल्ली, बेंगलूरु और मुंबई का दौरा करेगा जहां वह प्रौद्योगिकी, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों से मुलाकात करेगा। दिल्ली में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी उसकी बैठक होगी। अमेरिका में करीब 200 सार्वजनिक पेंशन फंड हैं। अगले हफ्ते भारत आने वाले प्रतिनिधिमंडल में 5 पेंशन फंडों के 5 अधिकारी शामिल होंगे। अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास के प्रमुख माइक हैंकी ने कहा कि यह पहला मौका है जब अमेरिकी मिशन इस तरह से फंडों का एक प्रतिनिधिमंडल किसी देश में भेज रहा है। भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचा, डीकार्बोनाइजेशन, बंदरगाह, विमानन, स्वास्थ्य देखभाल और फार्मा जैसे क्षेत्रों में अपार अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमारा लक्ष्य इन पेंशन फंड प्रतिनिधियों को भारत में अवसरों से अवगत कराना है। वैश्विक फर्में किसी एक देश पर निर्भरता घटाकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही हैं और अलग-अलग जगहों पर अपना विनिर्माण केंद्र स्थापित कर रही हैं।

मैक्स फाइनेंशियल में 3.18 फीसदी हिस्सेदारी 1,218 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली ।

मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रवर्तक कंपनी मैक्स वेंचर्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स ने गुरुवार को खुले बाजार में लेनदेन के जरिये कंपनी में 3.18 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,218 करोड़ रुपये में बेच दी। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमएफएसएल) के पास मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का स्वामित्व है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक मैक्स वेंचर्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स ने नोएडा स्थित मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज में 3.18 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर कुल 1,10,00,000 शेयर बेच दिए। इन शेयरों का निपटान 1,107.37 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर किया गया। इस तरह लेनदेन का कुल मूल्य 1,218.11 करोड़ रुपये हो गया। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद एमएफएसएल में प्रवर्तकों की संयुक्त हिस्सेदारी 6.52 प्रतिशत से घटकर 3.34 प्रतिशत रह गई है। हालांकि मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों के खरीदारों का विवरण पता नहीं चल सका।

निवेशकों के साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये डूबे

शेयर बाजार में भारी गिरावट

सेंसेक्स 1017 , निफ्टी 292 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1017.23 अंकों की गिरावट के साथ ही 81,183.93 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 292.95 अंक नीचे आकर 24,852.15 अंकों पर बंद हुआ। इसइ दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.46 लाख करोड़ रुपये घटकर 461.22 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। इस प्रकार निवेशकों को साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस प्रकार की गिरावट से निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

माना जा रहा है कि बाजार में ये गिरावट अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों के जारी होने से पहले ही निवेशकों के सतर्क रुख से आई हैं। इन आंकड़ों से अब फेडरल रिजर्व की नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की भी संभावना है। ऐसे में बाजार में गिरावट बढ़ सकती है।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि सिर्फ 4 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की कुल 50 कंपनियों में से 42 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए और केवल 8 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.40 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.09 फीसदी , एनटीपीसी के शेयर 2.08 फीसदी , एचसीएल टेक के शेयर 1.95 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.92 फीसदी टाटा मोटर्स के शेयर 1.87 फीसदी , आईटीसी के शेयर 1.86 फीसदी गिरावट पर बंद बंद हुए सेंसेक्स की सिर्फ 4 कंपनियों के शेयरों में रही बढ़त सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।

बजाज फाइनेंस के शेयर 1.03 फीसदी, जेएसडब्लू के शेयर 0.79 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।जानकारों के अनुसार पिछले दो सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार बढ़ोतरी के कारण भी निवेशकों ने आज जमकर मुनाफावसूली की बाजार में गिरावट का एक कारया वैश्विक मंदी के बढ़ते प्रभाव को भी माना जा रहा है।

अमेरिकी शेयर बाजारों में भी सभी तीन प्रमुख सूचकांकों में गिरावट देखी गई, जहां एसएंडपी 500 में 0.3फीसदी, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल औसत में 0.54फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.25फीसदी की गिरावट रही।

वहीं एशियाई बाजारों में भी निक्केई और कोस्पी में गिरावट आई जिससे भी भारतीय बाजार विपरीत प्रभाव पड़ा। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 688 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,970 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहने से भी निवेशक संशय में आ गये।

वैश्विक बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बाजार मामूली गिरावट के साथ खुले। दरअसल अमेरिका के नौकरी और पेरोल आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। निफ्टी-50 इंडेक्स 0.16 फीसदी गिरकर 25,103.25 अंक पर आ गया, जबकि एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.21 फीसदी गिरकर 82,029.97 पर कारोबार देखा गया।

एमपीसी के नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति समय पर होने की संभावनाः दास

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि संभावना जताई जा रही है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति समय पर हो जाएगी। यहां वार्षिक फिबैक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से दास ने कहा कि एमपीसी की बैठक सात अक्टूबर से शुरू हो रही है। यह तभी हो सकती है जब सभी सदस्य मौजूद होंगे। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों की नियुक्ति तो होनी ही चाहिए तभी हम बैठक कर सकते हैं। ऐसा होना चाहिए। हमें उम्मीद है कि नए सदस्य समय पर नियुक्त हो जाएंगे। तीन बाहरी सदस्यों आशिमा गोयल, जयंत वर्मा और शशांक भिड़े का चार साल का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। समिति में नियुक्तियां सरकार द्वारा की जाती हैं। एमपीसी की अध्यक्षता आरबीआई के गवर्नर करते हैं और इसमें छह सदस्य होते हैं। इसमें गवर्नर समेत रिजर्व बैंक के तीन प्रतिनिधि होते हैं, जबकि अन्य तीन बाहरी सदस्य होते हैं।

प्रस्ताव को सार्वजनिक किए जाने से पहले सदस्य दर निर्धारण पर मतदान करते हैं और बराबरी की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत होता है।

दर निर्धारण समिति में हाल ही में कुछ असहमति देखी गई है, जिसमें गोयल ने ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में वर्मा का साथ दिया है, जबकि अन्य चार ने लगातार मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का पक्ष लिया है।

इससे लगातार नौ एमपीसी बैठकों में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखी है।

असहमत एमपीसी सदस्यों के अनुसार, ब्याज दरों में कटौती में देरी से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में कमी आ सकती है।

सोना बढ़कर 72 हजार, चांदी 85 हजार के पार

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। **दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले।** शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 71,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,000 रुपये के पार कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 44 रुपये की तेजी के साथ 71,961 रुपये के भाव पर खुलकर 53 रुपये की तेजी के साथ 71,970 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 130 रुपये की तेजी के साथ 85,056 रुपये पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 85,01 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,547.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,543.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,547.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.09 डॉलर था।

इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 29.12 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया दो पैसे मजबूत होकर 83.95 डॉलर पर

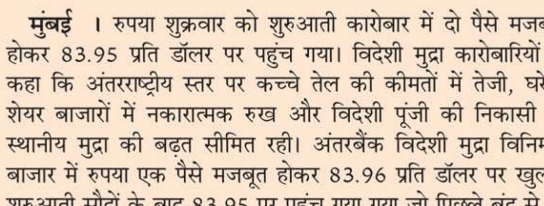

मुंबई । रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे मजबूत होकर 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे मजबूत होकर 83.96 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 पर पहुंच गया गया जो पिछले बंद से दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.97 अंक पर रहा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । देश में शुक्रवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबे कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। तेल कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वैश्विक बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.04 डॉलर की गिरावट के साथ 72.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.05 डॉलर फिसलकर 69.10 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

देश में 17.1 करोड़ हुई डीमैट खातों की संख्या

अगस्त में खुले 40 लाख से ज्यादा नए अकाउंट

नई दिल्ल ।

शेयर बाजार की तरफ लोगों का रुझान बढ़ने से देश में डीमैट खातों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। अगस्त में देश में 40 लाख से ज्यादा नए डीमैट अकाउंट खुले हैं, जिसके कारण कुल डीमैट खातों की संख्या 17 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) में 31 अगस्त तक कुल डीमैट खातों की संख्या 17.1 करोड़ थी। 2024 की शुरुआत से अब तक हर महीने करीब 40 लाख नए डीमैट अकाउंट खुल रहे हैं। चालू वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में करीब 3.2 करोड़ डीमैट अकाउंट खुल चुके हैं। बड़ी संख्या में डीमैट अकाउंट खुलने की वजह इस वित्तीय वर्ष में नए आईपीओ का आना भी है। करीब 50 से अधिक कंपनियां 2024 की शुरुआत से 31 अगस्त तक आईपीओ के जरिए 53,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से की गई स्टडी में कहा गया था कि बड़ी संख्या में निवेशक केवल आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए डीमैट खाते खोल रहे हैं। स्टडी में बताया गया था कि अप्रैल 2021 से लेकर दिसंबर 2023 तक आईपीओ के आवेदन के लिए उपयोग किए गए डीमैट में से करीब आधे महामारी के बाद खोले गए हैं। 2024 में शेयर बाजार ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक निफ्टी करीब 15 प्रतिशत और बीते एक साल में 27 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है।

भारतीय कंपनियों में विदेशी पूंजी और आकर्षित होने की संभावना

नई दिल्ली । अमेरिकी ब्रोकरेज मॉर्गन स्टैनली ने कहा कि इंडेक्स में टॉप वेटेज के रूप में भारत की स्थिति से भारतीय कंपनियों में विदेशी पूंजी और आकर्षित होने की संभावना है। मुख्य एमएससीआई ईएम इंडेक्स (स्टैंडर्ड इंडेक्स) बड़े और मिडकैप सेक्टर को कवर करता है, आईएमआई में लार्ज, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों की ज्यादा बड़ी रेंज शामिल है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार चीन की तुलना में भारत का भारी वेटेज इस ईएम बास्केट में ज्यादा स्मॉलकैप वेटेज के कारण है। बता दें कि पिछले 3-4 सालों में भारतीय शेयर बाजारों ने जबरदस्त रफ्तार दिखाई है। खासकर कोरोना महामारी के बाद जहां चीन समेत एशियाई बाजार काफी समय तक दबाव में रहे तो इंडियन इक्विटी मार्केट में तेजी जारी है।

यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स की नजर क्रॉस बॉर्डर फंड पर

मुंबइ । वेंचर कैपिटल फर्म यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स अब क्रॉस बॉर्डर वेंचर फर्म बनने की दिशा में काम कर रही है। क्रॉस बॉर्डर फंड की अपनी अनूठी विशेषताएं होती हैं। वे फंड को दो देशों में मजबूत संबंध बनाने और एक नेटवर्क बनाने की अनुमति देते हैं जो दोनों क्षेत्रों को शामिल करता है। भारत में फिलहाल सिर्फ नेक्सस वेंचर पार्टनर्स एकमात्र उद्यम पूंजी (वीसी) है, जिसके पास ऐसी संरचना है। फंड में सीमित साझेदारों (एलपी) को आकर्षित करने की क्षमता के अलावा यूआईवी के लिए दूसरा बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों और खासकर अमेरिका में अपनी पोर्टफोलियो फर्मों के लिए एक नेटवर्किंग मंच प्रदान करना है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि हम वीसी, टीम आदि के तौर पर एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना चाहते हैं। मगर सबसे जरूरी है कि इससे हमें साथ में निवेश करने वाले और नई कंपनियों को भी नए परिवेश में लाने की क्षमता मिलेगी। आज सीरीज बी के बाद कुछ ही लोग हैं जो बड़े पैमाने पर फंडिंग करते हैं। हम पूंजी के एक वैकल्पिक स्रोत बनना चाहते हैं।

टीवीएस मोटर्स ने की 3.91 लाख टू-व्हीलर की बिक्री

नई दिल्ली ।

अगस्त 2024 में सालाना आधार पर टीवीएस मोटर्स ने 13.23 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ हासिल की। इस दौरान कंपनी ने 3.91 लाख टू-व्हीलर की बिक्री की है। अगस्त 2023 में ये आंकड़ा 3.45 लाख यूनिट का था। टीवीएस आईक्यूब कंपनी के लाइनअप में एकमात्र इलेक्ट्रिक स्कूटर है और इसका भी कंपनी की ग्रोथ में अहम रोल है। पिछले महीने की बात करें तो कंपनी ने आईक्यूब की 24,779 यूनिट बेची थीं। जबकि जुलाई 2023 में इसकी 23,887 यूनिट बिकी थीं। यानी 892 ज्यादा ग्राहकों के साथ इसे सालाना आधार पर 3.73 प्रतिशत की ग्रोथ मिली। कंपनी की कुल बिक्री में इसने 6.54प्रतिशत की हिस्सेदारी दी। आईक्यूब के इस साल के सेल्स डेटा पर नजर डालें तो यह अगस्त में सबसे ज्यादा बिका है। बीते महीने इस स्कूटर की सेल्स 24,779 यूनिट्स की रही। खास बात ये है कि साल 2023 में भी अगस्त में ही इसकी सबसे ज्यादा यूनिट बिकी थीं। कुल मिलाकर इस साल जनवरी से अगस्त तक इसकी 1,39,676 यूनिट बिकी चुकी हैं। जबकि, 2023 के इन 8 महीने के दौरान इसकी 118,850 यूनिट बिकी थीं। इस हिसाब से आईक्यूब की सेल इस साल बढ़ी है।टीवीएस के मुताबिक आईक्यूब को चलाने का खर्च किसी भी पेट्रोल टू-व्हीलर के मुकाबले बेहद कम है।

कंपनी का कहना है कि पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर है। ऐसे में पेट्रोल स्कूटर को 50,000 किलोमीटर चलाने का खर्च तकरीबन 1 लाख रुपये आता है। वहीं, आईक्यूब को इतने ही दूरी चलाने का खर्च महज 6,466 रुपये ही आता है। कंपनी का कहना है कि पेट्रोल टू-व्हीलर के मेंटेनेंस में भी काफी खर्च होता है, जबकि इलेक्ट्रिक स्कूटर में हल्के-फुल्के मेंटेनेंस की ही जरूरत होती है।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने पर टैक्स में भी बचत होती है।

भारत विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में कम हुई आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के उद्देश्य से क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी कर सकता है। अब यह प्रश्न अर्थशास्त्रियों के मन में उभर रहा है। इस बीच अमेरिका में भी फेड रिजर्व के अध्यक्ष ने अमेरिका में ब्याज दरों को सितम्बर 2024 माह में कम करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकडें जारी कर दिए गए हैं एवं हर्ष का विषय है कि भारतअभी भी विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2023) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई थी तथा पिछली तिमाही (जनवरी मार्च 2024) में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रेल-जून 2024 तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। पिछले लगातार 5 तिमाही के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यह सबसे कम वृद्धि दर है। हालांकि चीन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई है तथा विश्व की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर भारत की तुलना में अभी भी बहुत कम बनी हुई है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में कम हुई वृद्धि दर के पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण बताए गए है। प्रथम तो इस तिमाही में लोक सभा चुनाव सम्पन्न हुए हैं जिसके चलते आम जनता ने अपने खर्चे को रोक रखा था। साथ ही, लोक सभा चुनाव के समय केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई भी बड़ा निर्णय नहीं लिया जा सकता है जिसके चलते सरकारों को अपने खर्चों को नियंत्रण में रखना होता है, इससे देश की विकास दर पर प्रभाव पड़ता है। दूसरे, इस तिमाही के दौरान देश में अत्यधिक गर्मी के चलते पर्यटन एवं कृषि के क्षेत्र में विकास दर अत्यधिक कम हो गई है। कृषि के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में वृद्धि दर केवल 2 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3.7 प्रतिशत की रही थी। परंतु, वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में मानसून ने लगभग पूरे देश में तेज गति पकड़ ली है अतः विभिन्न फसलों के बुआई के क्षेत्र में अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है इसलिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय एवं तृतीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर एवं अक्टोबर-दिसम्बर 2024) में कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर के आकर्षक रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। खरीफ मौसम की फसल के साथ ही अब रबी मौसम की फसल में भी अच्छी वृद्धि दर रहने की सम्भावना है क्योंकि देश के विभिन्न जलाशयों में पानी के संचयन में भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जिसे कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इन्हीं कारणों के चलते वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडीज ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के आर्थिक विकास दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, मूडीज ने पहिले यह अनुमान 6.8 प्रतिशत का लगाया था। विनिर्माण इकाईयों द्वारा किए गए उत्पादन में अप्रेल-जून 2024 की तिमाही में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। निर्माण के क्षेत्र में 8.6 प्रतिशत एवं सेवा के क्षेत्र में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ट्रेड, ट्रान्स्पोर्ट, होटल, टेलिकॉम की ग्रोथ 5.7 प्रतिशत की रही है। विनिर्माण, निर्माण एवं कोर इंडस्ट्री को मिलाकर बनने वाले सेकेण्डरी सेक्टर में वृद्धि दर बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में यह 5.9 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 8.4 प्रतिशत की हो गई है। यह वृद्धि दर देश में निजी उपभोग के बढ़ने की ओर इशारा कर रही है।

विश्व में बहुत लम्बे समय से चल रहे दो युद्धों के बीच भारत की उक्त आर्थिक विकास दर अच्छी विकास दर ही कही जाएगी। एक युद्ध तो रूस यूक्रेन के बीच चल रहा है एवं दूसरा इजराईल एवं हम्मास के बीच चल रहा है। इजराईल के साथ युद्ध में तो लेबनान एवं ईरान भी कूदने को तैयार बैठें हैं। साथ ही, यूरोपीयन देशों में कुछ देशों की आर्थिक विकास दर में कमी होती दिखाई दे रही है। जापान एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं में भी विकास दर में कमी आंकी गई है। जर्मनी एवं चीन भी अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर को बढ़ाने हेतु संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जापान एवं जर्मनी में यदि विकास की रफ्तार कम होती है एवं भारत की आर्थिक विकास दर यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ती है तो शीघ्र ही भारत, जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान एवं जर्मनी ही भारतीय अर्थव्यवस्था से थोड़ा आगे बने हुए हैं।

अर्थ से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत सराहनीय प्रगति करता हुआ दिखाई दे रहा है। जैसे -

(1) पिछली तिमाही में भारत के निर्यात में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि दर केवल एक प्रतिशत की रही है।

(2) बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में लगातार वृद्धि दर 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर) एवं विनिर्माण के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर) बनी हुई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था के तेज गति से आगे बढ़ने के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं।

(3) वित्तीय वर्ष 2024-25 में जुलाई 2024 माह के अंत तक समाप्त अवधि के दौरान केंद्र सरकार की कुल आय 10.23 लाख करोड़ रुपए की रही है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय के कुल बजट का 31.9 प्रतिशत है और इसमें 7.15 लाख करोड़ रुपए की करों की मद से आय तथा 3.01 लाख करोड़ रुपए की अन्य मदों से आय भी शामिल है।

(4) इस दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रण में रहा है एवं यह 2.77 लाख करोड़ रुपए तक सीमित रहा है जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल बजटीय घाटे का केवल 17.2 प्रतिशत ही है।

(5) इसी प्रकार विदेशी मुद्रा भंडार भी 23 अगस्त 2024 को समाप्त हुए सप्ताह में 702 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 68,168 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 454 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 67,466 करोड़ अमेरकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था।

(6) जुलाई 2024 माह में 8 कोर सेक्टर (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट, उर्वरक, इस्पात, सिमेंट एवं बिजली उत्पादन के क्षेत्र) में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत की रही है जो जून 2024 माह में 5.1 प्रतिशत की रही थी।

(7) भारत में प्रत्येक 5 दिनों में एक बिलिनायर (भारतीय नागरिक जिसके पास 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति है) बन रहा है। 2014 में भारत में 109 बिलिनायर थे जो आज बढ़कर 334 हो गए हैं। जिनकी कुल सम्पत्ति 1.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है जो सऊदी अरब के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक है। इसी प्रकार, भारत के बिलिनायर की सम्पत्ति भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद के आधे से भी अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था तो प्रत्येक तिमाही में बढ़ रही है परंतु यदि यह सम्पत्ति केवल बिलिनायर की संख्या बढ़ाने के रूप में बढ़ रही है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि इससे तो देश में अमीरों एवं गरीबों के बीच में असमानता की खाई भी बढ़ती जा रही है और इस खाई को शीघ्र ही पाटने के प्रयास किए जाने चाहिए।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में कम हुई आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के उद्देश्य से क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी कर सकता है। अब यह प्रश्न अर्थशास्त्रियों के मन में उभर रहा है। इस बीच अमेरिका में भी फेड रिजर्व के अध्यक्ष ने अमेरिका में ब्याज दरों को सितम्बर 2024 माह में कम करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

संपादकीय

कारण भी समझें

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. ने छात्रों के ड़मी नामांकन के लिए दिल्ली और राजस्थान के 27 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानुनी कार्रवाई पर भी विचार किया जा रहा है। निरीक्षण किए गए स्कूलों में बोर्ड. के संबद्धता उपनियमों का उल्लघंन करते हुए छात्रों की वास्तविक उपस्थिति के रिकॉर्ड. से ज्यादा छात्रों को नामांकित किया गया। ये स्कूल बोर्ड. के बुनियादी ढ़ांचे के मानदंड़ों का भी उल्लंघन कर रहे हैं। इंजीनियरिंग और मेड़िकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र बड़ी संख्या में ड़मी स्कूलों में दाखिला लेते हैं ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में पूरा ध्यान केंद्रित कर सकें। कक्षाओं में उपस्थित हुए बगैर वे बोर्ड. परीक्षाओं में सीधा शामिल हो जाते हैं। इस वर्ष की शुरूआत में भी सीबीएसई ने फर्जी छात्रों और अयोग्य उम्मीदवारों को दाखिला देने वाले बीस स्कूलों की संबद्धता रद्द की थी। यह कहना गलत नहीं है कि इंजीनियरिंग, मेड़िकल जैसी तमाम प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों को कड़ी मशक्कत करनी होती है। यह व्यावहारिक दिक्कत है जिसका स्कूल प्रबंधन लाभ उठाता है। मोटी कमाई के लोभ में वे इन ड़मी छात्रों को प्रवेश देते हैं। सीबीएसई ने चुन कर केवल दो राज्यों के शिक्षण संस्थाओं को निशाना बनाया जबकि यह जांच देशव्यापी होने की जरूरत है क्योंकि हमारी मौजूदा शिक्षा प्रणाली की ये अड़़चने हैं। और ऐसी अड़चनें नहीं हैं, जो दबी-छुपी नहीं रह गई हैं, सर्वविदित और उजागर हैं, इसलिए इन्हें दूर किया जाना जरूरी है। बेशक, प्रवेशार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है, इसलिए प्रतियोगिता दिन-ब-दिन बहुत कड़ी होती जा रही है जिसकी तैयारी में छात्रों को दिन-रात एक करना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि तमाम शिक्षा बोर्ड. छात्रों के लिए हालात को साजगार और आसान बनाने में तत्परता दिखाएं। बोर्डों को इस समस्या का सटीक हल निकालने का भी प्रयास करने चाहिए। छात्रों में तनाव, नैराश्य और मानसिक समस्याएं लगातार बढरू रही हैं। बड़ी संख्या में वे खुदकुशी भी कर रहे हैं जिसकी अनदेखी कतई उचित नहीं कही जा सकती। स्कूलों द्वारा प्रवेश संबंधी अनियमितताओं पर जिस तरह नकेल कसी जानी चाहिए, वह भी प्रायः नहीं होती। बोर्डों को नियमों की अवहेलना करने वाले शिक्षण संस्थानों पर सख्ती करने के साथ ही शिकायत और परामर्श के लिए हर स्कूल में विशेष फोन नंबर, ई-मेल एड्रेस या ड़ाक-पते की सूचना भी देने की सुविधा देनी चाहिए। स्कूलों द्वारा शिक्षा विभागों की लापरवाही का बड़े. स्तर पर लाभ उठाना तभी थम सकेगा।

चिंतन-मनन

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है। पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम-प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है।

मौत की सजा प्रतिशोध? मृत्युदंड से अपराधों पर नियंत्रण नहीं

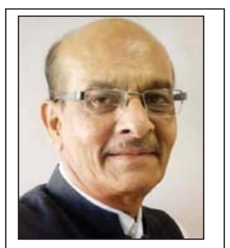

सनत जैन

मौत की सजा हमेशा से विवादों में रही है। इस पर एक बार फिर बहस होने लगी है। मृत्युदंड के मुद्दे पर समाज दो धड़ों में बंटा हुआ है। एक वे लोग हैं, जो इसे न्याय मानते हैं, दूसरी ओर वे लोग हैं, जो इसे प्रतिशोध मानते हैं। मृत्युदंड की सजा की वकालत करने वाले यह मानकर चलते हैं, इससे अपराधों में कमी आएगी। जिन देशों में मृत्युदंड दिया जाता है। वहां पर भी अपराधों में कोई कमी नहीं होती है। वहां पर भी समय के साथ अपराध बढ़ रहे हैं। एक पक्ष इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन मानता है। मौत की सजा अपराधियों को सुधरने का मौका नहीं देती है। यह सिर्फ एक प्रतिशोधात्मक कदम है। जो अपराधी उत्तेजना या क्षणिक आवेश में अपराध का कारण बनता है। वह अपराधी का मूल स्वभाव नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उसे सुधरने का मौका दिया जाना ही न्याय संगत होता है। बड़ी संख्या में लोग तर्क देते हैं, जघन्य अपराधों के लिए मौत की सजा जरूरी है। मृत्युदंड का भय अपराधियों में बना रहे, समाज में कानून का सम्मान हो। इससे अपराध कम होंगे। सवाल यह है, कि मृत्युदंड की सजा वाकई अपराध को रोकने में प्रभावी है? आंकड़े बताते हैं, कि उन देशों में जहां मौत की सजा दी जाती है। वहां अपराध की दर में कोई कमी नहीं आई है। इससे स्पष्ट है, कि मृत्युदंड की सजा भी अपराधों को रोकने में प्रभावी नहीं है। जितना मृत्युदंड के समर्थक कहते हैं। मानवाधिकारों के समर्थक मृत्युदंड को अमानवीय मानते हैं। उनका कहना है कि किसी भी स्थिति में इंसान को जीवन से वंचित करने का अधिकार किसी के पास नहीं होना चाहिए। न्यायिक गलतियों के मामले में, मृत्युदंड की सजा और भी खतरनाक साबित हो जाती है। एक बार यदि गलती से भी मृत्युदंड की सजा दे दी गई, तो उसे वापस नहीं लिया जा सकता है। कई उदाहरण हैं, जहां निर्दोष लोगों को मौत की सजा दी गई, जो बाद में न्यायालयों में गलत प्रमाणित हुईं। हाल ही में कन्हैया लाल की मौत के आरोपी को हाईकोर्ट ने जमानत दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने उसे गलत तरीके से आरोपी बनाकर जेल भेज दिया था। यदि उस घटना के तुरंत बाद उसे तत्काल न्याय के नाम पर मृत्यु दंड दे दिया जाता, तो क्या उसके साथ न्याय होता, क्या इस तरह से न्यायिक व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाकर रखा जा सकता है?

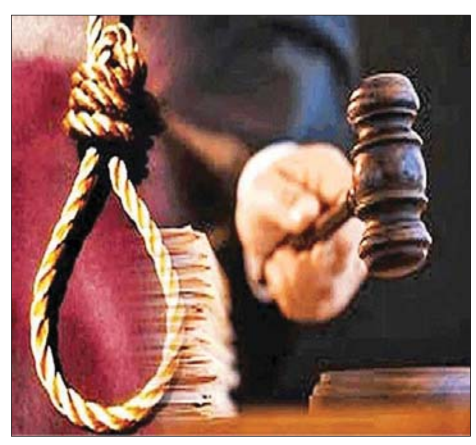

मौत की सजा के मुद्दे पर बहस जटिल और गहरी है। यह बहस समाज के नैतिक और कानूनी ढांचे के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाती है। हमारा लक्ष्य अपराधियों को सुधारना है, या उनसे बदला लेना? इसके बारे में सोचना जरूरी है। अपराधों को कम करना है। अपराधों को नियंत्रित करने के लिए और कौन से उपाय हो सकते हैं। इस सवाल का उत्तर खोजने पर ही मौत की सजा के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदला जा सकता है। आध्यात्मिक दृष्टि से बात करें, तो जन्म और मृत्यु पर ईश्वर का अधिकार है। इसमें जब मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता है। तो हम ईश्वर के अधिकारों की अवहेलना कर, मनमानी करना शुरू कर देते हैं। अपराधों पर नियंत्रण नैतिकता के आधार पर ही हो सकता है। यदि हम नैतिक हैं, तो अपराध करने से खुद ही अपने आप को रोकते हैं। दंड के कारण कभी अपराधों को रोका नहीं जा सकता है। मानव जीवन में क्षणिक आवेश या परिस्थितिजन्य कई बार ऐसे अपराध हो जाते हैं। जो सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किये जा सकते हैं। जिसके द्वारा अपराध हुआ है, वह अपराधी का मूल स्वभाव नहीं था। अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए सामाजिक व्यवस्था में दंड का प्रावधान बहुत जरूरी है। दंड इस तरह का होना चाहिए, जिसमें अपराधी को सुधरने का मौका भी हो। उसे दंड मिलेगा, तभी बाकी के लोग अपराध करने से डरेंगे। अपराध करने वाला केवल अपराधी ही नहीं होता है, बल्कि उसमें बहुत से ऐसे गुण होते हैं, जिसके कारण वह समाज का बड़ा भला भी कर सकता है। आदतन अपराधी और परिस्थिति जन्य क्षणिक आवेश में अपराध हो जाने पर, अपराधी को सुधरने का मौका देने से सभ्य समाज का निर्माण संभव है। जेलों का निर्माण इसलिए भी किया जाता है। जहां पर अपराधी को सुधरने का मौका दिया जाए। जिस अपराधी को दंडित किया गया है, वह अपने मानव जीवन में परिवार और समाज के लिए मनुष्य जीवन के कर्म करके कुछ अच्छा भी कर सकता है। अपराध को लेकर उसमें अपराध के प्रति बोध है। दंड के रूप में उसे प्रायश्चित करने का मौका मिलना ही चाहिए। किसी भी जघन्य अपराध में तत्काल फांसी देकर उसका जीवन समाप्त कर देना, एक तरह का प्रतिशोध है। इसे न्याय व्यवस्था का अंग नहीं माना जा सकता है।

महिला विरोधी रुख : नहीं सुधर रहा है तालिबान

फरहत नाज

सत्ता में आने के बाद से तालिबान ने महिलाओं और लड़कियों के लिए बुनियादी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने वाले कई निर्देश जारी किए हैं। तालिबान के अनुसार, अफगान महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर जाने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं। उन पर अपनी मर्जी से देश छोड़ने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। अफगान महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय जाने पर भी पाबंदी है। लड़कियों के लिए माध्यमिक विद्यालयों ने भी दरवाजे बंद कर दिए हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों और संयुक्त राष्ट्र को अफगान महिलाओं को रोजगार न देने का निर्देश दिया गया है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की तरफ से महिलाओं के लिए लाए गए नये कानून से चर्चा तेज हो गई है। इसके तहत महिलाओं के घर से बाहर जोर से बोलने और सार्वजनिक जगहों पर चेहरा दिखाने की मनाही है। तालिबान सरकार ने इस बार कुछ पाबंदियां पुरु षों के लिए भी लगाई हैं। नये कानून को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा की मंजूरी मिल चुकी है। कानून का पालन ठीक से हो रहा है या नहीं, इसकी जिम्मेदारी मॉरलिटी पुलिस को दी गई है। नये कानून के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को चुप रहना होगा। घरों में जोर-जोर से गुनगुनाना या जोर से पढ़ना सख्त मना है। पुरुषों को भी किसी महिला का चेहरा या शरीर देखने के लिए मना किया गया है। शरिया कानून के तहत महिलाओं को बाल रखने के लिए कहा गया है। बाल काटने और शेविंग करने वाले लोगों को आदेश दिया गया है कि वे शरिया के आधार पर ही काम करें। पुरुषों को तंग कपड़े पहनने के लिए भी मना किया गया है। नये कानून में कई नियमों को जोड़ा गया है जिनमें जीवित प्राणियों की तस्वीरें बनाना या प्रकाशित करने पर प्रतिबंध, जीवित प्राणियों की मूर्तियां खरीदने-बेचने पर रोक, रेडियो और टेप रिकॉर्डर का इस्तेमाल तालिबानी सरकार की इच्छा के अनुसार किया जाना शामिल है। कहावत है कि जब एक पुरुष शिक्षित होता है तो सिर्फ एक आदमी शिक्षित होता है लेकिन जब एक महिला शिक्षित होती है तो कई पीढ़ियां शिक्षित होती हैं। ऐसे में महिलाओं को शिक्षित होने से रोका जाएगा तो सीधा असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। मोहम्मद साहब के हवाले से एक बात कही गई है, 'जो कोई अपनी बेटी का अच्छी तरह से पालन-पोषण करेगा, उसे शिक्षित करेगा या फिर उस पर उदारता से खर्च करेगा, (बेटी) उसके लिए जहन्नुम की आग से निजात का जरिया बनेगी'। (अल-मोअज्जम अल-कबीर अल-तबरानी 10447)। नए कानूनों को लेकर यकीनन, तालिबान को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सरकार एक साथ पूरे देश में नियमों को लागू न करते हुए धीरे-धीरे लागू कर रही है। अगर बात की जाए विश्व बैंक की रिपोर्ट की तो अफगानिस्तान में महिलाओं को वर्तमान में कई दमनकारी नीतियों का सामना करना पड़ा रहा है। अफगानिस्तान में महिलाओं को करीब 90 प्रतिबंधों का सामना है, जिनमें रोजगार, शिक्षा और मुक्त आंदोलन आदि शामिल हैं। आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी के मामले में अफगानिस्तान दुनिया के 178वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कुल 190 देशों को शामिल किया गया था।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए हर दौर में कोशिश होती रही है। इस्लाम के प्रवर्तक मोहम्मद साहब की पहली पत्नी हजरत खदीजा स्वयं व्यापारी महिला थीं। उन्होंने शुरूआती दिनों में मोहम्मद साहब (स.) की खुद आर्थिक मदद की थी। महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्त होने से रोकने का इस्लाम में कोई प्रमाण नहीं मिलता। मोहम्मद साहब (स.) के जमाने में महिला चिकित्सक थीं लैला। चिकित्सा में इतनी निपुण थीं कि उनका नाम ही हो गया शिफा। इतिहासकार एफसी मुर्गटन अपनी किताब 'द ओरिजिन ऑफ इस्लामिक स्टेट' में लिखते हैं कि ऐसे समय में जब मक्का में बीस लोग ही पढ़ना-लिखना जानते थे, उनमें शिफा यह हुनर हासिल करने वाली पहली महिला थीं। जब हजरत उमर खलीफा बने, तो आर्थिक नीति और व्यापार पर शिफा से सलाह ली गई और उनकी राय को महत्त्व दिया गया। इसलिए शिफा को मदीना के कजा अल-सूक (बाजार प्रबंधन) और कजा अल-हस्बा (जवाबदेही) की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस्लाम का एक यह भी चेहरा है, तालिबान को जिद और हठधर्मी की बजाय सही इस्लाम को समझना चाहिए। आज संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ इन अमानवीय प्रथाओं के खिलाफ खड़े होने की बजाय तालिबान के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जहां इस्लामिक राष्ट्र ईरान में 14वें राष्ट्रपति चुनाव के बाद महिलाओं की स्वतंत्रता को लेकर सकारात्मक बदलाव हुए हैं, वहीं अफगान महिलाओं की आजादी को बंधक बनाया जा रहा है। तालिबान को सही इस्लाम समझने की जरूरत है। इस्लाम लचीला धर्म है क्योंकि कुरआन में है ह्यदीन (धर्म) में जबरदस्ती नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कंगना रणौत की नई फिल्म का एलान, भारत भाग्य विधाता में दिखेगी गुमनाम नायकों की कहानी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। वहीं इस बीच अब अभिनेत्री की नई फिल्म पर भी अपडेट सामने आ गया है। इमरजेंसी के बाद अभिनेत्री एक और नई फिल्म में नजर आएंगी, जिसका नाम भारत भाग्य विधाता है। यूनोइया फिल्म्स और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट मिलकर बबीता आशिवाल और आदि शर्मा की पहली फिल्म भारत भाग्य विधाता का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें कंगना रनौत मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

कंगना रनौत अभिनीत यह फिल्म हमारे देश को आकार देने वाले ब्लू-कॉलर मजदूरों और कामकाजी वर्ग के जीवन पर आधारित है। यह उन गुमनाम नायकों को उजागर करती है, जिनके प्रयास महत्वपूर्ण हैं लेकिन अक्सर पहचाने नहीं जाते। निर्माताओं ने अभिनेत्री से इसलिए संपर्क किया, क्योंकि वे अपरंपरागत प्रोजेक्ट चुनने और अनसुनी कहानी सामने रखने के लिए जानी जाती हैं। यह फिल्म कंगना को एक बार फिर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका देगी।

फिल्म और विज्ञापन उद्योग के दिग्गज मनोज तापड़िया भारत भाग्य विधाता का लेखन और निर्देशन कर रहे हैं। क्रू लोगों के दिलों को छूने वाली कहानियां बताने के लिए उत्साहित है। फिल्म का निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा।

आशिवाल ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर काम करने का अनुभव वाकई संतोषजनक रहा। उनका पहला लक्ष्य ऐसी सामग्री बनाना है, जिसके बारे में लोग सोचना बंद न कर सकें। उनका मानना है कि कंगना की यह फिल्म हिट होगी।

आदि शर्मा ने कहा कि भारतीय सिनेमा का भविष्य उच्च गुणवत्ता वाली और विचार करने वाली फिल्मों के निर्माण में निहित है। कंगना अभिनीत इस फिल्म को बनाने का उनका लक्ष्य दर्शकों के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव बनाना था, जो राष्ट्रीय सीमाओं से परे होगा। उन्होंने कहा कि सफल बॉक्स ऑफिस रिलीज का भविष्य भारी कंटेंट वाली फिल्मों पर निर्भर करता है। भारत भाग्य विधाता यूनोइया फिल्म्स और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट की शुरुआत है।

धोखे को रिश्ते के लिए बड़ा खतरा मानती हैं शरवरी वाघ

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इस साल काफी धमाल मचाया है। वह इस साल अब तक मुंजा, महाराज और वेदा में नजर आ चुकी हैं। हॉरर कॉमेडी मुंजा की सफलता ने उन्हें इस वक्त नवोदित और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों की पंक्ति में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। अभिनेत्री इस वक्त आलिया भट्ट के साथ वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की एक्शन-थ्रिलर अल्फा के लिए तैयारी कर रही हैं। फिल्मों के अलावा वह अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। बीते कुछ समय से अभिनेत्री के सनी कौशल को डेट करने की अफवाहें काफी जोर पकड़ रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने रिलेशनशिप को लेकर एक खास बात कही है।

शरवरी तमाम अफवाहों के बाद भी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चुप ही रहती हैं। हाल में ही उन्होंने रिलेशनशिप में जरूरी चीजों के बारे में बात करते हुए कहा कि किसी भी रिश्ते में धोखा देना एक ऐसा कारक है, जिसके बाद फिर किसी भी तरह की बातचीत नहीं की जा सकती। फिल्मफेयर के साथ एक नए इंटरव्यू के दौरान, शरवरी वाघ से उनके रिश्ते को लेकर ऐसी बातों के बारे में पूछा गया, जिन्हें वो कभी नजरअंदाज नहीं कर सकती। इस पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि धोखा एक ऐसी चीज है, जिसे वह रिश्तों में एक बड़ा खतरा के तौर पर देखती हैं। अभिनेत्री ने इस दौरान कहा कि वह इन सब चीजों को लेकर पहले से तय करने में विश्वास नहीं करती कि क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आदर और सम्मान सबसे महत्वपूर्ण है, फिर चाहे वे डेटिंग कर रहे हों या नहीं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि धोखा देना किसी रिश्ते में एक बड़ा खतरा होगा,क्योंकि यह मेरे लिए अनादर से जुड़ा है। अगर मैं कभी डेटिंग करती हूं, तो धोखा देना मेरे लिए एक ऐसी चीज है, जो निश्चित रूप से एक मुद्दा होगी। इस दौरान अभिनेत्री से जब उनकी डेटिंग लाइफ के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उनके पास चर्चा करने के लिए कोई प्रेम कहानी नहीं है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने जीवन में दो पुरुषों को डेट किया है, जिन्हें उन्होंने मजेदार लड़के कहा है। शरवरी ने इसमें जोड़ते हुए कहा कि उन्हें रिलेशनशिप में होने के कारण वो आकर्षक लगे। अल्फा अभिनेत्री ने आगे कहा कि उनके लिए लव लाइफ में हंसी-मजाक एक महत्वपूर्ण कारक है। सनी कौशल के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों के बावजूद अभिनेत्री ने खुद को सिंगल बताया है।

सिद्धार्थ ने शूटिंग से एक महीने पहले छोड़ी मिट्टी

सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड के सफल अभिनेता हैं। उनकी हर एक फिल्म का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ ने फिल्म मिट्टी करने के लिए अब साफ इनकार कर दिया है, वहीं यह अफवाहें भी हैं कि सिद्धार्थ रेस 4 में सैफ अली खान के साथ एक्शन करते नजर आ सकते हैं। सहायक निर्देशक के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले बलविंदर सिंह जंजुआ ने 2002 की फिल्म शहीद से अपने निर्देशन की शुरुआत की थी। इसके अलावा उन्होंने 2010 में गुरदास मान, जोनिता, गौरव कक्कड़ अभिनीत पंजाबी ड्रामा चक जवाना के साथ एक निर्माता और लेखक के रूप में अपनी शुरुआत की थी। अब वह जल्द ही फिल्म मिट्टी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में जहां पहले यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा अहम किरदार निभाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग आज से ठीक एक महीने बाद शुरू होने वाली है, लेकिन अब जब सिद्धार्थ ने फिल्म से अपना पलड़ा झाड़ दिया है तो निर्देशक और निर्माता को अब फिल्म के लीड एक्टर के तौर पर किसी और अभिनेता की तलाश करनी होगी। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ का एकदम से फिल्म छोड़ दोनों के बीच क्रिएटिव मतभेद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ का यूं अचानक फिल्म छोड़ने की वजह अस्पष्ट हैं, जिसमें निर्देशक के साथ रचनात्मक मतभेद और स्क्रिप्ट को भी एक वजह बताई जा रही है।

इमरजेंसी विवाद पर गिप्पी ग्रेवाल ने दी प्रतिक्रिया

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट टल चुकी है। कंटेंट की वजह से यह फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस बीच पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर सितारे गिप्पी ग्रेवाल और गुरप्रीत सिंह घुग्गी ने पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म इमरजेंसी की रिलीज टलने के बाद अब पंजाबी अभिनेता गुरप्रीत सिंह घुग्गी और गिप्पी ग्रेवाल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म को एजेंडे के साथ नहीं बनाना चाहिए और न ही सिनेमा का दुरुपयोग किया जाना चाहिए।

गिप्पी ने कंगना की फिल्म पर कही यह बात

वहीं, गिप्पी ग्रेवाल ने इमरजेंसी पर बात करते हुए अपनी फिल्म का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, हम लोग नियमित रूप से गुरुद्वारों में जाते हैं और फिल्में भी बनाते हैं। फिल्म बनाने से पहले और इसके पूरा होने के बाद भी हमने मंजूरी के लिए तख्त श्री हजूर साहिब में पटकथा प्रस्तुत की थी। गिप्पी ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने किसी भी गलत बयानी से बचने के लिए धार्मिक संगठनों से प्रतिक्रिया मांगी। उन्होंने कहा, शूटिंग के बाद, उन्हें पूरी फिल्म दिखाई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शब्दावली, शूटिंग का तरीका या कुछ और कोई आपत्ति तो नहीं है। उन्होंने पहले हमें एनओसी दी और उस एनओसी के साथ, हमने अपनी फिल्म सेंसर बोर्ड को सौंप दी। अभिनेता ने कहा, अगर आपने किसी विषय पर होमवर्क नहीं किया है, तो आपको पहले पूछना चाहिए। होमवर्क किए बिना और अपने दृष्टिकोण से कुछ बनाने से निश्चित रूप से आपत्तियां होंगी।

प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी में नजर आएंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार कई फिल्में लगातार कर रहे हैं, लेकिन अफसोस की बात की उनकी एक भी फिल्म इस साल बॉक्स ऑफिस पर टिक नहीं पाई। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अक्षय जल्द ही एक धमाकेदार हॉरर-कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जिसका फर्स्ट लुक 9 सितंबर को उनके जन्मिदन के शुभ अवसर पर जारी किया जाएगा। अक्षय कुमार की इस साल सरफिरा, बड़े मियां छोटे मियां और खेल खेल में रिलीज हुई, लेकिन अफसोस की बात की इन तीनों ही फिल्मों को बॉक्स ऑपिस पर कोई खास सफलता हासिल नहीं हुई। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अक्षय जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि हाल ही में अक्षय ने फिल्म स्त्री 2 में एक कैमियो किया था, जो प्रशंसकों को बेहद पसंद भी आया था।

अक्षय लगातार कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। अब वह जल्द ही एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं। बता दें अक्षय कुमार और प्रियदर्शन इस फिल्म में साथ काम कर रहे हैं और इस फिल्म का पहला मोशन पोस्टर 9 सितंबर को जारी किया जाएगा। वो इसलिए क्योंकि 9 सितंबर को अक्षय का जन्मदिन होता है। इस साल अक्षय 9 सितंबर को अपना 57वां जन्मदिन मनाएंगे और साथ ही में अपने प्रशंसकों को अपनी नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म का फर्स्ट लुक भी साझा करेंगे।

खेल खेल में के बाद अब इस फिल्म में दिखेंगे फरदीन खान

फरदीन खान की नई फिल्म खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। इसी बीच फरदीन खान की नई फिल्म भी दर्शकों के बीच आने के लिए तैयार है। फरदीन खान जल्द ही विस्फोट फिल्म में नजर आएंगे। इसमें रितेश देशमुख भी अभिनय करेंगे। विस्फोट 6 सिंतबर को रिलीज होगी, इसे जियो सिनेमा पर रिलीज किया जाएगा। विस्फोट का निर्देशन बिग बुल बनाने वाले कूकी गुलाटी ने किया है। मालूम हो कि फरदीन खान ने 2024 में वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार से कमबैक किया था।

मैं 3 साल तक बिस्तर पर रहा, 23 सर्जरी हुई, डॉक्टर ने कह दिया था- मैं कभी चल नहीं पाऊंगा

पिछले तीन दशकों में पैन इंडिया स्टार चियान विक्रम ने अपने करियर और निजी जीवन में इतने उतार-चढ़ाव देखे कि उनका असली जीवन भी किसी फिल्मी कहानी की तरह रहा। कड़े संघर्ष और दुर्घटना के बाद तीन साल तक बेड रिटर्न रहने वाला इस अदाकार ने हार न मानी। दक्षिण इंडस्ट्री में कई जानी-मानी फिल्में दे चुके विक्रम को हिंदी दर्शक अपरिचित और आई से अपना चुके हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म तंगलान से, उनसे एक बातचीत।

एक समय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में साउथ और बॉलिवुड एक्टर को अलग-अलग माना जाता था, मगर अब पैन इंडिया स्टार कहा जाता है। इस बदलाव को आप कैसे देखते हैं?

मुझे नहीं पता, इस पर क्या कहूं। अगर फिल्म पूरी इंडिया में अच्छा बिजनेस करती है, तो उसे पैन इंडिया मूवी ही कहलाएगी न और उसके कलाकार पैन इंडिया कलाकार होंगे। मुझे तो लगता है कि ये बहुत अच्छा दौर है। अब भाषा कोई मायने नहीं रखती। आप किसी भी भाषा में फिल्म करें, अगर वो लोगों से कनेक्ट करती है, तो फिर वो सफल फिल्म है।

तकरीबन दो दशक पहले आई आपकी फिल्म अपरिचित ने आपको हिंदी दर्शकों का प्रिय बना दिया था। वो अभूतपूर्व प्रतिक्रिया आपके लिए कैसी थी?

मेरे लिए वो अद्भुत था। एक कलाकार को क्या चाहिए होता है? दर्शकों से प्यार और स्वीकारोक्ति। मुझे याद है आंध्र प्रदेश में फिल्म हिट हो गई थी,मैं एयरपोर्ट पर था मुंबई के और वहां लोग मुझे देख रहे थे, पहचान रहे थे और उस वक्त मैं बहुत ही अभिभूत हो गया, मुझे लगा ओह माय गॉड मुंबई के लोग मुझे पहचान रहे हैं। किसी ने मुझसे कहा कि आप बहुत बड़े स्टार हैं, तो उस जमाने में ये सुनकर बहुत ही सुखद अहसास हुआ था। फिर बाद में जब मैं फ्रांस गया और वहां भी लोगों ने मुझे पहचाना, तो मैं बहुत ही खुश था। मेरे कहने का मतलब है कि एक कलाकार ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहता है और जब पहुंचता है, तो उसे एक अलग तरह की खुशी मिलती है।

आपके संघर्ष की कहानियों को अनगिनत लोगों को प्रेरणा दी है? सबसे ज्यादा रफ फेज क्या था?

मैं स्कूली दिनों से ही एक्टर बनने के सपने देखने लगा था। मैं अपने कॉलेज के नाटक की तैयारी कर रहा था कि तभी मेरा एक एक्सीडेंट हो गया। मुझे तीन साल तक बिस्तर पर रहना पड़ा और मेरी 23 सर्जरी हुईं। मुझसे कहा गया कि मैं कभी चल नहीं पाऊंगा, मगर उसी डॉक्टर ने पांच साल बाद मुझे चलते हुए देखा, तो वो हैरान रह गया था। असल में जब मैंने नाचे मयूरी फिल्म देखी, तो मुझे लगा कि सुधा चंद्रन एक पैर खोने के बावजूद नृत्य और अभिनय कर सकती हैं, तो मैं भी कर सकता हूं। उसके बाद भी मेरी जिंदगी में दस साल का स्ट्रगल रहा, जब मैं डबिंग आदि किया करता था। मगर आज मैं अभिनय, डांस और एक्शन सभी कुछ कर सकता हूं। मुझे लगता है कि आज मैं जो कुछ भी हूं, जहां तक भी पहुंचा हूं, उसी हादसे और संघर्ष के कारण पहुंचा हूं।

बॉलिवुड में ऐसे कौन-से निर्देशक हैं, जिनके साथ आप काम करना चाहते हैं?

मैं तो सभी के साथ काम करना चाहूंगा, मगर विशाल भारद्वाज एक ऐसे निर्देशक हैं, जिनके साथ काम करने की बहुत चाह है। मेरे पास उनका नंबर भी है। मैंने उनको कॉल किया था, मगर उन्हें लगा कि कोई प्रैंक कॉल है। विशाल के क्रेजी सब्जेक्ट और उनका संगीत मुझे बहुत आकर्षित करता है। राजकुमार हिरानी का काम मुझे बहुत भाता है। मैं उनके निर्देशन में भी अभिनय करना चाहूंगा।

आपकी हालिया फिल्म तंगलान में आप कोलार फील्ड्स के इतिहास पर आधारित एक प्राचीन किरदार में हैं। इसे निभाते हुए आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

पूरा प्रोसेस बहुत मुश्किल था। मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। चूंकि फिल्म के निर्देशक पा रणजीत हैं। मैंने उन पर पूरा विश्वास किया इस रोल और लुक को लेकर। जिस तरह का फिल्म को रिस्पॉन्स मिल रहा है और लोग तारीफ कर रहे हैं, तो उसे देखते हुए लग रहा है कि ये बहुत ही खूबसूरती से ट्रांसलेट हुआ है। मैं अगर कहूं कि ये मेरे करियर का अब तक का शारीरिक और मानसिक रूप से सबसे ज्यादा मुश्किल रोल था, तो गलत न होगा। ये मेरे लिए आध्यात्मिक रूप से भी चैलेंजिंग था, क्योंकि इस किरदार के जरिए मैं एक समुदाय के संघर्षों की बात कर रहा था। इस फिल्म के जरिए एक बात मैं महसूस कर पाया कि एक अदाकार के रूप में मैं और ज्यादा ग्रो हो रहा हूं और इस तरह की मुश्किल भूमिकाएं मैं और करना चाहूंगा।

पाकिस्तान को गौतम गंभीर जैसे सख्त कोच की जरूरत, बांग्लादेश से हार के बाद बोला पूर्व पाक क्रिकेटर

बेंगलुरु (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सुझाव दिया है कि पाकिस्तान को लगातार खराब नतीजों के बाद मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए गौतम गंभीर जैसे सख्त कोच की जरूरत है। वनडे विश्व कप 2023 में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान ने गैरी कर्स्टन को व्हाइट-बॉल कोच और जेसन गिलेस्पी को टेस्ट के लिए नियुक्त किया। हालांकि यह बदलाव कमाल नहीं कर पाया क्योंकि पाकिस्तान का टी20 विश्व कप 2024 में खराब प्रदर्शन रहा, जहां वे ग्रुप स्टेज के बाद बाहर हो गए।

उन्हें हाल ही में बांग्लादेश से 2-0 के स्कोरलाइन के साथ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कनेरिया ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में सब कुछ हल्के में लिया जाता है और वे कप्तान बदलते रहते हैं। कनेरिया ने कहा कि अगर वह किसी को कप्तान बनाते हैं तो उसे एक साल के लिए टीम की अगुआई करने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते वह व्यक्ति अच्छा प्रदर्शन करे। पूर्व स्पिनर ने कहा कि कोच को कड़े फैसले लेने की जरूरत है।

कनेरिया ने कहा, 'सब कुछ हल्के में लिया जाता है; इसलिए पाकिस्तान क्रिकेट का पतन कप्तान बनाने, कप्तान बदलने से हुआ है। यह काम नहीं करेगा। अपने कप्तान से चिपके रहो, उसके साथ रहो। ठीक है, मैंने उसे एक साल के लिए कप्तान बनाया है। मैं उससे पूछूंगा। मैं उससे एक साल बाद जवाब देने के लिए कहूंगा। कोई भी उसे नहीं छूएगा। तुम्हें मेरा पूरा समर्थन है, लेकिन तुम्हें प्रदर्शन करने की जरूरत है। अगर तुम प्रदर्शन नहीं करते हो, तो तुम बाहर हो जाते हो इसलिए यही बात है कि तुम्हें कठोर निर्णय लेने होंगे। अगर तुम कठोर निर्णय नहीं लेते हो, तो चीजें काम नहीं करेंगी।'

कनेरिया को लगता है कि भारत जैसी टीमें गंभीर जैसे कोच की मौजूदगी के कारण सफल हो रही हैं, जो सीधे आपके सामने होते हैं। उन्होंने कहा, 'आज दूसरी टीमें इतना अच्छा क्यों कर रही हैं? भारतीय टीम इतना अच्छा क्यों कर रही है? उनके पास राहुल द्रविड़ थे जिन्होंने टीम के साथ बहुत अच्छा काम किया, अब उनके पास गौतम गंभीर हैं, एक शानदार क्रिकेटर और शानदार इंसान। जिस तरह से वह प्रतिक्रिया करते हैं, वह उनके चेहरे पर दिखता है। वह पीछे नहीं हटते और चुगली नहीं करते, वह सीधे चेहरे पर है। आपको ऐसा ही होना चाहिए। आपको मजबूत होना चाहिए और एक मजबूत व्यक्ति की तरह आपको चेहरे पर फैसला लेना चाहिए, पीछे से नहीं।' भारत के कोच के रूप में गंभीर का अगला काम बांग्लादेश के खिलाफ होगा।

पैरालंपिक खेल: होकाटो सेमा ने शॉटपुट स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय एथलीट होकाटो सेमा ने पहली बार पैरालंपिक खेलों में भाग लेते हुए पुरुषों की शॉटपुट एफ57 के फाइनल मुकाबले में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। नागालैंड के रहने वाले एथलीट होकाटो सेमा ने शुक्रवार देर रात खेले गए गोला फेंक मुकाबले मे 14.65 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया।

इसके साथ पैरालंपिक में छह स्वर्ण, नौ रजत, 12 कांस्य के साथ भारत के पदकों की संख्या 27 हो गई है। इस स्पर्धा में ईरान के यासिन कोसावनी ने 15.96 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक और वहीं थिएगो पॉलिनो ने 15.06 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक मिला। 24 दिसंबर 1983 को जन्में होकाटो सेमा नागालैंड के किसान परिवार से आते है।

वह सेना में थे और वर्ष 2002 में जम्मू कश्मीर के चौकीबल में आंतकवाद विरोधी अभियान में होकाटो सेमा ने भाग लिया। इस दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट उन्हें अपना बायां पैर गवांना पड़ा। पैर गवांने के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 2016 में पैरा एथलीट बनने की ओर रूख किया। सेमा ने एशियाई पैरा खेल 2022 (2023) कांस्य पदक, विश्व चैम्पियनशिप 2024 में चौथा स्थान पर रहे और मोरक्को ग्रैंड प्रिक्स 2022 में रजत पदक जीता।

डीआरएस से बल्लेबाजों को तकनीक सुधारने में सहायता मिलेगी : अश्विन

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि घरेलू क्रिकेट सत्र में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लाने से होने वाला लाभ आने वाले दिनों में दिखने लगेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां दलीप ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र में डीआरएस तकनीक का इस्तेमाल शुरु कर दिया है। अश्विन के अनुसार डीआएस आने से बल्लेबाजों को अपनी तकनीक में सुधार करने में सहायता मिलेगी।

अश्विन ने कहा कि दिलीप ट्रॉफी में भारत डी की ओर से खेले रहे बल्लेबाज रिकी भुई की बल्लेबाजी तकनीक की कमजोरी डीआरएस से ही सामने आई। इसमें दिखा कि उन्होंने पैड के पीछे बल्ला रखा जिसके आउट होने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस केवल एलबीडब्लू को लेकर सही फैसले लेने के लिए ही नहीं बल्कि बल्लेबाज की तकनीकी कमी को सामने लायेगा।

अश्विन ने कहा, डीआरएस से पहले के दिनों में बल्लेबाजों को एलबीडब्लू की अपील पर संदेह का लाभ मिलता था इसलिए इसलिए उसे नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फ्रंट फुट पर आ जाते थे। वहीं अब अपने बल्ले को पैड के पीछे रखना नुकसान रहेगा। ऐसे में एक ही गलती दोहराने के कारण उसका करियर भी खतरे में आ सकता है। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अश्विन अब बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड और अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खेलेंगे।

ऋषभ पंत का अर्धशतक, सरफराज खान की आक्रामकता से भारत बी की कुल बढ़त 240 हुई

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत बी ने ऋषभ पंत के अर्धशतक और सरफराज खान की आक्रामकता की बदौलत शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन भारत ए के तेज गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए छह विकेट पर 150 रन का स्कोर खड़ा किया।

भारत बी ने भारत ए को पहली पारी में 231 रन पर आउट करने के बाद 90 रन की बढ़त हासिल की। अब उसकी कुल बढ़त 240 रन की हो गई है और स्टंप तक वाशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पंत ने 47 गेंद में नौ चौके और दो छक्के से 61 रन बनाए। तेज गेंदबाज खलील अहमद (56 रन देकर दो विकेट) और आकाश दीप (36 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर भारत बी के आठ ओवर के अंदर 22 रन पर तीन विकेट झटक लिए थे जिस समय उसकी कुल बढ़त 132 रन थी।

कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन और पहली पारी के शतकवीर मुशीर खान (शून्य) आकाश दीप का शिकार बने। यशस्वी जायसवाल को अहमद ने आउट किया। ये तीनों कैच विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने लिए। चाय तक भारत बी का स्कोर तीन विकेट पर 33 रन था। पर पंत और सरफराज (46 रन, 36 गेंद, 7 चौके, एक छक्का) ने मिलकर अच्छी साझेदारी कर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। दोनों ने गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नौ ओवरों में दोनों ने 72 रन जोड़े।

सरफराज इसके बाद आवेश खान का शिकार हो गए। पंत ने दूसरे छोर पर तेजी से रन जुटाते हुए 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कुलदीप यादव की गेंद पर छक्का लगाने के बाद एक रन लेकर 50 रन बनाए। पर तनुश कोटियान ने पंत की पारी समाप्त की। इससे पहले तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने 60 रन और मुकेश कुमार ने 62 रन देकर तीन तीन विकेट झटके, जिससे सुबह दो विकेट पर 134 रन पर खेलने उतरी भारत ए की टीम 231 रन पर सिमट गई।

केएल राहुल (37) और रियान पराग (30) ने तीसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई। शिवम दुबे ने 20 रन बनाए। पहले सत्र में टीम ने 27 ओवर में पांच विकेट खोकर 74 रन बनाए। मुंबई के निचले क्रम के बल्लेबाज कोटियान ने 32 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन स्पिनर साई किशोर की गेंद पर पवेलियन लौट गए।

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : निकिता ने रजत और नेहा ने जीता कांस्य पदक

पोंटेवेद्रा (स्पेन) । भारतीय पहलवान निकिता ने यहां अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 62 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि नेहा ने 57 किग्रा में कांस्य पदक हासिल किया, जिससे भारत इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर पांच पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। पिछले साल अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता निकिता फाइनल में यूक्रेन की पहलवान इरीना बोंदर से 1-4 से हार गईं। पिछले महीने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नेहा ने महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में हंगरी की गेरडा टेरेक को 10-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से पांच पदकों (एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य) के साथ अपने अभियान का समापन किया। ज्योति बेरवाल ने इससे पहले महिलाओं की 76 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जबकि कोमल (महिला 59 किग्रा) और सृष्टि (महिला 68 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए थे। पिछले साल जॉर्डन के अम्मान में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में भारत ने चार स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते थे।

रॉयल्स ने द्रविड को बनाया मुख्य कोच

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अब आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के नये मुख्य कोच होंगे। द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। राजस्थान रॉयल्स ने एक बयान जारी कर कहा है कि द्रविड़ उसकी टीम के नये मुख्य कोच होंगे। द्रविड़ ने अपने करियर में रॉयल्स की ओर से खेला है। इसी को लेकर उत्साहित द्रविड़ ने कहा कि मैं उस फ्रेंचाइजी में लौटकर बेहद खुश हूं, जिसे कुछ साल पहले तक मैं अपना घर कहा करता था। वह साल 2012-2013 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान जबकि साल 2014-15 में मेंटोर रहे थे। वहीं अब करीब 10 साल बाद आईपीएल 2025 के लिए वह एक बार फिर रॉयल्स से जुड़ गए हैं। अभी यह पता नहीं चला है कि द्रविड़ का कार्यकाल कब तक रहेगा पर माना जा रहा है कि वह कम से कम दो साल तक रॉयल्स के कोच रहेंगे। ये अनुबंध आगे भी बढ़ाया जा सकता है। द्रविड़ की करीब एक दशक के बाद आईपीएल में वापसी हो रही है। साल 2015 में द्रविड़ अंडर-19 टीम के कोच बने थे। इसके बाद 2019 में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) एनसीए प्रमुख रहे थे। वहीं साल 2022 में उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। उनका कार्यकाल टी20 विश्वककप फाइनल के साथ ही समाप्त हो गया था। द्रविड़ ने कहा कि विश्व कप के बाद नया चैलेंज लेने का यह अच्छा अवसर है। राजस्थान रॉयल्स इसके लिए सबसे अच्छी टीम है। इस टीम में जितना प्रतिभाएं हैं जो इसे ऊपर ले जा सकती हैं।' रॉयल्स ने कहा कि द्रविड़ की वापसी से टीम को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा।

ओलंपिक पदक विजेता भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार

मोकी (चीन) (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम आठ सितम्बर से यहां शुरु होने वाली हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपने खिताब की रक्षा के लिये कमर कस चुकी है। मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर शुरू होने वाली प्रतियोगिता में भारत खिताब बचाने के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत कर रहा है, जबकि मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद के साथ पहुंचे हैं।

पिछले साल, भारत ने घरेलू मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई थी। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही शुरुआत हासिल की और इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर पहुंचने की जीत हासिल की।

इस बार भी हम यह टूर्नामेंट जीतकर नए सिरे से ओलंपिक चक्र शुरू करना चाहते हैं। हालांकि इस टूर्नामेंट में हमारे ओलंपिक टीम के दस सदस्य खेल रहे हैं, हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो टीम में अपना प्रभाव डालने की कोशिश कर रहे हैं।' हरमनप्रीत ने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारे आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं लेकिन हम ऐसा करेंगे विशेष रूप से जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ एक संरचित रक्षा खेलना चाहते हैं। विश्व रैंकिंग अंकों के मामले में यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं।

भारत अपने अभियान की शुरुआत मेजबान चीन के खिलाफ शुरुआती मैच से करेगा और उसके बाद नौ सितंबर को जापान के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगा। एक दिन के आराम के बाद भारत 11 सितंबर को पिछले साल के उपविजेता मलेशिया से भिड़ेगा और 12 सितंबर को कोरिया से खेलेगा। एक दिन के ब्रेक के बाद, भारत 14 तारीख को प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा जबकि सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 16 और 17 सितंबर को होंगे।

पाक जैसा प्रदर्शन भारत में करना चाहेंगे मिराज

ढ़ाका । पाकिस्तान के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले बांग्लादेश के ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज अब भारत के खिलाफ सीरीज में भी वैसा ही प्रदर्शन करना चाहेंगे। बांग्लादेश की टीम 19 सितंबर से भारत के खिलाफ सीरीज खेलेगी। अब देखना है कि मिराज अपने प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। उनके लिए ये आसान नहीं होगा क्योंकि अभी भारतीय टीम विश्व की शीर्ष टीमों में से एक है। इसके अलावा उसे घरेलू मैदान पर 2012 के बाद से ही हार नहीं मिली है। वहीं इससे पहले टेस्ट में भारत के खिलाफ मिराज का प्रदर्शन सामान्य रहा था। टीम इंडिया के खिलाफ अब तक 5 टेस्ट में इस खिलाड़ी ने 188 रन ही बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 18.80 रहा है। इसके अलावा वह 45.71 के औसत से केवल 14 विकेट ही ले पाये हैं हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। भारतीय टीम इंडिया को 2022 में हुए एकदिवसीय में मेहदी के कारण मिली एक विकेट की हार को ध्यान में रखन होगा। तब भारत के 186 के स्कोर का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम ने एक समय 136 रनों पर ही 9 विकेट खो दिए थे पर मेहदी ने तब 38 रन बनाकर मुस्तफिजुर रहमान 10 के साथ आखिरी विकेट के लिए 51 रन जोड़कर मैच पलट दिया था।

टी20 में सबसे अधिक मेडन ओवर फेंकने वाले पांच गेंदबाजों में बुमराह और भुवनेश्वर भी शामिल

मुम्बई । टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा मेडन ओवर फेंकने वालो शीर्ष पांच गेंदबाजों में दो भारतीय गेंदबाज भी शामिल हैं। ये हैं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार। वहीं हैरानी की बात है कि इस सूची में शीर्ष पर यूगांडा का एक गेंदबाज फ्रांको नसुबुगा है। नसुबुगा ने 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अभी तक सबसे ज्यादा 17 ओवर मेडल फेंके हैं। नसुबुगा ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 57 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारत के बुमराह ने 70 मैचों में 12 मेडन ओवर किये हैं। इस दौरान उन्होंने 89 विकेट लिए हैं। केन्या के धीमी गति के गेंदबाज शेम ओबाडो नगोचे ने अपने करियर में 12 ओवर मेडन किये हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। नगोचे के नाम 108 विकेट हैं। वहीं भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने टी20 में 10 ओवर मेडन किये हैं। उनके नाम 90 विकेट भी हैं। इसके अलावा जर्मनी के गुलाम अहमदी 10 मेडन ओवर फेंककर पांचवे स्थान पर हैं।

विराट की सलाह से मिला लाभ : अनुज रावत

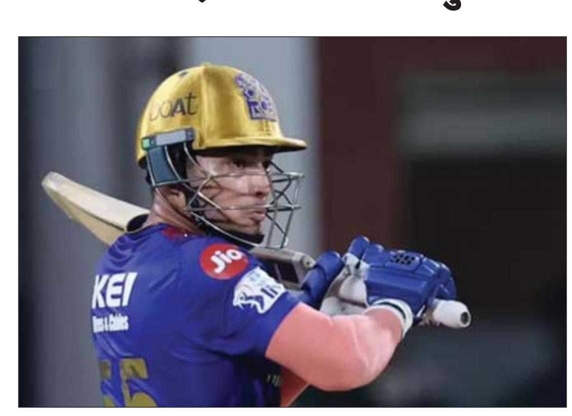

नई दिल्ली । यहां खेली जा रही दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले ईस्ट दिल्ली राइडर्स के बल्लेबाज अनुज रावत ने इसका श्रेय विराट कोहली को दिया है। अनुज ने कहा कि विराट से मिली सलाह पर अमल करने से ही वह बेहतर प्रदर्शन कर पाये हैं। अनुज के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के दौरान उन्हें विराट ने कहा था कि खेल में चाहे जो भी स्थिति अपनी ओर से तैयारी लगातार जारी रखो। इसी करण वह डीपीएल के आठ मैचों में 300 से अधिक रन बनाने में सफल रहे हैं। रावत ने कहा, मैंने विराट भाई से खेल के बारे में कुछ पूछा। उन्होंने मुझसे कहा, खेल में चाहे जो भी स्थिति हो, बस अपनी तैयारी लगातार जारी रखो। इससे आपको मानसिक रूप से बल मिलेगा। ये सलाह मेरे लिए फायदेमंद रही है। इस लीग के उद्घाटन संस्करण में अनुज ने पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ सुजल सिंह के साथ मिलकर टी20 क्रिकेट में 241 रनों की दूसरी सबसे बड़ी शुरुआती साझेदारी बनायी थी। इस खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू सत्र शुरू होने पर ड्रेसिंग रूम का माहौल बनाए रखने की जिम्मेदारी अनुभवी खिलाड़ियों पर रहेगी। वरिष्ठ खिलाड़ी टीम में हल्का माहौल बनाए रखते हैं। इससे सभी को बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलती है। अगले आईपीएल से पहले होने वाली मेगा नीलामी को लेकर अनुज ने कहा कि वे इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उन्होंने अपने खेल में कई आवश्यक बदलाव किए हैं।

147 साल में पहली बार हुआ ऐसा: ओली पोप ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान ओली पोप ने शुक्रवार (6 सितंबर) को श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन टेस्ट क्रिकेट के 147 साल पुराने इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया, जो पहले कभी नहीं बना था। बारिश से प्रभावित दिन और टॉस हारने के बाद पोप ने सुनिश्चित किया कि जो रूट की विफलता के बावजूद इंग्लैंड 221-3 के स्कोर पर स्टंप तक मजबूत स्थिति में रहे।

पोप ने अपने करियर का 7वां टेस्ट शतक बनाया और नाबाद 103 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। इससे पहले दिन में, बेन डकेट ने सिर्फ 79 गेंदों में 86 रनों की तेज पारी खेलकर इंग्लैंड को जीत दिलाई। ओली पोप ने इतिहास रचते हुए अपने करियर के 49वें टेस्ट मैच में सात अलग-अलग टीमों के खिलाफ अपने पहले सात टेस्ट शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

पोप ने अपने टेस्ट करियर में अब तक जो भी शतक बनाए हैं, वे छह अलग-अलग मैदानों पर एक अलग प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आए हैं।

आइए शतकों पर एक नजर डालते हैं

पोप ने 2020 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में 135 रनों की नाबाद पारी के साथ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया।

उनका अगला तीन अंकों का स्कोर घरेलू धरती पर उनका पहला शतक था, दो साल से अधिक समय बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ नॉटिंघम में 145 रनों की पारी के साथ आया।

उन्होंने उसी साल रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ 108 रनों की पारी खेली थी।

पोप का टेस्ट में एकमात्र दोहरा शतक पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर आया था।

इस साल की शुरुआत में पोप ने हैदराबाद में भारत के खिलाफ 195 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय धरती पर किसी विदेशी खिलाड़ी द्वारा सबसे बड़ी पारियों में से एक खेली थी।

दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने मौजूदा घरेलू समर में दो शतक लगाए हैं जिसमें श्रीलंका के खिलाफ आज के प्रयास से पहले ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 121 रनों की पारी शामिल है।

ऐसी टीमें जिनके खिलाफ पोप ने नहीं लगाया शतक

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान ही एकमात्र ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ पोप ने शतक नहीं बनाया है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा पोप ने अपने करियर में अब तक अन्य तीन टीमों का सामना नहीं किया है। पोप ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 35.28 की औसत से सात शतकों के साथ 2823 रन बनाए हैं। अपने सात शतकों के अलावा उनके नाम 13 अर्धशतक भी हैं।

मैनचेस्टर में इस श्रृंखला का पहला टेस्ट पोप का इंग्लैंड के कप्तान के रूप में पदार्पण था। 26 वर्षीय खिलाड़ी बेन स्टोक्स के चोटिल होने के बाद तीनों मैचों में इंग्लैंड की अगुआई कर रहे हैं। 2022 में स्टार ऑलराउंडर को इंग्लैंड का टेस्ट कप्तान बनाए जाने के बाद से पोप उप-कप्तान हैं। शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ लगाया गया शतक पोप का टेस्ट करियर में कप्तान के तौर पर पहला शतक भी था।

संक्षिप्त समाचार

पेरू में दर्दनाक हादसा, नाव पलटने से 6 लोगों की मौत

लीमा, एजेंसी। पेरू के पूर्व-मध्य क्षेत्र उकायाली से होकर बहने वाली नदी में नाव पलटने से कम से कम छह लोग डूब गए। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार की सुबह इस घटना में छह लोगों की मौत की पुष्टि की। पोर्ट कैप्टेंसी के प्रमुख जोनाथन नोवोआ के अनुसार सीआर नामक नाव मंगलवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न 2:30 बजे पुकाल्पा बंदरगाह से अटालाया शहर के लिए रवाना हुई थी, लेकिन बुधवार को लगभग 1:30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पेरू की सरकारी न्यूज एजेंसी एंडिना ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि संभवतः नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण नाव किसी वस्तु से टकरा गई। अधिकारियों के अनुसार, नाव में शिक्षकों और नाबालिगों सहित लगभग 48 लोग सवार थे। इस नाव में 68 यात्रियों को ले जाने की क्षमता थी और इसमें जीवन रक्षक जैकेट जैसी सभी सुरक्षा आवश्यकताएं पूरी की गई थीं। इससे पहले रविवार को उत्तरी पेरू के लोरेटो क्षेत्र में एक नाव के डूबने के कारण एक नाबालिग सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी।

कांगो पहुंची एमपॉक्स टीकों की पहली खेप

किंशासा, एजेंसी। वैश्विक स्वास्थ्य संकट के केंद्र कांगो में एमपॉक्स टीकों की 99,100 खुराक की पहली खेप पहुंचाई गई। शनिवार तक कुल 200,000 खुराक पहुंचेगी। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री रोजर कम्बा ने गुरुवार को किंशासा के एनडिजिली हवाई अड्डे पर कहा, आज हमें टीके की 99,100 खुराक मिली है और बाकी शनिवार को मिलेंगी। उन्होंने वायरस पर जल्द काबू पाने का दावा किया। खासकर सबसे अधिक प्रभावित दक्षिण किवु और इक्वेटर जैसे प्रांत में वायरस को खत्म करने की बात कही। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ÷यह वयस्कों के लिए उपलब्ध सबसे पहले टीके हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में टीकाकरण अभियान का प्रभारी होगा, हालांकि उन्होंने लॉन्च की तारीख नहीं बताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, कांगो स्वास्थ्य मंत्रालय इस सप्ताह के अंत में टीके लगाना शुरू करने की योजना बना रहा है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ÷ सिर्फ टीका महामारी को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होंगें। उन्होंने हितधारकों से निगरानी, जोखिम संचार, सामुदायिक जुड़ाव, नैदानिक और घरेलू देखभाल के समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया। यूनिसेफ के पिछले रविवार को जारी एक बयान के अनुसार कांगो जिसने 2022 के अंत में एमपॉक्स को राष्ट्रीय महामारी घोषित की थी, उसने 2024 की शुरुआत से 629 मौतों समेत 18,000 से अधिक संदिग्ध मामलों की सूचना दी है, पांच लोगों की मौत हो गई थी जिसमें चार बच्चे थे। डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स, जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था। उसे अगस्त के मध्य में वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

बराक ओबामा के भाई ने ट्रंप का किया समर्थन, पूर्व राष्ट्रपति पर लगाए स्वार्थी होने के आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के चचेरे भाई एबोंगो मलिक ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने का एलान किया है। मलिक ओबामा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं मलिक ओबामा, मैं रिपब्लिकन पार्टी का पंजीकृत मतदाता हूं और मैं डोनाल्ड ट्रंप को वोट करूंगा। बराक ओबामा के चचेरे भाई मलिक ओबामा ने जो बाइडन और हिलेरी क्लिंटन के समय भी डोनाल्ड ट्रंप का ही समर्थन किया था। अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए मलिक ओबामा ने कहा कि वह ट्रंप को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि वे दिल से बोलते हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन एक कमाल का नारा है और मैं उनसे (ट्रंप) मिलना चाहूंगा। मलिक ओबामा ने पूर्व राष्ट्रपति और अपने चचेरे भाई बराक ओबामा की भी आलोचना की और उन्हें स्वार्थी बताया। मलिक ओबामा पेशे से एक अकाउंटेंट हैं और बराक ओबामा की शादी में वह ओबामा के बेस्ट मैन बने थे। जब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे, तो वे व्हाइट हाउस भी गए। हालांकि बाद में दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। साल 2022 में एक सोशल मीडिया पोस्ट में मलिक ओबामा ने लिखा कि मैं बराक ओबामा के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके साथ रहा, लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि वह स्वार्थी हैं। मलिक ओबामा ने पूर्व में बराक ओबामा पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। जिनमें से एक आरोप में मलिक ने दावा किया था कि बराक ओबामा का जन्म अमेरिका में नहीं हुआ था बल्कि वह केन्या के नागरिक थे। अपने दावे के पक्ष में मलिक ओबामा ने ओबामा के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र भी पेश किए थे। मलिक ओबामा अक्सर सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी विचारों को लेकर पोस्ट करते रहते हैं और समलैंगिक विवाह और गर्भपात की आलोचना करते रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस बोले- हसीना भारत में रहकर चुप रहें : राजनीतिक बयानबाजी न करें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में रहकर राजनीतिक बयानबाजी नहीं चाहिए। यूनुस ने कहा कि वो हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेंगे लेकिन तब तक हसीना को चुप रहना चाहिए। जिससे कि दोनों देशों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े। यूनुस ने कहा कि हमने भारत के सामने अपना रूख साफ कर दिया है। अगर भारत शेख हसीना को प्रत्यर्पण की मांग तक अपने पास रखना चाहता है तो हसीना को चुप रहना होगा। हसीना पिछले एक महीने से भारत में रह रही हैं। उन्हें 5 जून के बाद शुरु हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद 5 अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हसीना को वापस लाकर उन पर मुकदमा चलाएंगे यूनुस ने शेख हसीना को वापस लाकर उन पर मुकदमा चलाने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि हसीना के भारत में रहने से कोई भी सहज नहीं है। यूनुस ने कहा कि अगर हसीना चुप रहतीं, तो हम इसे भूल जाते, लोग भी भूल जाते क्योंकि वह अपनी दुनिया में होतीं। लेकिन वह भारत में बैठकर बयानबाजी कर रही हैं, निर्देश दे रही हैं, यह किसी को पसंद नहीं है। दरअसल यूनुस शेख हसीना के 13 अगस्त को दिए उस बयान की ओर इशारा कर रहे थे जिसमें हसीना ने पिछले महीने बांग्लादेश में हुई हत्याओं और हिंसा को आंतकी घटना

करार देते हुए उनमें शामिल लोगों की पहचान और जांच की मांग की थी। साथ ही हसीना ने अपने लिए न्याय की मांग करते हुए अपराधियों को सजा देने के लिए कहा था। पीटीआई से बात करते हुए यूनुस ने इस तरह के बयान को भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए अच्छा नहीं बताया है। 'हसीना के बिना अफगानिस्तान नहीं बन जाएगा बांग्लादेश' इंटरव्यू में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अपने मजबूत संबंधों को महत्व देता है। लेकिन भारत को इस धारणा से आगे बढ़ना होगा जिसमें वो शेख हसीना की आवामी लीग के अलावा दूसरी पार्टियों को इस्लामिक पार्टियों के तौर पर देखता है। यूनुस के मुताबिक ऐसा नहीं है कि शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी के अलावा किसी दूसरी पार्टी की सरकार में बांग्लादेश, अफगानिस्तान बन जाएगा। यूनुस ने हसीना के देश छोड़ने को लेकर कहा कि वो किसी साधारण वजह से नहीं भागी हैं। उन्हें जनता के विद्रोह और आक्रोश के बाद देश से भागना पड़ा। यूनुस ने कहा कि जिन लोगों पर अत्याचार हुए हैं, सरकार उन्हें न्याय अवश्य दिलाएगी। 'अल्पसंख्यकों पर हमले सिर्फ एक बहाना' बांग्लादेश में हिंसा के दौरान अल्पसंख्यको और खासतौर पर हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर यूनुस ने कहा कि 'ये सिर्फ एक बहाना है। अल्पसंख्कों पर हमलों को बड़ा दिखाने की कोशिश हो रही है।' हसीना के देश छोड़ने के बाद भड़की हिंसा में हिंदुओं के साथ हिंसा, दुकानों और संपत्तियों की तोड़फोड़ और मंदिरों पर हमले की घटनाएं सामने आईं थी। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने भी 15 अगस्त को लाल किले से दिए भाषण में बांग्लादेश में अल्पसंख्यको और खासतौर पर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने पीएम मोदी से फोन पर बात की थी। जिसमें उन्होंने बांग्लादेश में रह रहें हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भरोसा दिया था। भारत और बांग्लादेश के संबंध कमजोर स्थिति में यूनुस ने भारत और बांग्लादेश संबंधों के सवाल पर कहा कि वर्तमान में द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति कमजोर है। यूनुस ने कहा कि इसे सुधारने के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके अलावा यूनुस ने भारत और बांग्लादेश देश के बीच ट्रांजिट एग्रीमेंट और अडानी के साथ इलेक्ट्रिसिटी डील पर बात करते हुए कहा कि इन पर विचार करने की मांग चल रही है। हर कोई कह रहा है कि इसकी जरूरत है। यूनुस ने कहा कि हम देखेंगे कि कागज पर क्या है और वास्तविकता में क्या चल रहा है। यदि आवश्यकता है तो हम इससे जुड़े सवाल उठाएंगे। वहीं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी कह चुकी है कि अगर वो सत्ता में आती है तो अडानी के साथ डील की समीक्षा करेगी।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दिए राजनीति से दूरी के संकेत, बोले- बच्चों के साथ वक्त बिताना चाहता हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संकेत दिए हैं कि वह राजनीति से दूरी बना सकते हैं।

दरअसल उन्होंने कहा है कि वह अपने बच्चों के साथ समय बिताना चाहते हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि एंटनी ब्लिंकन अगली सरकार में विदेश मंत्री का पद न संभालें। गौरतलब है कि पिछले एक साल में एंटनी ब्लिंकन की व्यस्तता काफी बढ़ गई है। खासकर इस्राइल-हमास युद्ध के बाद से ब्लिंकन ने नौ बार पश्चिम एशिया का दौरा किया है।

हैती दौरे पर दिए राजनीति से दूरी के संकेत

ब्लिंकन हैती के दौरे पर हैं। बीते एक दशक में हैती दौरे पर आने वाले ब्लिकंन पहले अमेरिकी विदेश मंत्री हैं। वहां पत्रकारों से बात करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि जहां तक मेरे भविष्य की बात है तो मैंने पिछला हफ्ता अपने बच्चों के साथ बिताया था और मैं भविष्य में उनके साथ और ज्यादा वक्त बिताना पसंद करूंगा। एंटनी ब्लिंकन के दो बच्चे हैं। एंटनी ब्लिंकन को जो बाइडन का करीबी माना जाता है और जो बाइडन के सीनेटर रहने, उपराष्ट्रपति रहने और अब राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भी ब्लिंकन के साथ काम कर रहे हैं। अब बाइडन अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। ऐसे में ब्लिकंन भी राजनीति से दूरी बना सकते हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका में किसी विदेश मंत्री का चुनाव के बाद भी पद पर बने रहना बहुत ही असामान्य बात है। आखिरी बार जॉर्ज शुल्ज ने लगातार दो कार्यकाल विदेश मंत्री का पद संभाला था। ऐसा कहा जाता है कि ब्लिंकन जितने बाइडन के करीबी हैं, उतने वे कमला हैरिस के करीबी नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ब्लिंकन अगली सरकार में विदेश मंत्री पद पर नहीं रहेंगे। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं, जबकि रिपब्लकिन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की रेस में हैं।

चीन ने अपने बच्चों को विदेशियों को गोद देने पर लगाई रोक

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार अब देश के बच्चों को विदेशियों को गोद लेने की अनुमति नहीं दे रही है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि एकमात्र अपवाद किसी बच्चे या सौतेले बच्चे को गोद लेने वाले रक्त संबंधियों के लिए होगा। उन्होंने निर्णय की व्याख्या नहीं की और सिर्फ इतना कहा कि यह प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संधियों की भावना के अनुरूप है। दशकों से अनेक विदेशियों ने चीन से बच्चों को गोद लिया है। वे उन्हें लेने के लिए देश का दौरा करते हैं और फिर उन्हें विदेश में एक नए घर में ले जाते हैं। चीन ने कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण को निलंबित कर दिया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने दत्तक ग्रहण संबंधी अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चीन सरकार ने बाद में उन बच्चों से संबंधित दत्तक ग्रहण फिर शुरू कर दिया, जिन्हें 2020 में निलंबन से पहले यात्रा मंजूरी प्राप्त हुई थी। विदेश विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक 12 महीनों में चीन से बच्चे गोद लेने के लिए 16 वीजा जारी किए। यह स्पष्ट नहीं है कि तब से कोई और वीजा जारी किया गया है या नहीं।

इजरायली सेना ने पश्चिमी तट पर 6 फिलिस्तीनियों को मार गिराया

रामल्लाह, एजेंसी। इजरायली बलों ने पश्चिमी तट के शहर तुबास में छह फिलिस्तीनियों को मार गिराया। इसकी जानकारी फिलिस्तीनी चिकित्सा और सुरक्षा विभाग ने दी। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि टुबास में उनके वाहन को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। टुबास उत्तर-पश्चिमी वेस्ट बैंक में स्थित है।

फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि टुबास के दक्षिण में फारा शिविर में इजरायली सेना ने छठे व्यक्ति को गोली मार दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, पीड़ित तक पहुंचने में सेना को घंटों लग गए। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने गुरुवार की सुबह फारा कैंप में ड्रोन हमला किया और टुबास में तीन और हमले किए। आईडीएफ ने कहा कि इन हमलों का लक्ष्य फिलिस्तीनी बंदूकधारी थे जो छापे के दौरान सैनिकों पर गोलीबारी कर रहे थे और विस्फोटक फेंक रहे थे। तुबास के गवर्नर अहमद अल-असद ने शिन्हुआ को बताया कि इजरायली छापों से फारा शिविर में बुनियादी ढांचे और सेवाओं को व्यापक क्षति पहुंची है।

जेनिन में इजरायली सेना ने लगातार नौवें दिन भी अभियान जारी रखा। मेयर निदाल ओबेदी ने कहा कि जारी हमलों ने स्थानीय बुनियादी ढांचे को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है, जिसकी पूरी सीमा का अभी आकलन किया जाना बाकी है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 28 अगस्त से पश्चिमी तट पर इजरायली सैन्य अभियानों के परिणामस्वरूप 39 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 145

घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर 2023 में गाजा संघर्ष शुरू होने के बाद से पश्चिमी तट पर 691 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को तड़के इजरायली सेना शहर के बुनियादी ढांचे को हुए भारी नुकसान के बीच तुलकारेम और उसके शरणार्थी शिविर से वापस चली गई।

इजरायल द्वारा गाजा पट्टी पर किए जा रहे हमले के कारण पश्चिमी तट पर तनाव चरम पर है। पिछले वर्ष 7 अक्टूबर से अब तक 40,800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। हमलों में तेजी की एक और वजह 19 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के ऐतिहासिक राय भी है, जिसमें इजरायल द्वारा फिलिस्तीनी भूमि पर दशकों से किए जा रहे कब्जे को गैरकानूनी घोषित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय अदालत ने पश्चिमी तट तथा पूर्वी यरुशलम में सभी बस्तियों को खाली करने की मांग भी रखी थी।

यूक्रेन ने नियुक्त किया नया विदेश मंत्री

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी संसद ने दिमित्रो कुलेबा की जगह एंड्री सिबिहा को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त करने के लिए मतदान किया है। लॉ मेकर ओलेक्सी होन्चारेंको ने इसकी जानकारी दी। होन्चारेंको ने गुरुवार को टेलीग्राम पर कहा कि सिबिहा ने उपस्थित 315 सांसदों में से 258 का समर्थन हासिल किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले गुरुवार को संसद ने कुलेबा को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया, जिन्होंने बुधवार को अपना इस्तीफा दे दिया था।

49 वर्षीय साइबिहा ने पहले राष्ट्रपति कार्यालय के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया था और अप्रैल में कुलेबा के डिप्टी बने। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध के अहम मोड़ पर हो रहे फेरबदल के बारे में कहा है कि देश को ÷नई ऊर्जा÷ की जरूरत है।

सिबिहा, एक डिप्लोमैट रहे हैं और इन्होंने जेलेंस्की के कार्यालय में कई सालों तक काम किया। वह गुरुवार को नियुक्त किए जाने वाले 8 नए मंत्रियों में से एक हैं। आलोचकों ने कहा है कि यह फेरबदल राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक के

साथ संबद्ध जेलेंस्की के वफादारों के एक छोटे समूह द्वारा सत्ता पर काबिज होने की कोशिश है। तुर्की में पूर्व राजदूत सिबिहा ने यरमैक के डिप्टी के रूप में भी काम किया था। इसके साथ ही युद्ध के दौरान यूक्रेन की रेलवे को चालू रखने का काम करने वाले लोकप्रिय व्यक्ति अलेक्जेंडर कामिशिन को भी सामरिक उद्योग मंत्रालय से राष्ट्रपति कार्यालय में स्थानांतरित किया जा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमलों के बीच बड़े स्तर पर हो रहे फेरबदल को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। ये नियुक्तियां तब हुई हैं जब जेलेंस्की इस महीने के अंत में अमेरिका की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने बार-बार सहयोगियों से उन प्रतिबंधों को हटाने का आह्वान किया है जो कीव को रूस में लंबी दूरी के हमलों के लिए पश्चिमी हथियारों का उपयोग करने से प्रतिबंधित करते हैं। रूसी सेनाएं पूर्व में आगे बढ़ रही हैं और उन्होंने कीव और अग्रिम पंक्ति से दूर अन्य यूक्रेनी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के अपने अभियान को तेज कर दिया है। आरोप है कि बिजली क्षेत्र और अन्य बुनियादी ढांचे पर रूस की ओर से लगभग रोज हमले हो रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि कुर्स्क के रूसी क्षेत्र में यूक्रेन की घुसपैठ नाकाम रही है बल्कि यूक्रेन की अग्रिम पंक्ति ही कमजोर साबित हुई है। रूस के इस दावे का प्रतिवाद नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने किया, जिन्होंने ओस्लो में संवाददाताओं से कहा कि यूक्रेन ने अपने कुर्स्क आक्रमण में बहुत कुछ हासिल किया है। पुतिन ने व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में कहा कि रूसी सेना धीरे-धीरे यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क से बाहर धकेल रही थी, जहां 6 अगस्त को यूक्रेन ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद रूस पर सबसे बड़ा विदेशी आक्रमण किया गया था।

राष्ट्रपति चुनाव में राजपक्षे को समर्थन देने पर चार मंत्री बर्खास्त, विक्रमसिंघे ने की कार्रवाई

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने गुरुवार को अपनी सरकार के चार जूनियर मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया। मंत्रियों के खिलाफ 21 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति पद के निर्दलीय उम्मीदवार राजपक्षे का समर्थन करने पर यह कार्रवाई की। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बंदरगाह और विमानन सेवा राज्य मंत्री प्रेमलाल जयशेखर, बिजली और ऊर्जा राज्य मंत्री इंडिका अनुरुद्ध, कृषि राज्य मंत्री मोहन प्रियदर्शन डी सिल्वा और राजमार्ग राज्य मंत्री सिरिपाला गमलाथ को बर्खास्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 47 (3) द्वारा उन्हें दिए गए अधिकार के तहत लिया गया। बर्खास्त किए गए मंत्रियों ने श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार नमल राजपक्षे को समर्थन देने की घोषणा की थी। राजपक्षे ने 75 वर्षीय विक्रमसिंघे से समर्थन वापस ले लिया। मंत्रियों को बर्खास्त करने का निर्णय प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने की अध्यक्षता में एक महागठबंधन पीपुल्स यूनाइटेड फ्रीडम अलायंस के गठन के बाद आया। इसमें 25 से अधिक राजनीतिक दल शामिल हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में विक्रमसिंघे का समर्थन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के बाद होने वाले संसदीय चुनाव लड़ने के

लिए गठबंधन बनाया गया है। विक्रमसिंघे, जिन्होंने 2022 में अपदस्थ राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के शेष कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद संभाला था, को एसएलपीपी ने संसद में बहुमत वोट द्वारा स्टॉप-गैप राष्ट्रपति बनाया था। श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के कई युवा सदस्यों ने दिवालिया अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में विक्रमसिंघे की काम में मदद की। इन्होंने भी देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए राष्ट्रपति का समर्थन करने का फैसला किया। एसएलपीपी ने भी राजपक्षे की उम्मीदवारी पर विक्रमसिंघे का समर्थन करने वाले सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर ने स्वीकार किया अपराध; संघीय कर मामले में अदालत ने माना है दोषी

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने संघीय कर मामले में आरोपों को स्वीकार कर लिया है। हंटर का यह निर्णय बृहस्पतिवार को तब आया, जब संघीय कर मामले में जूरी चयन शुरू होने वाला था, जिसमें उन पर करों में कम से कम 1.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था। आरोपों में 17 साल तक की सजा का प्रावधान है, लेकिन संघीय सजा दिशा-निर्देशों के तहत बहुत कम सजा की मांग की जा सकती है। सजा पर 16 दिसंबर की तारीख तय की गई है।

हंटर को अवैध रूप से हथियार खरीदने और नशीली दवाओं के उपयोग को लेकर झूठ बोलने के मामलों में जून में दोषी ठहराया गया था। कर परीक्षण में संभावित रूप से अधिक झूठे सबूतों के साथ-साथ हंटर के विदेशी व्यापार सौदों के बारे में विवरण प्रदर्शित होने की उम्मीद थी, जिसे रिपब्लिकन ने बाइडन परिवार को भ्रष्ट के रूप में चित्रित करने की कोशिश की।

हालांकि राष्ट्रपति बाइडन के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से बाहर होने के फैसले ने कर मामले के संभावित राजनीतिक निहितार्थों को कम कर दिया, लेकिन यह उम्मीद की गई थी कि मुकदमे से राष्ट्रपति को उनके पांच दशक के राजनीतिक करियर के अंतिम महीनों में भारी भावनात्मक नुकसान उठाना पड़ेगा। हंटर द्वारा अपनी याचिका दायर करने से पहले बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने न्यायाधीश से कहा, बहुत हो गया। सार्वजनिक और निजी हित के कारण, बाइडन आज आगे बढ़ने और इसे समाप्त करने के लिए तैयार हैं। स्ट्रिपर्स, लक्जरी

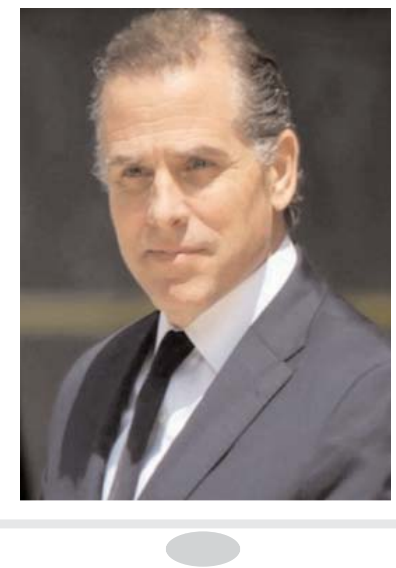

होटल और विदेशी जैसी चीजों पर बेतहाशा खर्च करते हुए करों से बचने के लिए चार साल की योजना का आरोप लगाने वाले मामले की सुनवाई के लिए पैनल चुनने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 100 से अधिक संभावित जूरी सदस्यों को लॉस एंजिल्स के कोर्टहाउस में लाया गया था। अभियोजक तब हैरान रह गए जब हंटर के वकील ने बृहस्पतिवार सुबह न्यायाधीश को बताया कि हंटर एक अल्फोर्ड याचिका में प्रवेश करना चाहता था, जिसके तहत एक प्रतिवादी अपनी बेगुनाही बरकरार रखता है लेकिन स्वीकार करता है कि अभियोजकों के पास सजा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने ऐसी याचिका पर आपत्ति जताई और न्यायाधीश से कहा कि हंटर विशेष शर्तों पर दोष स्वीकार करने के हकदार नहीं हैं जो केवल उन पर लागू होती हैं। हंटर बाइडन अपनी पत्नी मेलिसा कोहेन बाइडन का हाथ पकड़कर अदालत कक्ष में चले गए और उनके साथ सीक्रेट सर्विस के एजेंट भी मौजूद थे। प्रारंभ में, उन्होंने अपने 2016 से 2019 के करों से संबंधित आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया और उनके वकीलों ने संकेत दिया था कि वे तर्क देंगे कि उन्होंने जानबूझकर या कानून तोड़ने के इरादे से काम नहीं किया। बृहस्पतिवार को अपनी याचिका बदलने का हंटर बाइडन का निर्णय न्यायाधीश द्वारा बचाव पक्ष के लिए कुछ प्रतिकूल प्री-ट्रायल फैसले जारी करने के बाद आया, जिसमें नशे की लत के बारे में गवाही देने के लिए प्रस्तावित रक्षा विशेषज्ञ को अस्वीकार करना भी शामिल था।

मुंबई में गणेशोत्सव के दौरान हाईटैक सुरक्षा

मुंबई । मुंबई में गणेशोत्सव के दौरान किसी भी अनहोनी घटना से निपटने के लिए मुंबई पुलिस मुस्तैद है। इसके लिए पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। पूरे शहर पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 36832 पुलिस अधिकारी और जवानों के साथ ही एसआरपी, रैपिड एक्शन फोर्स और होम गार्ड के जवान तैनात हैं। पुलिस की ओर से विशेष गाइडलाइंस जारी कर कहा गया है कि किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त पुलिस आयुक्त सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि गणेश मूर्तियों के विसर्जन के बाद फोटो लेना प्रतिबंधित होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। मुंबई में 13500 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों और भीड़वाली जगहों पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी। पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर, विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती और संयुक्त पुलिस आयुक्त चौधरी ने सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा किया या और गाइडलाइंस जारी करते हुए सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद रखने की बात कही। डेढ़, पांच, सात और ग्यारहवें दिन के विसर्जन के दौरान वाद्ययंत्रों और लाउडस्पीकरों की ध्वनि स्तर पर छूट रहेगी। पुलिस ने जनता से अन्य समय के दौरान ध्वनि स्तर के प्रतिबंधों का पालन करने का भी आग्रह किया है। गणपति बाप्पा के स्वागत के लिए मुंबई पूरी तरह से तैयार है। मुंबई मनपा ने गणेशोत्सव के लिए पूरी मशीनरी तैयार रखी है। इसके साथ ही बाप्पा के आगमन और विसर्जन वाली सड़कों की मरम्मत कर दी गई है। इतना ही नहीं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 240 कृत्रिम तालाब बनाए गए हैं। शहर और पूर्व-पश्चिम उपनगरों में कुल 69 प्राकृतिक तालाबों पर विसर्जन की व्यवस्था की गई है। इस तरह चौपाटी पर भी गणेश विसर्जन की व्यवस्था की गई है। मनपा प्रशासन ने बताया कि विभाग स्तर पर मोबाइल विसर्जन के साथ ही गणेश प्रतिमा संग्रह केंद्र भी है। पिछले साल की तुलना में इस साल 10.000 से अधिक मूर्तियां हैं।

बोर्डिंग स्कूल के छात्र से रैगिंग, यौन उत्पीड़न का लगाया आरोप

-असम में मामला दर्ज, देहरादून पुलिस कर रही जांच

देहरादून। शहर के एक प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूल में रैगिंग और यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। यहां आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने सीनियर छात्रों पर रैगिंग और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़ित छात्र ने इसकी जानकारी अपने माता-पिता को दी वह उसे अपने साथ ले गए। पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्र के माता-पिता उसे अपने साथ घर असम ले गए हैं और उन्होंने वहीं इस घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई। असम पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई के लिए देहरादून पुलिस को भेजी जिसके बाद घटना की जानकारी पता लगी। प्राथमिकी में कहा गया है कि छात्र के माता-पिता ने घटना के बारे में स्कूल प्रबंधन को बताया लेकिन उनके द्वारा मामले में कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर वह अपने बच्चे को अपने असम ले गए। देहरादून के डालनवाला पुलिस थाने ने आरोपी छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देहरादून के एसपी अजय सिंह ने बताया कि मामले में यौन अपराधों से बाल संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। जांच में जो भी सामने आएगा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को चल संपत्ति नहीं माना जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । नाबालिक बच्चे की बंदी प्रत्यक्षीकरण के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एएस ओका और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा है। न्यायालय को मानवीय आधार पर कार्य करना होगा। जब कोर्ट किसी भी नाबालिक बच्चों के संबंध में विचार करता है। बच्चे को संपत्ति की तरह नहीं माना जा सकता है। बच्चे पर पडने वाले प्रभाव को भी न्यायालय को देखना होगा। सुप्रीम कोर्ट में 2 साल 7 माह की बच्ची की कस्टडी से जुड़ा हुआ मामला पहुंचा था। 2022 में बच्ची की मां की मौत हो गई थी। बच्ची मौसी के पास थी। हाईकोर्ट ने उस बच्ची को उसके पिता और दादा-दादी को सौंपने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है। हाईकोर्ट ने बच्ची के हित पर विचार नहीं किया। हाईकोर्ट ने केवल पिता के अधिकार को मानते हुए बच्ची को कस्टडी में सौंपने के आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किया है। 21 सितंबर से प्रत्येक पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बच्ची की मौसी 3 बजे, तथा बच्ची के पिता और दादा-दादी शाम 5 बजे बच्ची से मिल सकेंगे।

नाबालिग के गले में फंसा बैलून, इलाज के दौरान हो गई मौत

कांगड़ा। एक छोटे से गुब्बारे ने 13 साल के बच्चे की जान ले ली। 2 दिन तक बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूलता रहा और आखिरकार उसकी मौत हो गई। मामला हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का है। यहां पर 13 साल का विवेक कुमार सरकारी स्कूल सिद्धपुरघाड़ में पढ़ता था। विवेक स्कूल के गेट पर वह गुब्बारा फुलाने लगा तो फुलाते समय अचानक गुब्बारे से हवा निकली और झटके के साथ गुब्बारा विवेक के मुंह में चला गया। इस दौरान यह गुब्बारा विवेक के गले में अटक गया। घटना की जानकारी स्कूल के टीचर्स को मिली तो वे बच्चे को अस्पताल ले गए। यहां पर प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को पंजाब के पठानकोट के अमनदीप अस्पताल में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों की टीम ने विवेक के गले से गुब्बारा तो निकाल लिया, लेकिन उसकी सेहत नाजुक बनी हुई थी। गुरुवार देर रात 11 बजे के करीब विवेक ने अंतिम सांस ली। बच्चे की मौत से जहां परिजन स्तब्ध हैं तो वहीं स्कूल और गांव में भी शोक की लहर है। स्कूल के बच्चों व स्टाफ की आंख भी नम है। विवेक के पिता दिहाड़ी-मजदूरी करते हैं तथा माता गृहिणी है और बड़ी बहन है 12वीं में पढ़ती है। कांगडा के ज्वाली से पूर्व विधायक नीरज भारती ने भी बच्चे के परिवार की मदद की है। नीरज भारती ने बच्चे के इलाज के लिए 50 हजार रुपये दिए थे। इसके अलावा, स्कूल के प्रिंसिपल ने भी बच्चे के परिवार को आर्थिक मदद की थी, लेकिन अब बच्चे की जान नहीं बच पाई है।

भेड़िये का डर ऐसा कि गांव में घूम रहे कुत्ते को ग्रामीणों ने पीट-पीट कर मार डाला

बहराइच । यूपी के बहराइच जिले के यादवपुर गांव में भेड़िये के खौफ से लोग इतने डर हुए हैं कि उन्हें कुत्तों में भेड़िया नजर आ रहा है। इस उदाहरण यादवपुर में देखने को मिला जहां ग्रामीणों ने भेड़िये की आशंका में कुत्ते को पीट-पीटकर मार डाला। भेड़िये के हमले से वहां चिंता और डर बना हुआ है। बीती रात यादवपुर के लोधन पुरवा गांव में एक 12 साल के बच्चे पर भेड़िये ने हमला कर दिया था। इस घटना ने ग्रामीणों को इतना डरा दिया कि वे उसे मारने के लिए ढूंढने लगे। हमले में बच्चे के साथ-साथ दो अन्य लोग भी घायल हुए थे। भेड़िये के खतरे के चलते ग्रामीणों ने पागल कुत्ते को भेड़िया समझ लिया और उसे पीट-पीटकर मार डाला। इस कुत्ते ने भी हाल ही में दो लोगों पर हमला किया था, जिससे गांव वाले और दहशत में थे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारी रमेश कुमार यादव ने ग्रामीणों को सजग रहने की सलाह दी और कहा कि वे अपने घरों के दरवाजे बंद रखें। उन्होंने ग्रामीणों से जानवरों की पहचान के बारे में सही जानकारी देने की अपील की ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। बता दें देखने में भेड़िया कुत्ते की तरह ही नजर आता है।

लालू-तेजस्वी को राहत... समन पर आदेश की तारीख आगे बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन पर आदेश टाल दिया। मामले को आदेश के लिए 13 सितंबर को सुनवाई होगी। 6 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू, तेजस्वी और नौ अन्य के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसके पहले मामले में 24 अगस्त को पूर्व रेल मंत्री लालू, तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बारे में अपना आदेश स्थगित कर दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने अभियोजन पक्ष की शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के समकक्ष) पर आदेश सात सितंबर तक के लिए टककर कहा कि कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। पूरक आरोप पत्र छह अगस्त को अदालत के समक्ष दायर किया गया था। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

भाजपा ने कश्मीर में सत्ता पाने के लिए क्षेत्रीय पार्टियों, निर्दलीय उम्मीदवारों से किया समझौता: उमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीनगर । नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर में सरकार का हिस्सा बनने के लिए कुछ क्षेत्रीय दलों और कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ समझौता किया है। जम्मू में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि वह शुक्रवार को भाजपा का घोषणापत्र जारी करते समय अपने भाषण के दौरान अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस के बारे में ''चुप'' रहे।

अब्दुल्ला ने कहा, ...जिन्होंने दिल्ली के साथ समझौता किया है, वे आपकी मांगें पूरी नहीं करेंगे। अगर आपको इसके लिए सबूत चाहिए, तो कल जम्मू में गृह मंत्री अमित शाह के बयान को देख लीजिए। उन्होंने कहा, गृह मंत्री ने उन पार्टियों का जिक्र किया जिनके साथ भाजपा सरकार नहीं बनाएगी। हालांकि, वह निर्दलीय उम्मीदवारों के बारे में चुप रहे क्योंकि वे (उनके साथ) मिले हुए हैं।

वह अपनी पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के बारे में चुप रहे। गांदरबल विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, मैंने सोचा था कि वह कम से कम इंजीनियर रशीद की पार्टी (अवामी इत्तेहाद पार्टी) का नाम लेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। शाह ने शुक्रवार को जम्मू में पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुएजम्मू-कश्मीर में सरकार बनने का भरोसा जताया। शाह ने कहा, वंशवाद पर चलने वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस की सरकार नहीं बनेगी। बाकी संभावनाएं भाजपा तलाशेगी।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस

-शेख खालिद 9-10 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर

नई दिल्ली । भारतीय विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे है। अबू धाबी के युवराज के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वे सोमवार को पीएम मोदी से मिलने और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करने वाले है। जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर बाद में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, इसमें दोनों देशों के बिजनेस प्रमुख हिस्सा ले रहे है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रिंस की यात्रा मजबूत भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खोलेगी। अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। 2022-23 में करीब 85 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ यूएई और भारत एक-दूसरे के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से हैं। प्रधान मंत्री मोदी 14 फरवरी को अबू धाबी की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने भक्ति मंत्रों के बीच और स्वामीनारायण संप्रदाय के आध्यात्मिक नेताओं की उपस्थिति में अबू धाबी के पहले हिंदू पत्थर मंदिर का उद्घाटन किया था।

भारत की सशक्त पहचान में यूपी का गुणात्मक योगदान: उपराष्ट्रपति धनखड़

गोरखपुर (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की एक अलग और सशक्त पहचान बनी है, जिसमें उत्तर प्रदेश का गुणात्मक योगदान है। धनखड़ ने 2047 में 'विकसित भारत' की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सभी से योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए, क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें, उतना कम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 680 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार के साथ भारत उन दिनों से बहुत आगे निकल आया है, जब उसे वित्तीय संकट से उबरने के लिए अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शनिवार को गोरखपुर में उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल के उद्घाटन के मौके पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। 49 एकड़ क्षेत्र में फैले इस सैनिक स्कूल का निर्माण 176 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। उन्होंने अंगवस्त्र और टेराकोटा से निर्मित गणेश प्रतिमा भेंटकर उपराष्ट्रपति का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी ने उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ को टेराकोटा की गणेश प्रतिमा भेंट की। धनखड़ ने उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व में आए परिवर्तन का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 के बाद राज्य में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है, जबकि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश डर के साये में था, यहां

कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं थी और आम आदमी परेशान रहता था। उन्होंने कहा, 'आज का भारत 10 साल पहले की तुलना में पूरी तरह से अलग तस्वीर पेश करता है। एक समय था, जब 'सोने की चिड़िया' कहलाने वाले भारत को विदेशी बैंकों में सोना गिरवी रखना पड़ा था। उस समय हमारा विदेशी मुद्रा भंडार एक अरब से दो अरब अमेरिकी डॉलर के बीच था। आज यह करीब 680 अरब अमेरिकी डॉलर है। देखिए, हमने तब से कितनी प्रगति की है।' उपराष्ट्रपति ने इस बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धनखड़ ने कहा, '1990 में जब मैं मंत्री की हैसियत से कश्मीर गया था, तब श्रीनगर की वीरान सड़कों ने मेरा स्वागत किया था। अब पिछले दो-तीन वर्षों में कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है और दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर की यात्रा कर चुके हैं।' उन्होंने कहा, 'संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद-370 को अस्थायी बताया था, लेकिन कुछ लोगों ने गलती से इसे स्थायी मान लिया। आज के समय में ही अनुच्छेद-370 को हटाया गया। यह आज का भारत है।' धनखड़ ने यह भी कहा, 'अगर हम राष्ट्रवाद से समझौता करते हैं, तो यह देश के साथ विश्वासघात होगा। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उन्हें यह समझाना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए किए जा रहे हवन में अपनी आहुति (योगदान) दें। समय आ गया है कि हमें देश के लिए जो करना चाहिए, हम वह करें। हम जितना भी करेंगे, वह कम होगा।' गोरखपुर में 'युवाओं को शिक्षा, देश की रक्षा' ध्येय से स्थापित सैनिक स्कूल में कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को आवासीय सुविधा के तहत शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। प्रवेश परीक्षा के जरिये कक्षा 6 और 9 में दाखिला होने के बाद इस स्कूल में पहली जुलाई से पढ़ाई शुरू की जा चुकी है। पहले चरण में इस स्कूल में कक्षा 6 और 9 में 84-84 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। इनमें 40 छात्राएं और 128 छात्र शामिल हैं। सैनिक स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग परिसर है। स्कूल का प्रशासनिक भवन प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का दर्शन कराता है। सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री के साथ कक्षाओं, खेल के मैदान, तरणताल, आवासीय परिसर आदि का अवलोकन किया। उन्होंने स्कूल परिसर में नवनिर्मित एकलव्य शूटिंग रेंज में निशानेबाजी का अभ्यास भी किया। धनखड़ ने गोरखपुर में विश्व प्रसिद्ध गीता प्रेस की भी सराहना की। उन्होंने पौधारोपण कर पृथ्वी को हरा-भरा और स्वच्छ रखने का संदेश भी दिया।

बिहार दौरे पर नड्डा श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारे में टेका मत्था

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बिहार के दौरे पर हैं। नड्डा अपने बिहार प्रवास के दूसरे दिन पटना के तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा पहुंचे। गुरुद्वारा पहुंचने पर उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया। गुरुद्वारा पहुंचने पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरु के दरबार में मत्था टेका। इस दौरान उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद रविशंकर प्रसाद सहित भाजपा के कई नेता मौजूद थे।

नड्डा शनिवार को खाजेकला घाट के पास दलित बस्ती में पहुंचकर सदस्यता अभियान चलाएंगे। इसके बाद पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल जाएंगे। यहां नए भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लेने वाले है। इसके बाद वे दरभंगा और मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले है। दरभंगा में वे एम्स के लिए बिहार सरकार की ओर से दी गई जमीन का निरीक्षण करने वाले है। इसके बाद वे मुजफ्फरपुर जाएंगे। यहां सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले है।

उल्लेखनीय है कि नड्डा ने शुक्रवार को बिहार को कई बड़ी सौगात दी थी। उन्होंने आईजीआईएमएस के प्रांगण में 188 करोड़ की लागत से बने क्षेत्रीय चक्षु संस्थान का उद्घाटन कर राज्य की जनता की सेवा में समर्पित किया था। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के 850 करोड़ की अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। इसके अलावा भागलपुर और गया के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुपरस्पेशलिटी भवन का उदघाटन किया था।

मोदी सरकार का पूजा खेडकर पर सबसे बड़ा एक्शन, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस से किया गया डिस्चार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आईएएस (प्रोबेशन) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत 2023 के महाराष्ट्र कैडर की आईएएस प्रोबेशनर पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से आधिकारिक तौर पर छुट्टी दे दी है। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और विकलांगता कोटा के तहत धोखाधड़ी और लाभों का दुरुपयोग करने के गंभीर आरोपों का सामना करने वाले खेडकर को आईएएस (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत आईएएस से छुट्टी दे दी गई थी। पूजा खेडकर की कानूनी परेशानियां तब शुरू हुईं जब यह आरोप लगाया गया कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए अपने आवेदन में आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए जानकारी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। यूपीएससी और दिल्ली पुलिस दोनों ने उन पर जाली विकलांगता प्रमाण पत्र जमा करने का आरोप लगाया है, जिसमें दो अलग-अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया है।

यूपीएससी, जिसने 31 जुलाई को खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी थी, ने

पहले कहा था कि उसने आयोग और जनता के खिलाफ धोखाधड़ी की है, और साजिश की पूरी सीमा को उजागर करने के लिए उसकी हिरासत में पूछताछ आवश्यक थी। खेडकर ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि वह एम्स में अपनी चिकित्सकीय जांच कराने की इच्छुक हैं, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उनका एक विकलांगता प्रमाण पत्र जाली और मनगढ़ंत हो सकता है। खेडकर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि मैं अपनी चिकित्सकीय जांच कराने को तैयार हूं। पहले वे कहते हैं कि मैंने अपना नाम बदल लिया है। अब वे कहते हैं कि विकलांगता संदिग्ध है। मैं एम्स जाने को तैयार हूं।

'एनसीआर के बिना असम में नहीं बनेगा आधार कार्ड', हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा ऐलान

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से अवैध आव्रजन की पहचान और रोकथाम को तेज करने के लिए उपायों के एक नए सेट की घोषणा की। सरमा ने आधार कार्ड जारी करने पर चिंता व्यक्त की, उन्होंने कहा कि धुबरी जिले में जनसंख्या की तुलना में अधिक आधार कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को आधार कार्ड प्राप्त हुए हैं।

सरमा ने आधार कार्ड जारी करने के संबंध में चिंताओं को उजागर करते हुए कहा कि धुबरी जिले में आबादी से अधिक लोगों को आधार कार्ड जारी किए गए हैं। यह संभव है कि कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को आधार कार्ड प्राप्त हुए हों। इसलिए, असम सरकार अगले 10 दिनों में एक अधिसूचना जारी करेगी। यह बताते हुए कि यदि कोई एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उन्हें नई प्रक्रिया में आधार कार्ड नहीं मिलेगा। यह अधिसूचना 1 अक्टूबर से चाय बागान क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, अन्य जिलों में वयस्कों को एक सख्त प्रक्रिया से गुजरना होगा।

सीएम सरमा ने कहा कि एनआरसी अपडेट के बाद विदेशियों का पता लगाने की प्रक्रिया लगभग रुक गई थी।' उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में, हमने 20-30 बांग्लादेशी नागरिकों को या तो गिरफ्तार किया है या वापस धकेल दिया है। आज, हमने असम में अवैध अप्रवासियों की पहचान तेज करने के आदेश जारी किए हैं। हमने इस प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश प्रकाशित किए हैं।

जनवरी 2024 से, असम ने 54 अवैध अप्रवासियों की पहचान की है: करीमगंज जिले में 48, बोंगाईगांव जिले में 4, और हाफलोंग जीआरपी और धुबरी जिले में एक-एक। इनमें से 45 व्यक्तियों को निर्वासित कर दिया गया है, जबकि नौ को करीमगंज में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्टों

में ऊपरी असम और उत्तरी असम जिलों में संदिग्ध गैर-भारतीय नागरिकों की मौजूदगी का भी संकेत दिया गया है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ गई हैं। इस बीच, असम सरकार ने एक विस्तृत आदेश में असम पुलिस सीमा संगठन को अवैध प्रवासियों की पहचान तेज करने और उनकी आवाजाही पर सक्रिय रूप से अंकुश लगाने के लिए सभी आवश्यक निवारक और एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया।

मौका मिला तो विनेश फोगाट के खिलाफ करुंगा चुनाव प्रचार : बृजभूषण सिंह

गौंड। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने दावा करते हुए कहा है कि विनेश फोगाट को कोई भी भाजपा कार्यकर्ता चुनाव हरा सकता है। उन्होने कुश्ती में जितना नाम कमाया है वो कांग्रेस में जाने से मिट जाएगा। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि पार्टी का आदेश होगा तो विनेश के खिलाफ चुनाव प्रचार करने को भी तैयार हैं। बता दें कांग्रेस ने शुक्रवार को जारी 31 उम्मीदवारों की पहली सूची में जुलाना से विनेश फोगाट को मैदान में उतारा है। पूर्व सांसद ने कहा कि यदि भाजपा कहेगी तो वे भी हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार करने जाएंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मुझे उनके समुदाय के लोगों भी भरपूर समर्थन मिलेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि लोकसभा चुनाव के समय हरियाणा के लोग कह रहे थे कि यदि आप यहां से चुनाव लड़ेंगे तो हम आपको जिताएंगे।

पीएम मोदी नहीं जयशंकर देंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा में वक्तव्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान वार्षिक आम बहस में वक्तव्य नहीं देने वाले है। उनकी जगह विदेश मंत्री एस जयशंकर के बहस में वक्तव्य देने की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की संशोधित अंतिम सूची से यह बात सामने आई है। प्रधानमंत्री इस माह के अंत में न्यूयॉर्क की यात्रा करने वाले हैं। उनके 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड में 16,000 सीट वाले नासाउ वेटरंस मेमोरियल कोलेजियम में एक भव्य सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करने की योजना है।

महासभा के 79वें सत्र की आम बहस के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से जुलाई में जारी वक्ताओं की एक अनंतिम सूची में कहा गया था कि मोदी 26 सितंबर को उच्च स्तरीय बहस में वक्तव्य देने वाले है। हालांकि, शुक्रवार को जारी अनंतिम सूची के मुताबिक, मोदी की जगह अब विदेश मंत्री जयशंकर के 28 सितंबर को प्रस्तावित आम बहस में वक्तव्य देने की संभावना है। सूची के साथ महासभा एवं सम्मेलन प्रबंधन के अवर महासचिव मूव्स एबेलियन के हस्ताक्षर वाला एक नोट जारी किया गया है, इसमें कहा गया है कि वक्ताओं की संशोधित सूची प्रतिनिधित्व के स्तर ('अपग्रेड' और 'डाउनग्रेड') में बदलाव को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है और सदस्य देशों के बीच आदान-प्रदान को दर्शाती है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र की आम बहस इस साल 24 से 30 सितंबर तक आयोजित होगी। परंपरागत रूप से बहस में पहला वक्ता ब्राजील 24 सितंबर को उच्च स्तरीय सत्र की शुरुआत करेगा। दूसरा वक्ता अमेरिका होगा, जिसके मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन संयुक्त राष्ट्र के मंच से सदस्य देशों के नेताओं को अपने कार्यकाल का आखिरी संबोधन देने वाले है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस आम बहस की शुरुआत से पहले अपनी रिपोर्ट पेश करने वाले हैं, जिसके बाद महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष का संबोधन होगा। इस सत्र से पहले गुतारेस 22-23 सितंबर तक 'भविष्य का शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहे है।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, शिखर सम्मेलन एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम है, जो विश्व नेताओं को इस बात पर अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने के लिए साथ लाता है कि हम वर्तमान को कैसे बेहतर बनाएं और भविष्य की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें। इसके अलावा, लॉन्ग आइलैंड में प्रस्तावित सामुदायिक कार्यक्रम में 24,000 से अधिक प्रवासी भारतीयों

ने हिस्सा लेने की इच्छा जताई है, जिसे मोदी संबोधित करने वाले है। इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए (आईएसीयू) ने कहा कि 'मोदी एंड यूएस प्रोग्रेस टुगेदर' कार्यक्रम के लिए पंजीकरण पूरे अमेरिका से 590 सामुदायिक संगठनों के माध्यम से किए गए हैं, जिनमें से सभी ने 'वेलकम पार्टनर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं।